रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:37 | गुरूवार,09 अक्टूबर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

तीन विज्ञानियों को मिलेगा केमिस्ट्री का नोबेल प्राइज

संवादाता

नई दिल्ली (एजेंसी) : सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी को रसायन विज्ञान में अभूतपूर्व कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई। ये वैज्ञानिक दुनिया की नामचीन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं और तीनों में सबसे छोटे उमर एम याघी ने तो बचपन जॉर्डन के रिफ्यूजी कैंप में बिताया है। चारों ओर इन तीन वैज्ञानिकों की उपलब्धियों की चर्चा है, क्योंकि ये आम जिंदगियों सेजुड़ी हैं।

सिंगर जुबीन गर्ग मौत केस में चचेरा भाई गिरफ्तार

गुवाहाटी (एजेंसी) : सिंगरजुबीन गर्ग की मौत के मामले में बुधवार को असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को अरेस्ट किया गया है। संदीपन, सिंगर के चचेरे भाई हैं। हादसे के वक्त वह सिंगापुर में साथ थे। अधिकारी ने बताया कि संदीपन से जुबीन की मौत के सिलसिले में पिछले कुछ दिनों से पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और लापरवाही से मौत का कारण बनने का केस दर्जकिया गया है।

छत्तीसगढ़ में 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

छत्तीसगढ़ : बुधवार को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में चल रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सल प्रभावित माड़ डिवीजन के 70 लाख रुपये के इनामी सहित कुल 16 नक्सलियों ने नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया के समक्ष आज आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित 16 नक्सलियों में 9 पुरुष और 7 महिला नक्सली शामिल हैं। समर्पण करने वालों में एक डिप्टी कमांडर स्तर का नक्सली भी है, जो कई बड़ी वारदातों में शामिल रहा है। नारायणपुर एसपी रॉबिंसन गुड़िया ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी आत्मसमर्पित नक्सली लंबे समय सेअलग-अलग नक्सली दलों से जुड़े थे और नारायणपुर, अबूझमाड़, ओरछा, व बस्तर क्षेत्र में सक्रिय थे। आत्मसमर्पित नक्सलियों में शामिल डिप्टी कमांडर पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें सुरक्षाबलों पर हमला, आईईडी विस्फोट और ग्रामीणों की हत्या जैसे संगीन अपराध शामिल है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शहीद आरक्षियों के परिजनों ने की मुलाकात

सीएम ने सौंपा 1 करोड़ 10 लाख रुपये का चेक

संवादाता

रांची :मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने शहीद जवान के परिजनों से सहानुभूति पूर्वक आत्मीयता के साथ बात-चीत की तथा उनकी पारिवारिक स्थिति की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने शहीद परिजनों के दर्द को बांटा। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने शहीद के परिजनों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने दोनों शहीद आरक्षी जवान के मां, पिता, पत्नी, बच्चे, भाई सहित अन्य परिजनों से बात की तथा पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी

संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहीद आरक्षी सुनील कुमार राम एवं संतन कुमार मेहता ने राज्यवासियों की सेवा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, उनकी शहादत को नमन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शहीद परिवार की पीड़ा को गहराई से समझती है। झारखंड हमेशा अपने शहीदों का ऋणी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों के बेहतर समन्वय और प्रयास से आपको आज यह सम्मान राशि दी जा रही है। इस सम्मान राशि का बेहतर उपयोग करते हुए आप अपने बच्चों को सकारात्मक दिशा प्रदान करने का कार्य करें ताकि उनके बेहतर भविष्य का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार शहीद जवानों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने हेतु अलग से एक आवासीय विद्यालय रांची में बनाएगी।

सीधे परिजनों के बैंक खातों में जमा की गई सम्मान राशि

सारंडा वन क्षेत्र मामले पर झारखंड सरकार को मिली 'सुप्रीम' राहत

57,519.41 नहीं, सिर्फ 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र घोषित होगा अभयारण्य

एजेंसी

रांची/ नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के सारंडा जंगल को अभयारण्य घोषित करने के मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत दी है। अदालत ने बुधवार को राज्य सरकार को 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को ही अभयारण्य घोषित करने की अनुमति दे दी है, जबकि पहले 57,519.41 हेक्टेयर क्षेत्र को 8 अक्टूबर 2025 तक अभयारण्य घोषित करने का आदेश था। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने इस मामले में सुनवाई के दौरान झारखंड सरकार, सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड), एमिकस क्यूरी और अन्य संबंधित पक्षों की दलीलें सुनीं। इसके बाद अदालत ने सेल और वैध माइनिंग लीज वाले क्षेत्रों को अभयारण्य की सीमा से बाहररखने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को इस संबंध में एक सप्ताह के भीतर शपथ पत्र दाखिल करने का आदेश दिया है। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद झारखंड सरकार की मांग स्वीकार कर ली और 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने

हेमंत सरकार को 'सुप्रीम' राहत, सेल और वैध माइनिंग लीज को इस एरिया के प्रभाव क्षेत्र से मुक्त रखने का मिला आदेश

डब्ल्यूआईआई के भेजे गए जवाब और मैप का उल्लेख

की अनुमति दी। सुनवाई के दौरान अदालत के निर्देश पर राज्य के मुख्य सचिव भी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे।सुप्रीम कोर्ट में झारखंड सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि एनजीटी ने सारंडा जंगल के 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने का निर्देश दिया था,

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने एनजीटी द्वारा दिए गए आदेश के मुकाबले क्षेत्रफल में वृद्धि का कारण जानना चाहा। राज्य सरकार की ओर से कपिल सिब्बल ने इसका जवाब देते हुए डब्ल्यूआईआई द्वारा भेजे गए जवाब और मैप का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूआईआई ने अध्ययन कर रिपोर्ट देने के लिए पहले आठ साल का समय मांगा और इस पर तीन करोड़ रुपये का खर्च बताया। इसके बाद डब्ल्यूआईआई ने एक मैप भेजा, जिसमें 5519.41 हेक्टेयर को सैंक्चुरी घोषित करने पर विचार करने का प्रस्ताव दिया गया था। इस प्रस्ताव से संबंधित फाइल डीएफओ के स्तर से होते हुए पीसीसीएफ तक पहुंची। इस पर सरकार की सहमति नहीं थी। वन सचिव ने इसी प्रस्ताव की जानकारी शपथपत्र के माध्यम से दी थी। सरकार को एनजीटी के दिशा निर्देश केआलोक में 31468.25 हेक्टेयर को सैंक्चुअरी घोषित करने में कोई आपत्ति नहीं है। इसलिए न्यायालय सरकार को 31468.25 हेक्टेयर को सैंक्चुअरीघोषित करने की अनुमति दे।

हेमंत सोरेन सरकार ने कोर्ट में दी यह दलील

सुप्रीम कोर्ट में झारखंड सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि एनजीटी ने सारंडा जंगल के 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने का निर्देश दिया था, जिसपर सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। बाद में वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने प्रस्तावित अभयारण्य का क्षेत्रफल बढ़ाकर 57,519.41 हेक्टेयर कर दिया। इससे कई खनन क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यदि इतने बड़े क्षेत्र को अभयारण्य घोषित किया गया, तो यहां दशकों से चल रही लौह अयस्क और अन्य खनिजों की खदानों पर रोक लग जाएगी। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वर्षों से जो खनन कार्य कानूनी रूप से चल रहे हैं, उन्हें बंद करने से देश-राज्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार पर गंभीर असर पड़ेगा।

मुंबई में 26/11 के आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर किया हमला

सेनाएं बदला लेने को तैयार थीं सरकार ने टेक दिए थे घुटने

नवी मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमले के वक्त तत्कालीन सरकार ने 'कमजोरी और घुटने टेक देने' वाला संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि उस समय भारतीय सेनाएं पाकिस्तान पर कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार थीं, मगर सरकार ने विदेशी दबाव में ऑपरेशन की इजाजत नहीं दी। पीएम मोदी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे जीवंत शहरों में से एक है। 2008 में जब आतंकियों ने इस शहर को निशाना बनाया, तब पूरे देश का खून खौल उठा था। लेकिन कांग्रेस सरकार ने उस वक्त ऐसा संदेश दिया, जिससे आतंकियों के हौसले बढ़े।' उन्होंने पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम का नाम लिए बिना उनके हालिया बयान पर भी निशाना साधा। चिदंबरम ने 30 सितंबर को कहा था कि '26/11 हमले के बाद बदले की भावना तो थी, लेकिन उस समय की यूपीए सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का निर्णय लिया।' मोदी ने इस बयान का हवाला देते हुए कहा, 'हाल में कांग्रेस के एक बड़े नेता, जो देश के गृह मंत्री भी रह चुके हैं, उन्होंने खुद स्वीकार किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार थीं। लेकिन किसी दूसरे देश के दबाव में कांग्रेस सरकारने सेना को रोक दिया।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में 74 से आज देश में एयरपोर्ट की संख्या 160 पहुंच गई है। छोटे शहरों में एयरपोर्ट पहुंचने से लोगों को विकल्प मिलता है। उड़ान योजना से बहुत लोगों ने पहली बार हवाई सफर किया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक एविएशन मार्केट बनगया है।

लो आ गई मशीन, इधर अंगूठा लगाओ, उधर से निकलेगा गेहूं-चावल

एजेंसी

नई दिल्ली : आप राशन कार्डधारक हैं। आपको अपने कोटे का राशन लेना है तो आपको डीलर के यहां जाना पड़ता है। लेकिन, आने वाले दिनों में शायद आपको इसकी जरूरत न पड़े। जैसे अब पैसे निकालने के लिए आपको बैंक जाने की जरूरत नहीं होती, उसी तरह देश में ऐसे एटीएम लगाए जाने का विचार है, जहां से आप अपने कोटे का राशन खुद ले

सकें। नई दिल्ली में बुधवार को मोबाइल कांग्रेस में एरिक्सन कंपनी ने राशन एटीएम लांच किया जिसका प्रस्तुतिकरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष पेश किया गया। आप एटीएम पर बायोमीट्रिक लगाएंगे और वह आपके थैले में राशन का अनाज उगल देगा। ऐसे एटीएम से एक बार में 25-30 किलोग्राम राशन लिया जा सकता है। अब देशभर में जल्द ही 'राशन एटीएम' आम जनता के लिए सुविधा का नया माध्यम बन सकते हैं। इस तकनीक के जरिए कोई भी लाभुक अपने आधार आधारित बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन से सीधे मशीन से राशन प्राप्त कर सकेगा। मशीन कार्डधारक के खाते में दर्ज कोटे के अनुसार तय वजन में अनाज देगी। यदि कोई लाभुक एक बार में पूरा कोटा नहीं लेना चाहता, तो वह अपनी सुविधा के अनुसार शेष राशन बाद में निकाल सकता है। इस प्रयोग का 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' योजना को प्रभावी तरीके से उतारने की दिशा में पहलके रूप में देखा जा रहा है,

बिहार विस चुनाव को लेकर अलर्ट मोड में झारखंड पुलिस

एजेंसी

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट मोड में आ चुकी है। बॉर्डर वाले जिलों में मादक पदार्थों और अवैध हथियार, पैसे और शराब की तस्करी पर ब्रेक लगाने के लिए झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से झारखंड के सभी जिलों के एसएसपी व एसपी को अलर्ट जारी किया गया है। आईजी अभियान ने इस संबंध में सभी जिलों के एसपी को पत्र भी भेजा गया है। झारखंड के

पलामू, गढ़वा, चतरा और कोडरमा जैसे जिलों में विशेष सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिया गया है। झारखंड पुलिस के प्रवक्ता-सहआईजी अभियान डॉ. माइकल राज ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव को स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न करवाने को लेकर अवैध शराब और मादक पदार्थों के निर्माण, व्यापार, परिवहन और तस्करी के रोकथाम के लिए सभी तरह के निरोधात्मक कार्रवाई करने को लेकर निर्देश जारी किए गए है। आईजी अभियान ने बताया की पूर्व में भी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीएस और डीजीपी के स्तर से निर्देश जारी किए गए हैं।

न्यूज स्टडी होमटाउन की ही केंद्रीय कारा में बंद है रेड़मा का रहने वाला गैंगस्टर, गैंगवार की आशंका

पलामू जेल में है सुजीत सिन्हा, सुपरिंटेंडेंट की सिफारिश के बाद भी नहीं हुआ शिफ्ट

एजेंसी

रांची: अमन साहू के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद कोयलांचल में धौंस जामने के लिए कई अपराधी लाइन लगाए हुए हैं। इनमें एक नाम सुजीत सिन्हा का भी है। झारखंड का कुख्यात सुजीत सिन्हा पलामू सेंट्रल जेल में बंद है। सुजीत सिन्हा पलामू के रेड़मा का रहने वाला है। अपने ही जिले का कुख्यात आज वहीं की जेल में कैद है, जहां कभी उसके खौफ की कहानियां सुनाई देती थीं। होमटाउन की जेल में रहने से उसे किसी भी तरह की सुविधा की कोई दिक्कत नहीं होती है। इस कारण जेल में गैंगवार का भी खतरा बढ़ा हुआ है। जेल सुपरिंटेंडेंट भागीरथी कारजी के अनुसार, सुजीत को पलामू जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट कराने के लिए पत्र लिखा गया है। पत्र में उन्होंने बताया है

कि पलामू जेल में स्थानीय अपराधी भी बंद हैं। ऐसे में सुजीत सिन्हा का पलामू जेल में रहना खतरनाक हो सकता है। जेलसुपरिंटेंडेंट ने गैंगवार की आशंका भी जाहिर की है। फोटोन संवाददाता से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा है कि होमटाउन के जेल में रहने के कारण गैंगवार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। चूंकि, सुजीत सिन्हा के इस जिले में कई विरोधी हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट के पत्र लिखने के बावजूद सुजीत सिन्हा को अब तक पलामू सेंट्रल जेल में ही रखा गया है।उसके फेसबुक आईडी को देखने से साफ पता चलता है कि अपराध का नेटवर्क भी इसी से ऑपरेट किया जा रहा है। पुलिस रिकॉर्ड में इसका नाम हत्या, वसूली, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे संगीन मामलों से जुड़ा है।सुजीत सिन्हा पर राज्यभर में दर्जनों केस दर्ज हैं ।

जेल से भी कॉरपोरेट स्टाइल में गैंग चला रहा है कुख्यात

बावजूद सुजीत सिन्हा का सोशल मीडिया अकाउंट लगातार एक्टिव है। उसके फेसबुक आईडी को देखने से साफ पता चलता है कि अपराध का नेटवर्क भी इसी से ऑपरेट किया जा रहा है। पुलिस रिकॉर्ड में इसका नाम हत्या, वसूली, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे संगीन मामलों से जुड़ा है। सुजीत सिन्हा पर राज्यभर में दर्जनों केस दर्ज हैं। बता दें कि सुजीत सिन्हा के गैंग के कई सदस्य भी पलामू सेंट्रल जेल में ही बंद हैं। पलामू सेंट्रल जेल में पहले से कई कुख्यात अपराधी और नक्सली बंद हैं। पीएलएफआई का सुप्रीमो दिनेश गोप भी इसी जेल में है। पलामू जेल में सुजीत के कई विरोधी अपराधी भी हैं। इससे जेल के अंदर गैंगवार की आशंका बढ़ गई है। सुजीत सिन्हा के खिलाफ एनआईए की भी जांच चल रही है। उस पर रांची, हजारीबाग, लातेहार, चतरा, रामगढ़ और पलामू समेत कई इलाकों में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के आरोप हैं।

मांडर में राजकीय मुड़मा जतरा शुरू, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की हुई शामिल

संवाददाता

रांची : राजकीय मुड़मा जतरा का दो दिवसीय आयोजन शक्ति खूंटा स्थल पर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना एवं जल अर्पित कर शुरू हुआ. देशभर से हजारों लोग इस ऐतिहासिक जतरा में शामिल हुए. कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जतरा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गौरव का क्षण है कि हम अपने पूर्वजों की विरासत को मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं. मंत्री ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां थोड़ी दूरी पर रहन-सहन, खान- पान और बोली बदल जाती है. उन्होंने बताया कि रोहतासगढ़ से उरांव समाज के लोग जब यहां पहुंचे तो मुंडा समाज ने उन्हें बसाने का काम किया. मुड़मा स्थल मुंडा और उरांव समाज के मिलन और समागम के लिए जाना जाता है. शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि यह जतरा साधारण नहीं है, बल्कि पुरखों की

पहचान, सामूहिकता, एकता और भाईचारगी के विश्वास को बनाए रखने का प्रतीक है. उन्होंने जताया कि राजकीय मुड़मा जतरा के प्रति आस्था और ख्याति हमेशा बनी रहे, इसके लिए सकारात्मक प्रयास जारी रहेंगे.

आरयू में वन नेशन वन इलेक्शन पर राष्ट्रीय परिचर्चा, नेता प्रतिपक्ष बोले- एक साथ चुनाव से देश को मिलेगी नई दिशा

रांची, संवाददाता ।

रांची विश्वविद्यालय के लीगल स्टडीज सेंटर सभागार में बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के तत्वावधान में वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परिचर्चा का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, कई शिक्षाविद, विधि विशेषज्ञ और विभिन्न विषयों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में शामिल हुए.

वक्ताओं ने 'वन नेशन वन इलेक्शन' की अवधारणा पर डाली रोशनी

कार्यक्रम की शुरूआत में वक्ताओं ने वन नेशन वन इलेक्शन की अवधारणा को विस्तार से समझाया. उन्होंने कहा कि इसका मतलब है भारत में लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव को एक साथ कराना ताकि बार-बार चुनाव से होने वाले समय, धन और प्रशासनिक बोझ को कम किया जा सके. वक्ताओं ने बताया कि 1952 में जब भारत में पहली बार आम चुनाव हुए थे, तब लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे लेकिन बाद में राज्यों में सरकारें समय से पहले गिरने के कारण यह क्रम टूट गया. अब केंद्र सरकार इसे दोबारा लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है. इस दिशा में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने मार्च 2024 में अपनी विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी. 18,000 पन्नों की इस रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिसंबर 2024 में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल को मंजूरी दी और संसद में इसे प्रस्तुत किया.

बार बार चुनाव होने से लागू होता रहता है मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट

परिचर्चा में उपस्थित शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भी इस प्रस्ताव के फायदे और चुनौतियों पर खुलकर चर्चा की. वक्ताओं ने बताया कि बार-बार चुनाव होने से मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू होता रहता है, जिससे विकास कार्य रूक जाते हैं. वहीं एक साथ चुनाव से सरकारी खर्च में कमी आएगी, प्रचार अभियान सीमित होंगे और प्रशासनिक संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा.

एक साथ चुनाव कराने से राष्ट्रीय जीडीपी ग्रोथ में 1.5% तक की वृद्धि का अनुमान

सांख्यिकीय रूप से बताया गया है कि देश में एक साथ चुनाव लागू किए जाए तो 2029 में इसकी अनुमानित लागत लगभग 7,951 करोड़ रुपये होगी जबकि अलग-अलग चुनाव कराने पर इससे कई गुना अधिक खर्च होता है. इसके साथ ही एक साथ चुनाव से मतदान प्रतिशत बढ़ने और राष्ट्रीय जीडीपी ग्रोथ में 1.5% तक की वृद्धि का अनुमान भी जताया गया है.

'वन नेशन वन इलेक्शन' प्रशासनिक पारदर्शिता में ऐतिहासिक कदम

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी इस विषय पर सवाल पूछे और अपने सुझाव साझा किए. आखिर में वक्ताओं ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन केवल राजनीतिक सुधार नहीं बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहित की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है.

आईएएस विनय चौबे ने विनय सिंह की मौजूदगी में सीओ अलका कुमारी को ऑफिस बुलाकर कराया था म्यूटेशन

72 डिसमिल भूमि रैयती खाते की थी और 28 डिसमिल भूमि गैरमजरुआ खास किस्म की भूमि का हुआ था म्यूटेशन.

म्यूटेशन को नियमविरुद्ध बताने पर विनय चौबे ने राजस्व कर्मचारी संतोष कुमार वर्मा को बुलाया और जांच रिपोर्ट देने का आदेश दे दिया.

राजस्व कर्मचारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन डीसी विनय चौबे के कहने पर किया म्यूटेशन.

रांची, संवाददाता ।

हजारीबाग वन भूमि घोटाले मामले में एसीबी ने 7 अक्तूबर को एडीएम रैंक की अफसर अलका कुमारी का बयान हजारीबाग अउइ की विशेष कोर्ट में दर्ज करवाया है. अलका कुमारी पूर्व में हजारीबाग जिले में सदर सीओ के पद पर पदस्थापित रह चुकी है. उन्होंने कोर्ट में दिए अपने बयान में कहा है कि वर्ष 2010 में जब वह हजारीबाग जिले में सदर सीओ के पद पर पदस्थापित थीं उस दौरान एक दिन तत्कालीन उछ विनय चौबे ने उन्हें अपने कार्यालय में बुलाया. जब वह डीसी के कार्यालय पहुंची तो वहां एक व्यक्ति पहले से बैठा हुआ था. विनय चौबे ने उस व्यक्ति का परिचय कराते हुए बताया कि उस व्यक्ति का नाम विनय सिंह है. जिसके बाद अलका कुमारी को एक दस्तावेज दिया गया और दाखिल खारिज (म्यूटेशन) करने की बात कही गई. दस्तावेज का निरीक्षण करने पर पता चला कि 72 डिसमिल भूमि रैयती खाते की थी और 28 डिसमिल भूमि गैरमजरुआ खास किस्म की भूमि थी.

अलका कुमारी ने विनय चौबे को यह बताया कि गैरमजरुआ खास किस्म की भूमि का म्यूटेशन करना नियमसंगत नहीं है. इसके बाद विनय चौबे ने राजस्व कर्मचारी संतोष कुमार वर्मा को बुलाया और जांच रिपोर्ट देने का आदेश दे दिया. विनय चौबे के आदेश के बाद राजस्व कर्मचारी और सीआई ने कुछ ही समय में अपनी रिपोर्ट दे दी. जांच रिपोर्ट आने के बाद डीसी विनय चौबे ने कहा कि रिपोर्ट आ गई अब म्यूटेशन करो. विनय चौबे द्वारा म्यूटेशन के लिए कहने पर जब अलका कुमारी ने विरोध किया तो उन्हें विनय चौबे ने कहा कि यह एक आदेश है जिसका अनुपालन करना है. जिसके बाद उनके आदेशानुसार औपचारिकता निभाते हुए विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम से उक्त भूमि का म्यूटेशन किया गया.

टीसीएस में जॉब पाने का सुनहरा अवसर, मारवाड़ी कॉलेज में टीसीएस प्री-प्लेसमेंट टॉक

रांची, संवाददाता ।

मारवाड़ी कॉलेज, रांची के प्लेसमेंट सेल द्वारा आज आईटी सेक्टर की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सहयोग से प्री-प्लेसमेंट टॉक का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में कॉलेज के बीए, बीकॉम और बीबीए विभागों के 2024, 2025 और 2026 में स्नातक होने वाले विद्यार्थियों ने भाग लिया. सत्र के दौरान टीसीएस की टेक्निकल टीम ने विद्यार्थियों के द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए तथा कंपनी में आवेदन की प्रक्रिया और चयन परीक्षा की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की. जानकारी दी गयी कि टीसीएस की भर्ती परीक्षा 6 नवंबर 2025 को टीसीएस आयन डिजिटल सेंटर में आयोजित की जाएगी. इच्छुक विद्यार्थी नीचे दिये गये लिंक के माध्यम से 19 अक्टूबर 2025 तक रजिस्ट्रेशन और फॉर्म भर सकते हैं. मारवाड़ी कॉलेज के प्लेसमेंट सेल की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन 14 अक्टूबर तक किये जा सकते हैं. कॉलेज की वेबसाइट पर जाकर ऊपर से चौथे लिंक पर क्लिक कर विद्यार्थी एनरोल कर सकते हैं.

बिहार चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट, विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश

रांची, संवाददाता ।

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस भी पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से राज्य के सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस महानिरीक्षक अभियान डॉ. माइकल राज ने इस संबंध में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र भी लिखा है। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। ऐसे में झारखंड के पलामू, गढ़वा, चतरा और कोडरमा जैसे जिलों में विशेष सतर्कता बढ़ाने के निर्देश झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से दिया गया है। बिहार से सटे सीमावर्ती इलाकों में मादक पदार्थ, अवैध हथियार, पैसे और शराब की तस्करी पर रोक लगाने के लिए झारखंड पुलिस की ओर से विशेष तौयारी की गयी है।

झारखंड पुलिस के प्रवक्ता सह आईजी अभियान डॉ. माइकल राज ने बुधवार को बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव को स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न करवाने को लेकर अवैध शराब और मादक पदार्थों के निर्माण, व्यापार, परिवहन और तस्करी की रोकथाम के लिए सभी तरह के निरोधात्मक कार्रवाई करने को लेकर निर्देश जारी किए गए है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक स्तर से निर्देश जारी किए गए हैं।

आईजी अभियान ने बताया कि चुनाव आयोग के जरिए जो भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, उसके अनुसार तमाम तरह की सतर्कता झारखंड पुलिस की ओर से बरती जा रही है। अवैध नकदी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार जितना नकद ले जाने की इजाजत आम लोगों को मिलती है। अगर उससे ज्यादा कोई नकद लेकर जाता है, तो उस पर नजर रखने और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए झारखंड में चेक पोस्ट भी तैयार किया जा रहे हैं। सभी चेक पोस्ट पर बिहार पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर तलाशी अभियान चलाया जाएगा। आईजी ने बताया कि वैसे झारखंड के जिले, जो बिहार से सटे हुए हैं, वहां के पुलिस अधीक्षक अपने बिहार के निकटवर्ती जिलों के पुलिस अधीधकों से समन्वय स्थापित कर अंतर जिला बैठक करेंगे। इसके अलावा अंतर राजयीय बैठक की भी रणनीति तैयार की गई है। झारखंड पुलिस की तरफ से प्रदेश के घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी गई है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में निगम की बड़ी कार्रवाई, अवैध दुकानें ढहीं, ट्रकों पर जुर्माना

रांची, संवाददाता ।

शहर को अतिक्रमण मुक्त और जाम मुक्त बनाने के उद्देश्य से रांची नगर निगम द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में आज वार्ड नंबर 29 स्थित पहाड़ी टोला, गाड़ीखाना चौक मार्ग पर नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम ने विशेष अभियान चलाया. प्रशासक महोदय के निदेर्शानुसार चलाए गए इस अभियान के दौरान सड़क किनारे बने अवैध दुकानों और अतिक्रमणों को हटाया गया.राजकीयकृत हिन्दी बालक मध्य विद्यालय, पहाड़ी टोला की बाउंड्री वॉल से सटे छह अवैध दुकानों और अन्य अस्थायी संरचनाओं को निगम टीम ने तोड़कर हटाया. इसके अलावा मुख्य मार्ग पर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले दो ट्रकों पर रु10,000-रु10,000 का जुर्माना लगाया गया. ट्रक मालिकों को भविष्य में सड़क पर पार्किंग न करने की सख्त चेतावनी दी गई. निगम अधिकारियों के अनुसार, पूर्व में इन दुकानदारों को स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था, लेकिन अनुपालन न होने पर यह कार्रवाई की गई. नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी मालवाहक वाहनों को केवल रात 12:00 बजे से प्रातः 5:00 बजे तक ही लोडिंग और अनलोडिंग की अनुमति है. निर्धारित समय के बाहर यह गतिविधि पाए जाने पर वाहन संचालक एवं मालिकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी.नगर निगम का यह अभियान आने वाले दिनों में भी शहर के विभिन्न इलाकों में जारी रहेगा।

गोंदलपुरा कोल प्रोजेक्ट झारखंड के पर्यावरण के लिए घातक, भाकपा माले ने नीलामी रद्द कराने की मांग की

रांची, संवाददाता ।

भाकपा (माले) ने हजारीबाग में प्रस्तावित अडाणी गोंदलपुरा कोल प्रोजेक्ट को राज्य के पर्यावरण और स्थानीय जनजीवन के लिए घातक करार देते हुए इस परियोजना को तुरंत रद्द कराने की मांग की है. पार्टी ने आरोप लगाया कि यह परियोजना कॉरपोरेट स्वार्थ की पूर्ति के लिए बनाई जा रही है, जिसका सबसे बड़ा नुकसान झारखंड की प्राकृतिक संपदा और आदिवासी ग्रामीणों को झेलना पड़ेगा. भाकपा माले राज्य कमिटी के नेता मनोज भक्त ने बयान जारी कर कहा कि गोंदलपुरा कोल ब्लॉक के लिए प्रस्तावित 1060 एकड़ अधिग्रहण क्षेत्र में से लगभग आधी जमीन वनभूमि है, जिसमें कई नदियां और जलस्रोत भी शामिल हैं. उन्होंने कहा कि अगर इस क्षेत्र में कोयला खनन शुरू हुआ तो उत्तरी छोटानागपुर का पर्यावरण संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाएगा और झारखंड की पारिस्थितिकी को गंभीर नुकसान पहुंचेगा. यह परियोजना अडाणी समूह के कॉरपोरेट हितों को साधने के लिए बनाई गई है. इसके चलते झारखंड को पर्यावरणीय विनाश और विस्थापन की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी.

गांवों के 2000 परिवार होंगे विस्थापित

मनोज भक्त ने बताया कि परियोजना क्षेत्र के हाहे, फूलांग, बालोदर, गाली और गोंदलपुरा गांवों के लगभग 2000 परिवार सीधे तौर पर प्रभावित होंगे. पार्टी ने आरोप लगाया कि जबरन भूमि अधिग्रहण के लिए सरकार और कंपनी द्वारा वन कानूनों, ग्रामसभा के अधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी की जा रही है. स्थानीय लोगों पर दबाव बनाने के लिए दलालों और बाहरी तत्वों का सहारा लिया जा रहा है. माले ने मांग की है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गोंदलपुरा कोल ब्लॉक की नीलामी को रद्द करवाने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाएं और राज्य की जनता के प्रति अपनी स्पष्ट पक्षधरता दिखाएं. पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार चुप रही तो भाकपा माले आंदोलनरत ग्रामीणों के साथ मिलकर राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी.

एम्बुलेंस सेवा में लापरवाही पर सख्त हुए अपर मुख्य सचिव, कंपनी को सुधार के निर्देश

रांची, संवाददाता ।

राज्य में 108 एम्बुलेंस सेवा की लेटलतीफी और मरीजों को हो रही परेशानियों को लेकर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह सख्त हो गए हैं. बुधवार को उन्होंने एक आपात बैठक बुलाकर सेवा प्रदाता संस्था सम्मान फाउंडेशन को कड़ी फटकार लगाई और सेवा में तुरंत सुधार लाने के निर्देश दिए. अपर मुख्य सचिव ने कहा कि समाचार पत्रों में लगातार एम्बुलेंस के विलंब से पहुंचने की खबरें प्रकाशित हो रही हैं, जो यह दशार्ती हैं कि विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में सेवाओं की स्थिति अत्यंत खराब है. उन्होंने कहा कि इससे न केवल मरीजों को कष्ट हो रहा है, बल्कि राज्य की छवि को भी नुकसान पहुंच रहा है. बैठक में राज्य स्वास्थ्य समिति के एमडी शशि प्रकाश झा, कॉरपोरेशन के एमडी अबु इमरान तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे. अपर मुख्य सचिव ने स्पष्ट कहा कि एम्बुलेंस सेवा की गुणवत्ता किसी भी सूरत में उत्कृष्ट होनी चाहिए और मरीजों को समय पर सेवा मिलनी चाहिए. उन्होंने एजेंसी को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि लापरवाही या देरी की शिकायतें फिर से मिलीं, तो कंपनी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही, 108 एम्बुलेंस सेवा की निगरानी कर रहे डॉक्टर पंकज को निर्देश दिया गया है कि वे प्रतिदिन कम से कम 10 एम्बुलेंस की लाइव मॉनिटरिंग करें और वाहनों की स्थिति की नियमित रिपोर्ट विभाग को भेजें. अपर मुख्य सचिव ने कहा कि एम्बुलेंस सेवा जनता की जीवनरेखा है, और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

मानसिक स्वास्थ्य पर बढ़ते फोकस के साथ झारखंड में जागरूकता अभियान की शुरूआत

रांची, संवाददाता ।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह का शुभारंभ आज आईपीएच ऑडिटोरियम, नामकुम में हुआ. यह कार्यक्रम 10 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक पूरे राज्य में आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने किया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं. नकारात्मक सोच और तनाव लोगों के जीवन का हिस्सा बनती जा रही है. उन्होंने कहा कि यदि लोग अपने विचारों को सकारात्मक रखें तो उनके आस-पास का माहौल भी सकारात्मक बनेगा. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक तंबाकू खाने वाला व्यक्ति अगर अपने खर्च का हिसाब लगाए तो वह उस पैसे से एक घर बना सकता है. श्री झा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष रूप से कार्य कर रहा है.

सभी जिलों में मानसिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं और डॉक्टर व काउंसलर की नियुक्ति की जा रही है. स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक प्रमुख डॉ सिद्धार्थ सान्याल ने कहा कि आज समाज में लोगों का आपसी जुड़ाव कम हो रहा है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि अन्य बीमारियां जैसे टीबी और मलेरिया पर नियंत्रण पाया जा रहा है, लेकिन मानसिक बीमारियों में वृद्धि हो रही है.

अब मेडिकल, मेंटल और सोशल वेलनेस पर एक साथ काम करने की आवश्यकता है. कार्यक्रम के स्वागत भाषण में डॉ अश्विनी कुमार ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में स्वास्थ्य विभाग मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रहा है. डॉ प्रीथा राय, साइकियाट्रिस्ट टेली मानस, ने कहा कि कार्यस्थल पर ऐसा वातावरण बनाना जरूरी है जिससे तनाव और बर्नआउट से बचा जा सके. मेंटल हेल्थ कंसलटेंट शांतना ने बताया कि दुनिया की लगभग 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी मानसिक विकार से ग्रसित है. लोगों के बीच संवाद की कमी और अकेलेपन की प्रवृत्ति मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है. इस अवसर पर ब्रह्मा कुमारी, डॉ मधुमिता, डॉ पी के सिंह, डॉ लाल मांझी, नोडल अधिकारी डॉ पाठक, डॉ पंकज, डॉ रणजीत सहित विभिन्न सेल के कंसल्टेंट, जिलों एवं प्रखंडों के कार्यक्रम प्रबंधक उपस्थित थे. लगभग 120 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया.

कुड़मियों को एसटी दर्जा देने के मुद्दे पर दो गुटों में बंटी झारखंड कांग्रेस!

रांची, संवाददाता ।

कुड़मी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने के मुद्दे पर, झारखंड कांग्रेस के अंदर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं. राज्य के दो मुख्य समुदाय कुड़मी और आदिवासियों के बीच दरार बढ़ती जा रही है, जबकि झारखंड कांग्रेस के अंदर इस मुद्दे में पार्टी नेता दो राय में बंटते नजर आ रहे हैं. दरअसल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने ईटीवी भारत को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में छोटानागपुर के कुड़मियों को एसटी सूची में शामिल करने की मांग को काफी पुराना बताया था. केशव महतो कमलेश ने कहा था कि सांसद के रूप में शिबू सोरेन द्वारा प्रधानमंत्री तक को पत्र लिखा था. इस बयान के बाद अब कांग्रेस के जनजाति समुदाय के नेता भी खुलकर अपनी बात रखने लगे हैं.

आदिवासी बन जाने से कुड़मी समुदाय का नहीं हो जाएगा समाधान

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और पूर्व कार्यालय प्रभारी अमूल्य नीरज खलखो ने कहा कि पूरे देश में कुड़मी, पिछड़े वर्ग में शामिल हैं और उन्हें नहीं लगता कि उनके आदिवासी बन जाने से कुड़मी समुदाय की समस्याओं का समाधान हो जाएगा. उन्होंने अपने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की कही बातों से उलट यहां तक कह दिया कि आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्र की सरकार ने जो उत्तर दिया है, उससे साफ है कि 1931 में कुड़मी समुदाय की स्थिति क्या थी? इसकी कोई जानकारी नहीं है.

बैठक में पार्टी का स्टैंड होगा फाइनल

पूर्व मंत्री एवं झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि यह काफी संवेदनशील मुद्दा है और पीएसी यानी कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में ही कांग्रेस पार्टी के स्टैंड का फैसला होगा. झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जो खुद भी कुड़मी समुदाय से आते हैं, उन्होंने ईटीवी भारत से खास बातचीत में कहा था कि कुड़मी समुदाय द्वारा एसटी में शामिल करने की मांग बहुत पुरानी है, यहां तक कि अंग्रेज अफसर हर्बर्ट होप रिस्ले ने 10 कास्ट एंड ट्राइब्स की जो सूची जारी की थी उसमें उरांव, मुंडा, हो, खड़िया, संथाल के साथ कुड़मी को भी एसटी सूची में रखा था. उन्होंने यह भी कहा था कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने भी सांसद रहते हुए कुड़मियों को एसटी में शामिल करने के मुद्दे पर तत्कालीन प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था.

झारखंड कांग्रेस के आदिवासी नेता भी हुए मुखर

केशव महतो कमलेश ने ईटीवी भारत से खास बातचीत में यह भी कहा था कि 1901, 1911, 1921 की जनगणना में कुड़मी को ट्राइब्स में रखा गया था. उन्होंने कुड़मी को एसटी में शामिल कर ओबीसी की तरह ST को भी दो अनुसूची ST-1 और ST-3 बनाने की बात भी कही थी. जिसके बाद से झारखंड कांग्रेस के आदिवासी नेता भी इस मुद्दे पर मुखर होने लगे हैं.

राजी पड़हा मुड़मा जतरा में आदिवासी संस्कृति की छटा

उरांव और मुंडा समाज के मिलन स्थल 'शक्ति खूंटा स्थल' पर दो दिवसीय उत्सव शुरू

संवाददाता । रांची

रांची : रांची जिले के मांडर प्रखंड स्थित ऐतिहासिक शक्ति खूंटा स्थल पर बुधवार से दो दिवसीय राजी पाड़हा मुड़मा जतरा मेला की शुरुआत हुई। पारंपरिक रीतिरिवाजों के साथ पूजा-अर्चना और जल अर्पण के बाद देशभर से पहुंचे लोगों ने जतरा में भाग लिया। पूरे परिसर में आदिवासी परंपरा, लोकगीतों और नृत्य की गूंज से वातावरण उत्सवमय हो उठा। इस मौके पर झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि यह जतरा सिर्फ एक मेला नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों की सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हम अपने पुरखों की परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। हमारा देश विविधताओं से भरा है- जहां कुछ ही दूरी पर बोली, पहनावा, खानपान और रहन-सहन बदल जाता है। यही विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है।' मंत्री तिर्की ने कहा कि मुड़मा स्थल उरांव और मुंडा समाज के ऐतिहासिक मिलन का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि 'जब उरांव समाज के लोग रोहतासगढ़ से यहां पहुंचे, तब मुंडा समाज ने उन्हें यहांबसाया। यही से दोनों समुदायों के बीच भाईचारे और एकता की मिसाल कायम हुई। यह जतरा हमारे सामूहिक विश्वास, पहचान और एकजुटता का प्रतीक है।' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पारंपरिक जतरा की आस्था, ख्याति और संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी रहें। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी शक्ति खूंटा स्थल पहुंचे और उन्होंने पूजा- अर्चना कर मरांग बुरू से राज्यवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि 'मुड़मा जतरा मेला आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक है, जो सामाजिक एकता और भाईचारे के संदेश को आगे बढ़ाता है।' दो दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक जतरा में दूर-दराज से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं। जगह-जगह पारंपरिक नृत्य, हाट- बाजार और स्थानीय व्यंजनों के साथ मेला का माहौल पूरे मांडर क्षेत्र में उल्लास और श्रद्धा सेसराबोर हो उठा है।

बाजार टांड स्थित दुकानों के किराया विवाद के मुद्दे पर बैठक

संवाददाता । रांची

रांची। बाजार टांड स्थित दुकानों के किराया विवाद से जुडी समस्या के समाधान में विलंब होने से हो रही कठिनाई पर आज चैंबर भवन में रांची नगर निगम किरायेदार संघ के पदाधिकारियों ने झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों से मिलकर, मामले में हस्तक्षेप का आग्रह किया। यह बताया कि वर्षों पूर्व जब निगम का अस्तित्व भी नहीं था, तब व्यापारियों को बाजार टांड में बसाया गया था। तत्कालीन समय में निगम द्वारा आय में वृद्धि के उद्देश्य से दुकानदारों को केवल भूमि का आवंटन किया गया था जिसमें व्यापारियों ने स्वयं के खर्च से संरचना निर्माण किया। निगम द्वारा इस संबंध में निर्गत आदेश के आलोक में दुकानदार निर्माण के अनुरूप निगम को टैक्स का भुगतान भी करते हैं। बावजूद इसके लाइसेंसधारी के निधनोपरांत या परिवार के सदस्य के अलग होने की स्थिति में दुकानों के नाम ट्रांसफर नहीं किया जा रहा। जबरदस्ती पीनल और पीनल पर अतिरिक्त ब्याज लगाकर, इसका भुगतान नहीं करने पर दुकान सील करने की धमकी दी जा रही है जिससे व्यापारी मानसिक रूप से परेशान हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने जल्द ही नगर प्रशासक से मिलकर, इस समस्या का स्थाई समाधान कराने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि चैंबर द्वारा लगातार इस मामले में निगम से वार्ता के बावजूद इस मुद्दे का समाधान नहीं किया जाना विभागीय उदासीनता को दशार्ता है। अनावश्यक परेशानी से त्रस्त होकर व्यापारी आक्रोशित हैं। उन्होंने निगम से अपील की कि किराया समाधान जैसी लोकप्रिय योजना लाकर, वर्षों से चली आ रही समस्या के समाधान की पहल करनी चाहिए। साथ ही दुकानदारों को मालिकाना हक देने का निर्णय भी लिया जाना चाहिए,

मांडर के बजरताड़ में ह्यअल-अरब बिरयानी का शानदार आगाज

संवाददाता । रांची

मांडर : मांडर प्रखंड के बजरताड़ में मंगलवार को ह्यअल-अरब बिरयानीह्ण नामक नए होटल का भव्य उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों, सामाजिक कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की।यह शुभ अवसर न केवल एक नए व्यवसाय की शुरूआत का प्रतीक बना, बल्कि स्थानीय समुदाय के लोगों के बीच आपसी सौहार्द और उत्साह का भी सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।संचालक मकसूद आलम ने बताया कि ह्यअल-अरब बिरयानीह्ण में ग्राहकों को बेहतरीन गुणवत्ता और स्वाद वाली बिरयानी के साथ-साथ विविध लजीज व्यंजन परोसे जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वाद और स्वच्छ वातावरण में पारिवारिक माहौल प्रदान करना है।उद्घाटन समारोह के दौरान आए अतिथियों ने होटल के साज-सज्जा, स्वच्छता और स्वादिष्ट भोजन की प्रशंसा करते हुए संचालक को शुभकामनाएँ दीं।

ओबीसी छात्रों का हक किसी कीमत पर नहीं छीनने देंगे – एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष बिनय उरांव

संवाददाता । रांची

रांची : ंची ।प्रदेश कांग्रेस छात्र संगठन एनएसयूआई झारखण्ड द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्री बिनय उरांव के नेतृत्व एवं निदेर्शानुसार राज्यव्यापी आंदोलन चलाया गया। यह आंदोलन इसलिए किया गया है क्योंकि केंद्र सरकार ने ओबीसी छात्रवृत्ति का 60% हिस्से का फंड जारी नहीं किया है, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। एनएसयूआई यह आंदोलन ओबीसी छात्रों को उनका अधिकार दिलाने के लिए कर रही है। झारखण्ड के सभी जिलों में एनएसयूआई कार्यकताओं ने उपायुक्त (डीसी) को ज्ञापन सौंपकर यह मांग की कि ओबीसी छात्रवृत्ति फंड रिलीज के मुद्दे को केंद्रीय कल्याण मंत्री, केंद्रीय सरकार, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के संज्ञान में तुरंत लाया जाए, ताकि छात्रों को उनका हक मिल सके। रांची जिला में यह आंदोलन एनएसयूआई महानगर अध्यक्ष श्री सतीश केशरी के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिन्होंने डीसी को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर एनएसयूआई प्रदेश सचिव पवन नाग और रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष कैफ अली अपने विश्वविद्यालय समिति के पदाधिकारियों के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे।महानगर अध्यक्ष सतीश केशरी ने स्पष्ट कहा कि अगर केंद्र सरकार ने शीघ्र ही ओबीसी छात्रों का हक नहीं दिया, तो एनएसयूआई पूरे झारखण्ड में चक्का जाम आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगी।एनएसयूआई रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष कैफ अली ने कहा कि -ह्लकेंद्र सरकार ओबीसी छात्रों के साथ सौतेला व्यवहार बंद करे ! उन्हें उनका अधिकार तुरंत दे ! राज्य सरकार को 60% ओबीसी छात्रवृत्ति का केंद्र हिस्सा जारी करे और सहयोग करे, न कि अड़चन बने !

इस दौरान, इलियास अंसारी, विश्वजीत सिंह, दीपक कुमार, इमदाद अंसारी, हर्ष केशरी, अली रजा, सुधांशु कुमार, मेराज खान, रोशन कुमार, दीपक कुमार सहित अनेक एनएसयूआई के सक्रिय साथी मौजूद रहे।

पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत एकदिवसीय राज्य स्तरीय संवेदीकरण कार्यशाला

संवाददाता । रांची

रांची ।गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के तहत एकदिवसीय राज्य स्तरीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन आईपीएच सभागार नामकुम में आयोजित किया गया ' कार्यशाला में सभी जिला से एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट,सिविल सर्जन एवं असिस्टेंट नोडल ऑफिसर (ढउढठउ‌ळ) एवं अन्य पदाधिकारी प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए '

कार्यशाला की शुरूआत में निदेशक प्रमुख,स्वास्थ्य सेवाएं डॉ सिद्धार्थ सान्याल के द्वारा गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (ढउ-ढठउ‌ळ अ‌ू३) के प्रति प्रतिभागियों को जागरूक किया गया ' साथ ही कहा कि हर जिला में ऊअउ (ऊ‌र३ि‌ू३ अ‌ि२ङ्म‌१८ू‌ङ्के३ि‌ी) की मीटिंग हर 2 महीने पर किया जाना है ' इसके लिए सभी जिला के उपायुक्त के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हर दो महीने के अंतर्गत बैठक आयोजित करें ' वही प्रखंड स्तर पर भी एक टीम होनी चाहिए जो प्रखंड स्तर पर अल्ट्रासाउंड मशीन का समय-समय पर निरीक्षण करें ' आज हमारे राज्य में रेडियोलॉजिस्ट की कमी है, कुछ लोग दूसरे राज्य का रजिस्ट्रेशन करके यहां प्रैक्टिस कर रहे हैं जो सही नहीं है,ऐसे अल्ट्रासाउंड केंद्र एवं टेक्नीशियन का पता करके उन पर समुचित करवाई की जानी चाहिए ' सभी जिला अल्ट्रासोनोग्राफी क्लिनिक को इम्पैनेल्ड करने के पहले सही तरीके से जांच कर ले कि उन पर पहले से ढउढठउ‌ळ के तहत कोई कोर्ट केस तो नहीं है ' साथ ही यदि कोई व्यक्ति क्लिनिक खोलने हेतु आवेदन करता है तो उसे 70 दिनों के अंदर अनुमति (परमिशन) दे देना है और यदि किसी कारणवश रिजेक्ट किया जाता है तो उसका उचित कारण देना होगा '

कार्यशाला में डॉ वैभव पाठक (छीं ङ्मल्ल२४'३ल्ल३, ढठउ‌ळ र्‌ी३ङ्मल्ल, टडल्‌त्रह्र) वर्चुअल माध्यम से जुड़कर प्रतिभागियों को पीसीपीएनडीटी अधिनियम के विभिन्न आयामों के बारे में बताया ' साथ ही कहा की यदि किसी गर्भवती महिला का अल्ट्रासोनोग्राफी किया जाता है तो उसका पूरा रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए ' डॉ सत्यजीत कुमार (स्टेट नोडल ऑफिसर, नई दिल्ली) ने वर्चुअल मोड से कार्यशाला में जुड़ कर इस अधिनियम के तहत केस स्टडीज पर चर्चा किया ।

यूपी सरकार के द्वारा बरेली में, I Love Mohammad के पोस्टर को लेकर मुस्लिम समाज को प्रताड़ित करने के खिलाफ देश के महामहिम, भारत के राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को एक खुला पत्र

संवाददाता । रांची

रांची।
सेवा में,
श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी
माननीय राष्ट्रपति महोदया
राष्ट्रीप भवन
भारत सरकार, नई दिल्ली
विषयः उत्तर प्रदेश में "I Love Mohammad" पोस्टर लगाने के नाम पर मुस्लिम युवकों और धार्मिक गुरुओं पर कार्रवाई, गिरफ़्तारी और बुलडोजर की घटनाओं पर संज्ञान लेने तथा हस्तक्षेप करने के संबंध में।
माननीय महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं तनवीर अहमद झारखण्ड सहित देश सभी सभ्य समाज एवं देश के करोड़ों मुस्लिम समाज की जानिब से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हाल के दिनों में मुस्लिम समुदाय के साथ किए गए अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक कार्यों के संबंध में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

महोदया, 5 सितम्बर 2025 को ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर कानपुर में कुछ मुस्लिम युवकों ने ह्लक छङ्म५ी टङ्क्षिह्ण लिखे पोस्टर लगाए, जो पैगम्बर मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के प्रति श्रद्धा और प्रेम की भावना का प्रतीक था।किन्तु कुछ कट्टरपंथी संगठनों के द्वारा इस पोस्टर पर आपत्ति जताई गई, इस आपत्ति पर पुलिस ने 10-15 युवकों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया। इस घटना ने न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के मुस्लिम समाज में गहरी बेचैनी और नाराजगी पैदा कर दिया। जिस पैगम्बर को शांति, भाईचारा और इंसानियत का पैगाम देने के लिए ईश्वर ने पूरी मानवता के बीच भेजा, उनकी मोहब्बत का इजहार अपराध कैसे माना जा सकता है? यह प्रश्न हर संवेदनशील नागरिक के मन में उठने लगा। इसके बाद देशभर में शांतिपूर्ण विरोध शुरू हुए। लोग ?क छङ्म५ी टङ्क्षि के पोस्टर लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की कार्रवाई का विरोध करने लगे। इसी क्रम में 26 सितम्बर 2025 को बरेली में जुमे की नमाज के बाद विरोध प्रदर्शन हुआ। मैं मानता हूँ कानूनी तौर पर बिना परमिशन के विरोध प्रदर्शन करना उचित नहीं था, लेकिन वहाँ पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें सैकड़ों लोग घायल हो गए। कई लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए, कुछ को एनकाउंटर में घायल किया गया और बड़ी संख्या में लोगों के घरों व दुकानों पर बुलडोजर चला दिया गया। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तब बनी जब बरेली निवासी देश के मशहूर इस्लामी विद्वान मौलाना तौकीर रजा साहब और उनके परिवार को भी इस घटना के लिए ज़िम्मेदार ठहराते हुए गंभीर धाराओं में गिरफ़्तार कर लिया गया और उनके घर-दुकान भी तोड़ दिए गए। इससे पूरे उत्तर प्रदेश में भय और तनाव का वातावरण बन गया। सरकार ने अनुचित करवाई करते हुऐ बरेली में मुसलमानों की 1300 करोड़ से भी ज्यदा की प्रॉपर्टी को जब्त कर ली गई।

ब्रीफ न्यूज

श्रद्धांजलि सभा में स्व. राम विलास पासवान जी के विचारों और आदर्शों को किया गया स्मरण

संवाददाता । रांची

रांची : राँची ।लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक, पद्म भूषण स्व. श्री राम विलास पासवान जी की पुण्यतिथि के अवसर पर झारखंड प्रदेश इकाई द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया, यह कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष श्री बिरेन्द्र प्रधान जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारीगण एवं कार्यकताओं ने स्वर्गीय रामविलास पासवान जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण तथा गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए किए गए उनके कार्यों को स्मरण किया।कार्यक्रम के उपरांत सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ह्लक्षितिज मूक बधिर विद्यालयह्व (तपोवन मंदिर के समीप, निवारनपुर) पहुँचे, जहाँ विशेष बच्चों को प्रोत्साहन एवं सम्मान दिया गया। इस अवसर पर उन्हें स्वर्गीय राम विलास पासवान जी के जीवन, उनके मानवतावादी दृष्टिकोण और समाजहित में किए गए कार्यों के बारे में बताया गया।इस अवसर पर यह भी निर्णय लिया गया कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ह्लबिहार 1, बिहारी १२३ह्व के जन-आंदोलनात्मक नैरेटिव के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी के नेतृत्व में पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी।साथ ही, पार्टी ने यह भी घोषणा की कि झारखंड प्रदेश इकाई घाटशिला उपचुनाव में एन.डी.ए. (ठऊअ) के प्रत्याशी को पूर्ण समर्थन देगी और गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी।इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रदेश से आए पार्टी पदाधिकारी आदित्य विजय प्रधान, पारसनाथ राय, अभिषेक राय, उमेश तिवारी, ममता रंजन, हाफिजुल हसन, रतन पासवान, शिव जी, उत्तम राय,दिनेश सोनी, मनीषा देवी, संतोष पासवान, आनंद वर्मा, विजय कु०,आनंद पांडे, सुरेंद्र राय, राजेश रंजन वर्मा, संजीत द्विवेदी, विकास राय, हरेराम जी, प्रतिज्ञा कुमार, तनिक, संदीप, भोला, मनीष, विजय, एवं सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे

पांचवीं में बोर्ड परीक्षा बच्चों में ड्राप आउट बढ़ायेगा - माकपा

संवाददाता । रांची

रांची :जैक द्वारा 5 वीं कक्षा में बोर्ड परीक्षा लिए जाने के प्रस्ताव से शिक्षा के अधिकार कानून का केवल उल्लंघन ही नहीं होगा बल्कि झारखंड जैसे पिछड़े राज्य में बच्चों का स्कूल से पलायन भी बढेगा. इतनी कम उम्र में बच्चों पर बोर्ड परीक्षा थोपने से उन पर मानसिक दबाव बढेगा. यह प्रस्ताव शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 16 की पूरी तरह अवहेलना है जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि किसी भी छात्र को वर्ग आठ तक फेल नहीं किया जा सकता है. इसलिए झारखंड सरकार का यह प्रस्ताव शिक्षा को केवल परीक्षा केंद्रीत बना देगा और ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित वर्ग के छात्रों की परेशानी बढाएगा. माकपा बच्चों की परीक्षा लिए जाने की विरोधी नहीं है लेकिन पांचवीं से ही बोर्ड परीक्षा तर्कसंगत नहीं है. परीक्षा समिति द्वारा यह प्रयोग सातवीं कक्षा के लिए पूर्व में भी किया गया था लेकिन उसके परिणाम अच्छे नहीं आए इसलिए सातवीं की परीक्षा बोर्ड द्वारा लिए जाने का निर्णय वापस लिया गया.

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्री भूषण रामकृष्ण गवई का अपमान नही सहेगा हिंदुस्तान`

संवाददाता । रांची

रांची :यह घृणित हरकत देश के संवैधानिक मंदिर पर खुला प्रहार है ! यह मनुवादी विचारधारा का वह काला जहर है, जो सदियों से आदिवासी, दलित और वंचित समुदायों को संवैधानिक समानता से वंचित करने की नापाक साजिश रचता रहा है `

विजय शंकर नायक

उपरोक्त बाते आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने मुख्य न्यायाधीश श्री भूषण रामकृष्ण गवई का अपमान जूता फेक कर करने पर अपनी प्रतिक्रिया में उक्त बाते कहीं इन्होने आगे कहा की न्यायपालिका पर निंदनीय हमला मनुवादी गुंडे की जूतेबाजी हिंदुस्तान के संवैधानिक गौरव पर जहर है ! भारत के आदरणीय मुख्य न्यायाधीश श्री भूषण रामकृष्ण गवई जी, जो दलित समुदाय का अटूट अभिमान और सुप्रीम कोर्ट के संवैधानिक शेर हैं, पर एक नीच, मनुवादी दुष्ट द्वारा जूता फेंकने की घृणित हरकत देश के संवैधानिक मंदिर पर खुला प्रहार है ! यह जघन्य, शर्मनाक और राष्ट्रविरोधी कुकृत्य हिंदुस्तान के प्रत्येक नागरिक के हृदय में संवैधानिक आग भड़काने वाला अपराध है ! हम, आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच, इस नरक से उपजे कृत्य की संवैधानिक सीमाओं में रहते हुए तीव्रतम निंदा करते हैं और इसे हिंदुस्तान की पवित्र धरती पर जहरीला दाग घोषित करते हैं ! यह जूता नहीं, मनुवादी विचारधारा का वह काला जहर है, जो सदियों से आदिवासी, दलित और वंचित समुदायों को संवैधानिक समानता से वंचित करने की नापाक साजिश रचता रहा है ! मुख्य न्यायाधीश गवई जी, जिन्होंने खजुराहो मंदिर की विष्णु मूर्ति याचिका पर संवैधानिक निष्पक्षता का परचम लहराया, उन्हें धार्मिक भावनाओं का अपमान ठहराकर निशाना बनाना–यह मनुवादी अपराधियों की खुली संवैधानिक अवमानना है !

श्री नायक ने आगे कहा की हिंदुस्तान का अटल संविधान और उसकी न्याय व्यवस्था इन दुष्टों को कानून की ताकत से चूर-चूर कर देगी ! हमारा देश, जो बाबासाहेब अंबेडकर, गांधी और फुले की संवैधानिक विरासत पर अडिग है, इन जहरीले तत्वों के सामने कभी सिर नहीं झुकाएगा ! हम उन सभी राष्ट्रविरोधी, मनुवादी और सांप्रदायिक षड्यंत्रकारियों को संवैधानिक कठोरता के साथ चेतावनी देते हैं–चाहे वे देश के भीतर के गद्दार हों या विदेशी साजिशों के कठपुतली–हिंदुस्तान की न्यायपालिका और संप्रभुता पर तनिक भी आंच डालने की हिमाकत न करें! ये नीच ताकतें, जो अपनी विभाजनकारी मानसिकता से समाज को खंडित करने का दुस्साहस करती हैं, हमारे एकजुट संवैधानिक बल के सामने राख में मिल जाएंगी ! हम सरकार, पुलिस और न्यायिक संस्थानों से संवैधानिक दृढ़ता के साथ मांग करते हैं कि इस घृणित अपराध की तत्काल और पारदर्शी जांच हो, इस मनुवादी अपराधी को कानून की कठोरतम सजा दी जाए, और मुख्य न्यायाधीशों की सुरक्षा को संवैधानिक कवच बनाया जाए! आदिवासी मूलवासी समाज इन मनुवादी दुष्टों को संवैधानिक शक्ति से कुचल देगा और न्याय की ज्योति को अनंत काल तक प्रज्वलित रखेगा!

जय दलित आदिवासी ! जय हिंदुस्तान ! जय संविधान !

विधायक राज सिन्हा ने बस स्टैंड को लेकर फैलाई जा रहे अफवाह पर कहा, जनता जहां चाहेगी बस स्टैंड वहीं बनेगा

धनबाद, संवाददाता

विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने अपने जगजीवन नगर स्थित आवासीय कार्यालय में इंटर स्टेट बस टर्मीनल एवम बरटांड बस स्टैंड को लेकर फैलाये जा रहे भ्रम एवम उहापोह को दूर करते हुए प्रेस वार्ता की.धनबाद स्थित बरटांड़ बस स्टैंड को लेकर विधायक राज सिन्हा का स्पष्ट बयान - बस स्टैंड वहीं रहेगा जहाँ वर्तमान में है और यह काफी पहले से तय है. धनबाद के बरटांड़ बस स्टैंड को लेकर बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से झूठी और भ्रामक जानकारियाँ फैलाई जा रही हैं. जिससे आम जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसी मुद्दे पर भाजपा विधायक दल के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने अपने आवासीय कार्यालय, जगजीवन नगर में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर स्थिति को स्पष्ट किया। विधायक राज सिन्हा ने कहाः बरटांड़ में इंटर स्टेट बस टर्मिनल (ISBT) के लिए पहले से ही लगभग 22 एकड़ भूमि उपलब्ध है। ऐसे में जब पूरी जमीन बरटांड़ में है, तो फिर कतरास में केवल 12 एकड़ भूमि स्थानांतरित करने की क्या आवश्यकता है?

विधायक ने बताया कि उन्होंने इस विषय पर धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन से 20 -22 दिन पूर्व ही विस्तार पूर्वक से चर्चा की है। इस बातचीत के क्रम में उपायुक्त ने न केवल मामले को गंभीरता से लिया, बल्कि यह भी आश्वासन दिया की, 11 अक्टूबर 2025 को वे स्वयं बरटांड़ बस स्टैंड का स्थल निरीक्षण करेंगे और आवश्यकता अनुसार उसे विकसित किया जायेगा. पूरी स्पष्टता के साथ कहा कि बस स्टैंड वहीं रहेगा जहाँ वह वर्तमान में स्थित है। विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि, धनबाद कि जनता की भावना सर्वोपरी है और बिल्कुल उसी अनुरूप कार्य होगा. विधायक श्री सिन्हा ने स्पष्ट किया कि कुछ लोग इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहाः मैं धनबाद की जनता को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि बस स्टैंड को कहीं और लेके नहीं जाया जा रहा है जहां हैं वहीं रहेगा। जो लोग सोशल मीडिया पर भ्रम फैला रहे हैं, वे केवल जनता को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। जनता की सुविधा और राय के आधार पर ही कोई भी निर्णय लिया जाएगा श्री सिन्हा ने अंत में कहाः धनबाद के विकास में किसी भी तरह की राजनीति या अफवाह की कोई जगह नहीं है। जनता की आवश्यकता, भावना और सुविधा सर्वोपरि है। इसलिए मैं स्पष्ट करना चाहता हूँ कि बरटांड़ बस स्टैंड का स्थान नहीं बदलेगा झ वह वहीं रहेगा जहाँ वह वर्तमान में है। उन्होंने सीधे तौर पर यह भी कहा कि, जनता के हित और सुविधा के लिए पहले भी संघर्ष और आंदोलन किया है और आवश्यकता पड़ने पर पुनः करने को पूरी मुस्तैदी के साथ तैयार हूं। प्रेस वार्ता में धनबाद महानगर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण राय,जिला महामंत्री मानस प्रसून, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, जिलामंत्री रीता यादव, मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, किशोर मंडल, मनोज मालाकार, निर्मल प्रधान, मदन तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे।

विधानसभा समिति ने की विभिन्न विभागों की समीक्षा

धनबाद, संवाददाता

झारखंड विधानसभा की अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति ने सभापति सह महेशपुर के विधायक स्टीफेन मरांडी की अध्यक्षता में तथा समिति के सदस्य सह विधायक कांके सुरेश कुमार बैठा, विधायक जामा डॉ लुईस मरांडी एवं विधायक बाड़कागांव रोशन लाल चौधरी की उपस्थिति में सर्किट हाउस में वन, नगर निगम, आपूर्ति, झारखण्ड बिद्युत वितरण निगम लिमिटेड, परिवहन, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, उद्योग केन्द्र, उत्पाद, खनन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भूमि-संरक्षण, कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता, कौशल विकास, खेल, पर्यटन, श्रम, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल 1 एवं 2, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल (यान्त्रिक), पथ प्रमण्डल, भवन प्रमण्डल, लघु सिंचाई, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चिरकुंडा नगर परिषद सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की।

बैठक से पहले उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने समिति के सभापति तथा सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, नगर आयुक्त श्री रवि राज शर्मा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश कुमार, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

छठ महापर्व में छठ वर्तियों को ना हो कोई परेशानी : नीरज मंडल

रामगढ़, संवाददाता

छठ महापर्व आने से पूर्व छावनी परिषद अंतर्गत सभी छठ घाट की साफ सफाई छावनी परिषद रामगढ़ के छावनी अधिशासी अधिकारी श्री अनंत आकाश के निर्देश पर सफाई इंस्पेक्टर नितिन ठाकुर के निगरानी में सभी छठ घाटों पर हो रही है, उक्त बाते आजसू पार्टी रामगढ़ नगर सचिव नीरज मंडल ने कही ओर साथ ही छावनी परिषद के डीङ्क अनंत आकाश ओर सहयोगी सभी सफाई कर्मियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी लोग जिस तरह से प्रत्येक दिन हर एक गली मोहल्ला में साफ सफाई करते हैं वह प्रशंसा के पात्र हैं' ओर उनसे आग्रह किया कि छठ महापर्व से पूर्व सभी छठ घाटों का और विशेष करके दामोदर नदी, बिजुलिया तालाब, हर हरी नदी, जहां छठ वर्तियों के साथ-श्रद्धालु वृहद रूप में शामिल होते हैं वहां नियमित रूप से साफ सफाई ओर आने जाने वाली मार्ग में पोल में लाइट लगवाई जाए ओर खराब लाइट को अभिलम्ब ठीक किया जाए ताकि किसी भी तरह की कोई समस्या की सामना छठ व्रतियों या श्रद्धालुओं को ना हो सके, इसका विशेष ध्यान भी आप सभी रखें' इस मौके पर आजसू पार्टी रामगढ़ नगर सचिव नीरज मंडल, छावनी परिषद रामगढ़ के सफाई इंस्पेक्टर नितिन ठाकुर के मौजूदगी में सफाई कर्मी के सुपर वाइजर नव रंजन राम, लाल बाबू राम, भोला राम, गुलचंद राम, बिट्टू राम, भरत राम, भीमा राम, अनिल राम, प्रेम नायक, शेखर राम एवं सफाई कर्मी में लव राम, सन्नी राम, मिठू राम, कार्तिक कुमार, जीनू राम, प्रदीप राम, सिकंदर राम, राजा कुमार, नीरज राम, रंजीत राम, अजय राम, सफाई कर्मी मौजुद थे '

कतरास में बस स्टैंड बनने से प्रसिद्ध लिलोरी मंदिर पर्यटक स्थल को मिलेगा बढ़ावा : सूर्यदेव मिश्रा

कतरास, संवाददाता

बुधवार को भारतीय जनता पार्टी कतरास मंडल कार्यालय में भाजपा कार्यकताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कतरास में प्रस्तावित अंतर्राज्यीय बस स्टैंड को लेकर बयान जारी किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता कतरास मंडल अध्यक्ष सूर्य देव मिश्रा ने की। सूर्यदेव मिश्रा ने कहा कि अभी कुछ दिनों पहले कतरास के लिलोरी मंदिर के समीप अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड बनाने को लेकर निर्णय हुआ। इसके लिए जिला प्रशासन एवं स्थानीय विधायक शत्रुघ्न महतो को धन्यवाद एवं आभार ब्यक्त करते है। बस स्टैंड कतरास में बनने की चर्चा प्रकाश में आने पर यहाँ के लोग काफी खुश हैं। धनबाद की जनता मे भी खुशी की लहर है। क्योंकि कतरास का प्रसिद्ध लिलौरी स्थान न केवल एक मंदिर रहा बल्कि मंदिर के साथ साथ एक पर्यटक स्थल के रूप में भी विकसित होता जा रहा है। अंतर्राज्यीय बस स्टैंड कतरास में बनने से पर्यटक स्थल को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त बगल से एइट लाइन भी गुजरी है जिसका सीधा लाभ आम लोगों को मिलेगा। यह स्थल शांति और सुरक्षित भी है। कहा कि कोई भी बड़ा संस्थान उपयुक्त जमीन व सुरक्षित जगह देखकर ही बनाया जाता है। ऐसे संस्थान घनी आबादी व शहर से दूर ही बनता है। जैसे यूनिवर्सिटी, बी टेक कॉलेज, पोलेक्निक कॉलेज, डिग्री कॉलेज, हवाई अड्डा ,अस्पताल आदि शहर की भीड़ भाड़ से दूर में ही बनाया जाता है। लेकिन कुछ राजनितिक दल के छुटभैये नेता अपने निजी हित को साधने के लालच में इसका विरोध कर रहे है। वैसे लोगों का जनता की सुविधाओं व विकास योजनाओं से कोई लेना देना नही है। ऐसे लोग विकास विरोधी हैं एवं अपने मतलब साधने के लिए अच्छे कार्यो का भी विरोध करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग ऐसे लोगों के द्वारा दिये गए बयानों की घोर निंदा करते है। क्योंकि ऐसे लोग विकास के बाधक है। ये लोग नहीं चाहते है की धनबाद जिला मे विकास हो। मौके पर मंडल अध्यक्ष श्री सूर्यदेव मिश्रा, राजेश स्वर्णकार, बबलू बनर्जी, कुंदन सिंह, विनय पासवान बलबीर सिंह, रामकुमार साहू, प्रकाश राम गुप्ता, वाई के पाठक, बबलू मिश्रा, श्याम किशोर कल्लू, दिनेश उपाध्याय, भारत शर्मा, मनोज गुप्ता, निरंजन गुप्ता, महेश पासवान आदि उपस्थित थे ।

जबरन जमीन कब्जा करने का लगाया आरोप, थाना में दिया आवेदन

बोकारो, संवाददाता

जबरन जमीन कब्जा करने का आरोप पेंक नारायणपुर थाना बरई निवासी स्वर्गीय टेकलाल साव के पुत्र चिन्तामन साव ने पेंक नारायणपुर थाना में आवेदन लिखा हैं की मौजा बरई खाता संख्या 40 प्लौट संख्या 72 मेरी खतियानी जमीन है एवं सन 1933 में न्यायालय अनुमंण्डल पदाधिकारी गिरीडीह द्वारा खाता संख्या 40 का बंटवारा हुआ था जिसमें खाता संख्या 40 प्लौट संख्या 72 मेरे पूर्वज देवकी महतो को हिस्से में मिली थी एवं दखलकार हुए एवं दिनांक 17 जून 1946 को मेरे दादा देवकी महतो के चाचा थानु महतो ने खाता संख्या 40 प्लौट संख्या 723 में रकवा 1 एकड जमीन अब्दुल मियां को बेच दिया था। यह कि अब्दुल मियां के पुत्र अब्दुल जब्बार, अब्दुल सत्तार, मुख्तार अहमद ने जबरजस्ती एवं जाली कागजात के सहारे दिनांक 3 दिसम्बर 2020 को खाता संख्या 40 प्लौट संख्या 72 में 50 डिसमिल जमीन सुन्दर साव को धोखाधडी से बेच दिया गया । यह कि विवादित जमीन पर आज भी हमलोग दखलकार है एवं अब्दुल जब्बार एवं उनके सभी भाई हमलोगों को उक्त जमीन से बेदखल कर रहे है एवं बचे हुए जमीन को भी बेचने के लिए भी उतारू है कि उपरोक्त जमीन से हमलोगों को बेदखल होने से बचाया जाय।

उप विकास आयुक्त ने किया गोला प्रखंड का दौरा, विकास कार्यों का लिया जायजा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

रामगढ़, संवाददाता

बुधवार को जिले के उप विकास आयुक्त श्री आशीष अग्रवाल ने गोला प्रखंड का दौरा किया।इस दौरान विकास कार्यों का जायजा लिया। दौरे के क्रम में उप विकास आयुक्त ने झारखंड सरकार द्वारा संचालित आईटीआई गोला में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया। मौके पर उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए आईटीआई कॉलेज का पूरा लाभ लेने की सभी से अपील की। साथ ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण जानकारियां सभी के साथ साझा की। कार्यशाला के दौरान उप विकास आयुक्त ने अभ्यर्थियों के बीच प्रमाण पत्रों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने आईटीआई गोला परिसर में वृक्षारोपण भी किया। आईटीआई गोला के उपरांत उप विकास आयुक्त ने हारुबेड़ा क्षेत्र में डीएमएफटी मद से निर्मित सड़क का निरीक्षण कर सड़क की गुणवत्ता आदि का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। दौरे के क्रम में उप विकास आयुक्त के द्वारा हारुबेड़ा क्षेत्र में जेएसएलपीएस द्वारा संचालित मशरूम उत्पादन, वर्मी कंपोस्ट, गेंदा फूल उत्पादन कार्यों का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों को उक्त कार्यों में शामिल करते हुए उन्हें लाभान्वित करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त के द्वारा हारुबेड़ा क्षेत्र में मनरेगा के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने बागवानी योजना, कूप निर्माण, आवास योजना का निरीक्षण कर कार्य प्रगति का जायजा लिया एवं ज्यादा से ज्यादा मानव दिवस सृजित कर लाभुकों को योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए आवास योजना का कार्य ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। दौरे के क्रम में उप विकास आयुक्त के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। मौके पर उन्होंने केंद्र के माध्यम से आम जनों को उपलब्ध कराए जा रहे सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही केंद्र पर दवाइयों की उपलब्धता जांच सुविधाओं आदि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं उन्होंने जांच के दौरान पाई गई कमियों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी गोला डॉ सुधा वर्मा सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी मनरेगा श्री विजय कुमार डीएमएफटी टीम लीड सुकांतो टेटे, डीएमएफटी टीम के सदस्यों सहित अन्य उपस्थित थे।

बोकारो को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी विभाग मिलकर करें कार्य : उपायुक्त

बोकारो, संवाददाता

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, उद्यान, आत्मा और जेएसएलपीएस की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक परिवार को ऑन फार्मिंग और ऑफ फार्मिंग गतिविधियों से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है। उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि लाभुकों का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कर यह पता लगाया जाए कि किन परिवारों को विशेष सहायता की आवश्यकता है। एकल महिलाओं, विधवाओं और स्वयं सहायता समूहों को योजनाओं में प्राथमिकता देने को कहा गया। उन्होंने कृषि विभाग को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, झारखंड मिलेट मिशन, कृषक समृद्धि योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड योजना व डिजिटल क्रॉप सर्वे में लक्ष्य अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नवंबर में धान कटनी महोत्सव आयोजित कर किसानों की मेहनत का सम्मान किया जाएगा। मत्स्य विभाग को तालाबों की मैपिंग और केज फिशिंग को बढ़ावा देने का निर्देश दिया गया। पशुपालन विभाग को गोटरी बैंक स्थापना और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य सौंपा गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग मिलकर कार्य करें तो बोकारो को आत्मनिर्भर जिला बनाया जा सकता है।

करगली में इनमोसा की 70वीं स्थापना दिवस मनी

बेरमो, संवाददाता

बुधवार को बेरमो कोयलांचल क्षेत्र के सीसीएल के बीएंडके एरिया के करगली गेट स्थित कल्याण मंडप में इनमोसा की 70 वीं स्थापना दिवस मनाई गई. सर्वप्रथम स्व जे के बनर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित और श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कार्यक्रम की शुभारंभ किया गया. बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने कहा कि आठ अक्तूबर 1956 को स्व जे के बनर्जी ने स्थापना की थी. कहा कि इनमोसा माइनिंग सुपरवाइजर के अधिकारों की रक्षा के लिए बनाया गया है। प्रबंधन के साथ हर कदम पर मसलन उत्पादन, सुरक्षा एवं गुणवत्ता पर ध्यान में रखते हुए कंपनी के उत्थान के लिए सदैव प्रयासरत है. उन्होंने कहा कि इनमोसा को स्व बनर्जी एवं कई दक्ष खनन विद्दों ने लगन से सींचा एवं वट वृक्ष के रूप में तैयार किया। माइनिंग सुपरवाइजरों की किसी समस्या पर सुपरवाइजरों को किसी दूसरे संगठन के पास जाने की जरूरत नहीं है।

उन्होने संगठन के इतिहास और पूर्वजों के बलिदान को नवीन सदस्यों के बीच रखा और कोल इंडिया स्तर और सी सी एल स्तर पर इनमोसा की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने आह्वान किया कि आने वाले समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी लोग अपने आप को संगठित करे। बीएंडके क्षेत्रीय सचिव डी पी मौर्या और ढोरी क्षेत्रीय सचिव पवन सिंह ने कहा कि इनमोसा अपने सदस्यों की समस्याओं को सुलझाने में सक्षम है। संगठन में नए लोगों को जिम्मेदारी दी जाएगी. कार्यक्रम में बीएंडके, ढ़ोरी और कथारा क्षेत्र के सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएंडके क्षेत्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह व संचालन खास महल शाखा सचिव शैलेंद्र कुमार ने किया. मौके पर ढोरी क्षेत्रीय अध्यक्ष तुलसी महतो, कथारा क्षेत्रीय अध्यक्ष नौशाद खान, सचिव बालेश्वर महतो सहित अवधेश कुमार, हेमंत चौहान, जयराम सिंह, हीरालाल रविदास, मदन सिंह, शशांक शेखर, युधिष्ठिर सिंह, निरंजन सिंह, प्रमोद सिंह, आनंद विश्वकर्मा, रोशन सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मोहम्मद नौशाद, तन्मय दे, अजीत सिंह, अंगद सिंह, रोशन सिंह, बबन रजक, फ्रांसिस बास्के, नरेश महतो, डोमन पासवान, संतोष मंडल, विजय महतो ,लव कुमार, राजेंद्र मंडल, विनोद शर्मा, सनातन हेंब्रम आदि सैकंडो लोग उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय योजना कार्यकारिणी समिति की बैठक

रामगढ़, संवाददाता

उपायुक्त, रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज के निदेर्शानुसार बुधवार को उप विकास आयुक्त श्री आशीष अग्रवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में जिला स्तरीय योजना कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। राज्य योजना अनावद्ध निधि अंतर्गत योजनाओं के चयन हेतु जिला योजना कार्यकारिणी समिति की बैठक की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त अनावद्ध निधि से कार्यान्वयन हेतु योजनाओं को रखा गया। जिसमें पीसीसी पथ निर्माण, सोलर आधारित स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य, पुल, पुलिया, बाउण्ड्रीवाल, शौचालय, सामुदायिक भवन का निर्माण व अन्य योजनाओं जो माननीय एवं अन्य पदाधिकारियों से प्राप्त हुआ है के संबंध में पारित करने हेतु विचार विमर्श की गई। उप विकास आयुक्त ने निदेश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

अवैध कोयले की व्यावसाय बेरमो अनुमंडल में चल रहा धड़ल्ले से, प्रशासन मौन

प्रतिदिन सरकार को लाखों का राजस्व का हो रह नुकसान

कोयला तस्करों के भयाक्रांत से भयभीत हैं आम ग्रामीण

बेरमो, संवाददाता

बेरमो अनुमंडल थाना क्षेत्र के कथारा, जारंगडीह, बोकारो थर्मल, गोमिया, पेंक-नारायणपुर, नावाडीह में विगत एक माह से अवैध कोयला का व्यावसाय खुलेआम धड़ले से चल रहा है। पेंक-नारायणपुर, गांधीनगर, बोकारो थर्मल और बेरमो थाना क्षेत्र के सीमांकन जंगल में दर्जन भर से अधिक अवैध उत्खनन गुफा बना है जहाँ से प्रतिदिन बीस-पच्चीस ट्रेक्टरों और सौ से अधिक मोटर साईकिल के सहारे अवैध डिपूओं तक और कोल फैक्ट्री में पहुँचाया जाता है। यहाँ से रात की अंधेरी में ट्रकों और वैन के सहारे बाहर की मंडियों तक पहुँचायी जा रही है। इतनी गाड़ियां चलने के बावजूद प्रशासन अगोचर का चरितार्थ बना हुआ है। उक्त अवैध कोयला की कारोबार से प्रतिदिन सरकार की राजस्व में लाखों रुपये की क्षति हो रही है। बावजूद सरकार के प्रशासन तंत्र तस्करों को कर्रवाई न कर मनोबल बढ़ाने की कार्य कर रही है।

उक्त स्थलों से हो रही है कोयला चोरी

अवैध कोयला की चोरी जारंगडीह रेलवे साइडिंग, कथारा, कुसुमडीह, सीसीएल के बीएंडके कथारा ढोरी और गोविंदपुर खदान से और खाशमहल फेस-टू के खदानों से एवम् पेंक-नारायणपुर थाना के सोतापानी , सिझवाखलार, बेरमो थाना के चरकपनिया, रसबेड़वा और बोकारो थर्मल के फेस-टू बंद खदान से अवैध उत्खनन कर खुलेआम ढुलाई हो रही है।

विभिन्न वाहनों से निम्न दरों से होती है वसुली

15 से 20 वर्ष पहले नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट भाकपा माओवादी संगठन का सुरक्षित जोन के रूप में प्रशासन और अन्य तंत्रों के द्वारा माना जाता था ,लेकिन अब के समय में कोयला तस्करों का सुरक्षित जोन बना गया है भले ही प्रशासन इसे मानने में इंकार करते हैं लेकिन सच्चाई आम जनता जान रही है। अगर छोटे कोयला व्यावसायों की बात मानें तो कोयला चोरी में मोटरसाइकिल के से 30 हजार ,वैन से 50 से 60 हजार रुपए प्रतिमाह वही प्रति ट्रकों से 01 से 1.50 लाख (एक से डेढ लाख रुपये) रुपये प्रतिदिन की जा रही है । इस प्रकार से एक आकड़े के अनुसार एक करोड़ से अधिक रुपए की वसुली केवल पेंक-नारायणपुर नारायणपुर और नावाडीह थाना क्षेत्र से हो रही है । तब सवाल उठता है कि इतनी बड़ी रकम किसकी गरम कर रहा है ,अगर प्रशासन के जेब में नही पहुंच रहा है ,तो सुई गिरने की आवाज प्रशासन को सुनाई दे देती है ,लेकिन 40 से 45 टन कोयला ढुलाई करने वाले ट्रकों की आवाज सुनायी क्यों नही देती है। इधर ग्रामीणों की बातें माने तो सड़क में चलने वाले आम जनता काफी भयभीत होकर चलते हैं ,अब तक दर्जन भर लोग दुर्घटना से घायल हुए हैं।

पर्यावरण प्रदूषण कर रहा है मां जगदम्बा कॉल फैक्ट्री -

नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट स्थित पेंक-नारायणपुर थाना अंतर्गत पलामु पंचायत स्थित पिलपीलो रामाहरिया में अवस्थित मां जगदम्बा नामक कॉल फैक्ट्री द्वारा भट्टी में पोड़ा कम और खुले मैदान में अधिक पोड़ा बनाया जा रहा है । जिससे पर्यावरण को दूषित खुले चुनौती के साथ कर रहा है । फैक्ट्री के महज पाँच सौ मीटर की दूरी पर अवस्थित रामाहरिया और गिदरपटका गांव दिन का उजाला में भी अंधेरा में दुबकने का विवस हो जा रहा है ,ग्रामीणों की आवाज दंबगों की बोली बंद कर दे रही है।

न्यूज ब्रीफ

बिहार में सभी पुराने चेहरों को आजमाएगी कांग्रेस, सीईसी की बैठक फैसला

पटना (एजेंसी) : बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बुधवार को दिल्ली में बैठक हुई। सीईसी की बैठक की अध्यक्षता केसी वेणुगोपाल और अजय माकन कर रहे थे। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े हुए थे। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के साथ-साथ सीईसी के सदस्य बैठक में मौजूद थे। बैठक के बाद बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ज्यादातर जीते हुए उम्मीदवारों को फिर से मौका दिया जाएगा। हालांकि, दो विधायकों पर मंथन करना जरूरी है। उन्होंने दोनों का नाम नहीं लिया, लेकिन ये दो नाम, बेनीपुर से मुरारी गौतम और दूसरा नाम विक्रम से सिद्धार्थ सिंह है। मुरारी गौतम ने तो कांग्रेस की सदस्यता से भी आज इस्तीफा दे दिया है। सिद्धार्थ सिंह भी पिछले कई महीनों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) खेमे में ही दिखाई पड़ रहे हैं। मतलब साफ है कि इन दोनों का पत्ता कट सकता है। बाकी के विधायक को टिकट मिलना लगभग तय है। राजेश राम का कहना था कि जब तक महागठबंधन के सीट शेयरिंग की घोषणा नहीं हो जाती है, तबतक उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की जाएगी। इधर, गठबंधन के घटक दलों का यह जरूर कहना है कि अगले 48 घंटे में सब कुछ साफ हो जाएगा। दूसरी ओर बिहार में किशनगंज से कांग्रेस पार्टी के सांसद और कांग्रेस की सीईसी के सदस्य मोहम्मद जावेद ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी ने 25 उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगा दी है।

107 वर्षीय वृद्ध महिला मतदाता से जिलाधिकारी ने की मुलाकात

सहरसा (एजेंसी) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने 75 सहरसा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र भ्रमण क्रम में 107 वर्ष की वृद्ध महिला मतदाता से मुलाकात की। उक्त अवसर पर जिलाधिकारी ने बुजुर्ग महिला मतदाता से कुशल क्षेम पूछा एवं विधानसभा आम निर्वाचन 2025 निमित्त मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। उक्त अवसर पर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, निर्वाची पदाधिकारी 75-सहरसा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र श्रेयसा तिवारी भी उपस्थित थे।

लक्ष्मीपुर रेलवे स्टेशन के पास सड़क बही, आवागमन हुआ प्रभावित

अररिया (एजेंसी) : अररिया में बहने वाली नदियां के जलस्तर में बुधवार को कमी आई है। दो दिनों से बारिश नहीं होने के कारण जिले में बहने वाली नदी परमान, बकरा, रतुआ, सुरसर, नूना सहित अन्य नदियों के जलस्तर में कमी देखी जा रही है। लेकिन बाढ़ के हालात अभी भी नरपतगंज, फारबिसगंज, कुर्साकांटा, सिकटी, जोकीहाट आदि प्रखंडों में बना हुआ है। नदियों के पानी के सड़क पर बहने के कारण कई स्थानों पर सड़क संपर्क भंग हो गया है। फारबिसगंज के पिपरा, अम्हारा सहित कुर्साकांटा प्रखंड में भोड़हा हलहला पथ लक्ष्मीपुर रेलवे स्टेशन के निकट टूट गया है, जिससे आवागमन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। सड़क से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गई है। बाढ़ के पानी से सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर जाने में पीड़ितों को परेशानी हो रही है। इधर जिला प्रशासन के निर्देश पर संबंधित प्रखंड के अंचलाधिकारी को बाढ़ हुए क्षति का आकलन करने का निर्देश दिया गया है।

तेजस्वी यादव ने जनसभा में एनडीए को जमकर घेरा, सीएम नीतीश को पलटू चचा कह ली चुटकी, कहा

हर घर में एक व्यक्ति को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

भागलपुर : जिले के गोराडीह प्रखंड स्थित उन्नतर माध्यमिक विद्यालय बिरनौध में बुधवार को आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एनडीए गठबंधन को जमकर घेरा। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक बार फिर पलटू चाचा कहकर चुटकी ली। जनसभा में मौजूद भीड़ को देखते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने के बाद बिहार से बेरोजगारी खत्म हो जाएगी। हर घर में एक व्यक्ति को नौकरी और रोजगार दी जाएगी। तेजस्वी ने कहा कि महिलाओं को माय बहन योजना के तहत एक मुश्त 30 हजार की राशि उनके खाते में भेजी जाएगी। तेजस्वी ने कहा कि जब मैं 17 महीने सरकार में था तो 5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी गई।

उन्होंने कहा कि बीते विधानसभा चुनाव में जब मैं 10 लाख रोजगार की बात करता था तो मुख्यमंत्री पालटू चाचा यह कहते थे की 10 लाख लोगों को तेजस्वी पैसा अपने बाप के घर से देगा। लेकिन उनके साथ रहते हुए मैंने उनके हाथों से लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिलवाया।

तेजस्वी यादव ने इशारे ही इशारे में झारखंड के मंत्री संजय यादव के बेटे रजनीश यादव को कहलगांव विधानसभा से उम्मीदवारी पक्की कर दी। इस मौके झारखंड सरकार के मंत्री संजय यादव, बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु, विधायक भूदेव चौधरी, पूर्व प्रत्याशी अरुण साह, रजनीश यादव, तिरुपतिनाथ यादव, सबिया खातुन, वासुकी यादव, नीतेश धार, सहित कई गणमान्य नेता मौजूद थे।

अब बिहार में दवाई, सिंचाई, पढ़ाई और कार्रवाई वाली सरकार बनेगी

तेजस्वी ने कहा कि अब बिहार में दवाई, सिंचाई, पढ़ाई और कार्रवाई वाली सरकार बनेगी। तेजस्वी यादव ने भागलपुर के बहुचर्चित सृजन घोटाले की चर्चा करते हुए कहा कि इस घोटाले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अलावा बिहार में 70 हजार करोड़ रुपए का घोटाला सामने आया है। यह मैं नहीं कैग की रिपोर्ट कह रही है। लेकिन सरकार इस मामले में चुप्पी साधे हुए है। बिहार में हर तरफ भ्रष्टाचार, हत्या, अपराध और अपहरण का बोलबाला है। बिहार पुलिस अपराधियों को छोड़कर शराब के पीछे पड़ी हुई है। शराब के मामले में अधिकतर गरीबों और निचले तबके के लोग जेल में बंद हैं। लेकिन मंत्री और बड़े लोग पुलिस के पकड़ से बाहर हैं।

चुनाव में सीबीआई और ईडी खुलकर मैदान में आएगी

तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है। अब सीबीआई और ईडी खुलकर मैदान में आएगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। बिहार के बेरोजगारी को लेकर उनके मुंह से कुछ नहीं निकलता। वोट बिहारियों का लेते हैं और सारी फैक्ट्रियां गुजरात में लगाई जा रही है। बिहार के लोग गुजरात के फैक्ट्री में मजदूरी करने जाते हैं। लेकिन अब समय बदलने वाला है। बिहार के युवाओं को बिहार में ही रोजगार मिलेगा।

सीजेआई पर हुए हमले पर नीतीश, चिराग और मांझी मौन क्यों हैं?: सांसद तनुज पुनिया

एजेंसी

पटना : प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में लोकसभा सांसद तनुज पुनिया ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। सांसद तनुज पुनिया ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमें कलम की ताकत दी थी, आज जब एक दलित उस ताकत का इस्तेमाल कर के देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी पर बैठा है तो ये हमें जूते से डरा रहे हैं। आरएसएस-भाजपा मानसिकता से प्रेरित लोग लगातार मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। हम इसकी कठोर निंदा करते हैं। यह जूता भारत की संवैधानिक अस्मिता पर फेंका गया है, बाबा साहेब के आदर्शों पर मारा गया है, और देश के दलितों के आत्मसम्मान पर मारा गया है। शर्मनाक है कि नीतीश कुमार, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान जैसे नेता, जो दलितों के वोट से राजनीति में पहुंचे, आज जब एक दलित और वंचित समाज के सर्वोच्च प्रतिनिधि का अपमान हो रहा है, तब वे सब चुप हैं। उनकी यह चुप्पी राजनीतिक नहीं, नैतिक दिवालियापन की निशानी है।

सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से बाबा साहब के विचारधारा कलम के साथ रही है और भाजपा आरएसएस से प्राप्त जूते वाली विचारधारा से संचालित होती रही है। मोदी सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों की बिक्री के जरिये दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के संवैधानिक आरक्षण अधिकार पर हमला किया है। तनुज पुनिया ने कहा केंद्र सरकार द्वारा जब पब्लिक सेक्टर बेचे जा रहे हैं, तब यह साफ है कि निजी क्षेत्र में आरक्षण नहीं रहेगा। यह सामाजिक न्याय की रीढ़ पर सीधा प्रहार है। संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, प्रवक्ता डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, ज्ञान रंजन, नदीम अख्तर अंसारी, निखिल कुमार मौजूद रहे।

अनंत सिंह ने चुनाव लड़ने का किया एलान, 14 को मोकामा से करेंगे नामांकन

पटना (एजेंसी) : मोकामा के पूर्व विधायक और बाहुबली अनंत कुमार सिंह 14 अक्टूबर को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। इस बात की जानकारी बुधवार को उनके प्रतिनिधि ने दी है। अनंत कुमार सिंह ने सोशल मीडिया पर भी इस संबंध में जानकारी साझा की गई है। उनके पोस्ट में लिखा गया, '14 अक्टूबर को छोटे सरकार नामांकन करेंगे। इस गौरवशाली बेला में सभी जनता मालिक और समर्थकों से आशीर्वाद और प्यार की कामना है।' इस पोस्ट के माध्यम से उन्होंने अपने समर्थकों और क्षेत्रीय जनता से अपने राजनीतिक सफर के प्रति विश्वास और सहयोग की अपील की है। अनंत कुमार सिंह का नाम मोकामा विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से राजनीतिक चर्चाओं में रहा है। वे पहले भी मोकामा सीट से विधायक रह चुके हैं।

चुनाव के कारण बदली सोनपुर मेले के आयोजन की तिथि

- अब 9 नवंबर को उद्घाटन एवं 10 दिसंबर को होगा समापन

एजेंसी

पटना : बिहार प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2025 के आयोजन की तिथियों में चुनाव को लेकर बदलाव करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में अनुमण्डल सभागार सोनपुर में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा के अनुरूप सारण जिला में 6 नवंबर को मतदान की तिथि निर्धारित है, इसलिये पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप 3 नवंबर को मेला के शुभारंभ में कठिनाई होगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी प्रशासनिक तंत्र मतदान कराने की तैयारी में लगा रहेगा, इसलिए मेला की तिथियों में बदलाव करने की आवश्यकता हो रही है। सभी सदस्यों से एक एक कर उनकी राय ली गई। सभी सदस्यों की आम सहमति से मेला का शुभारंभ 9 नवंबर को कराने तथा इसका समापन 10 दिसंबर को कराने का निर्णय लिया गया। इस आशय का प्रस्ताव सरकार को भेजकर सहमति ली जायेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा स्नान को लेकर व्यवस्था पूर्व की भांति सुनिश्चित की जायेगी। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष, उपविकास आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सहित अन्य जिला, अनुमण्डल, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं स्थानीय समिति के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कारोबार

भारत नवाचार का लोकतंत्रीकरण कर रहा है, इसे प्रत्येक नागरिक के लिए बना रहा है सुलभ : मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर

नवाचार हमारे डीएनए में, हम नई सदी के लिए कर रहे जागृत

- राष्ट्रीय मानसिकता में सकारात्मक बदलाव देश के एआई नवाचार को आगे बढ़ा रहा है : मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय मानसिकता में सकारात्मक बदलाव से कृत्रिम मेधा, क्वांटम प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति को बढ़ावा मिल रहा है। भारत नवाचार को प्रत्येक नागरिक के लिए सुलभ बनाकर इसे एक जन आंदोलन में बदल रहा है। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री ने नई दिल्ली के यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के अवसर पर 'कनेक्टिविटी से परे: कल के नवाचार के इंजनों का लोकतंत्रीकरण' शीर्षक से एक सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि कहा कि भारत नवाचार को एक विशिष्ट प्रयास से जनांदोलन में बदल रहा है। डॉ. चंद्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत एक ऐसा नवाचार इको-सिस्टम तैयार कर रहा है, जो समावेशी, सुलभ और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी हो। उन्होंने कहा, 'हम भविष्य के नवाचार के इंजनों को प्रत्येक भारतीय के लिए उपयोगी बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं।' 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025' में अपने संबोधन के दौरान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नवाचार भारत के लिए नया नहीं है। डॉ. चंद्रशेखर ने राष्ट्रीय चिंतन में आए बदलाव को भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अटल टिंकरिंग लैब्स से लेकर स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक की पहल नवाचार को सभी के लिए सुलभ बना रही हैं। भारत की विरासत-शून्य और शतरंज-पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, 'नवाचार हमारे डीएनए में है और हम इसे एक नई सदी के लिए जागृत कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने जो हासिल किया है वह व्यवस्थित है। दुनिया भारत पर इसलिए विश्वास करती है क्योंकि भारत को खुद पर विश्वास है। हम भविष्य के नवाचार के इंजनों को हर भारतीय के लिए कारगर बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं।'

डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि पिछले दशक में कनेक्टिविटी से रचनात्मकता की ओर भारत की नवाचार यात्रा एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम बन गया है। यहां 1.9 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं, जबकि पेटेंट दाखिल करने की संख्या दोगुनी हो गई है, जो 2014 में 40,000 से बढ़कर 2025 में 80,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने देश के नवाचार परिदृश्य के तेजी से विस्तार पर जोर देते हुए, कहा कि कोड अब टियर-3 शहरों में लिखे जा रहे हैं और स्टार्टअप कॉलेज के छात्रावासों में जन्म ले रहे हैं। नवाचार अब एक विशेषाधिकार नहीं रहा, बल्कि यह एक राष्ट्रीय आदत बनता जा रहा है। डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डिजिटल समावेशन के एक दशक ने जेएएम ट्रिनिटी के जरिए 900 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक कम लागत वाली इंटरनेट पहुंच और यूपीआई के 10 अरब से अधिक मासिक लेनदेन के माध्यम से नवाचार की नींव रखी है। इससे प्रत्येक नागरिक को जुड़ने, निर्माण करने और योगदान करने में सक्षम बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3, स्वदेशी 4जी/5जी, मेड-इन-इंडिया एमआरआई और रक्षा निर्यात में 30 गुना वृद्धि जैसी उपलब्धियां भारत की बढ़ती तकनीकी ताकत और आत्मनिर्भरता की ओर इसकी यात्रा को दर्शाती हैं। डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि जीएसटी, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, श्रम कानूनों का सरलीकरण और पूर्वव्यापी कराधान की समाप्ति जैसे सुधारों ने एक पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उन्होंने कहा, भारत लाइसेंस राज से हटकर विश्वास-प्रथम मॉडल की ओर अग्रसर होकर उद्यमियों को राष्ट्र-निर्माता के रूप में सम्मानित कर रहा है।

भारत का डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से हुआ परिपक्व : संजय मल्होत्रा

मुंबई (एजेंसी) : आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से उपयोग में आसान और सभी के लिए सुलभ उत्पाद डिजाइन करने को कहा, ताकि भारत को वित्तीय समावेश हासिल करने और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने में मदद मिल सके। संजय मल्होत्रा ने यहां 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि भारत का डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से परिपक्व हुआ है और दैनिक यूपीआई लेनदेन अब वैश्विक रीयल-टाइम भुगतानों का आधा हिस्सा है। उन्होंने बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मुद्दे का भी उल्लेख किया और इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए प्रयास करने की वकालत की। मल्होत्रा ने फिनटेक कंपनियों से आग्रह किया कि वे भारत के कम विकसित क्षेत्रों में पहुंच में सुधार करें, तथा ऐसे उत्पाद डिजाइन करें जो कम डिजिटल साक्षरता वाले लोगों के लिए सहज और उपयोग में आसान हों। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 में आरबीआई के गवर्नर ने फिनटेक कंपनियों के लिए पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में वित्तीय समावेशन और नवाचार को गति देना है। उन्होंने कंपनियों को सहज अनुभव बनाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि ग्राहकों को कभी भी सहायता पर निर्भर न रहना पड़े, जिससे परेशानी कम हो और सहभागिता में सुधार हो। उन्होंने कहा कि डेटा की उपलब्धता के कारण अब रिटर्न दाखिल करने जैसे काम में महीनों लगने वाले काम कुछ ही मिनटों में हो जाते हैं। मल्होत्रा ने डिजिलॉकर जैसी तकनीकी पहलों और जीएसटी कार्यान्वयन में सहायक आईटी ढांचे पर भी प्रकाश डाला।

कोई भी ताकत भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती : गोयल

मुंबई (एजेंसी) : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' में कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे के निर्माण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का विस्तार करने के लिए कई पहल कर रही है। गोयल ने कहा कि फिनटेक जगत में भागीदार से लेकर अब प्रमुख वास्तुकार बनने तक भारत वैश्विक पहलों का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक एआई परिदृश्य में अपनी भूमिका निभाएगा। गोयल ने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर विश्वास और भरोसे से देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ साझेदारी उच्च-गुणवत्ता वाली प्रतिभा, कौशल, वस्तुओं और सेवाओं की गारंटी देती है, और समय पर डिलीवरी की प्रतिबद्धता भी। 'भारत का डिजिटल आधार: सभी के लिए विश्वास, व्यापार और प्रौद्योगिकी का निर्माण' विषय पर उन्होंने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। वाणिज्य मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि हम वैश्विक स्तर पर एआई को अपनाने में अग्रणी होंगे और हमारी युवा प्रतिभाएं हमारी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए इस क्षेत्र में अग्रणी बनने की हमारी यात्रा में सहायक होंगी। गोयल ने कहा कि यह संपूर्ण बुनियादी ढांचा यह सुनिश्चित करेगा कि मुंबई का प्रत्येक नागरिक एक घंटे से भी कम समय में घर से कार्यस्थल तक पहुंच सके।

जयंत चौधरी ने एआई पर नीति आयोग के रोडमैप का किया अनावरण

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने बुधवार को नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब अध्ययन, 'समावेशी सामाजिक विकास के लिए एआई' का शुभारंभ किया। इसे डेलॉइट के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ये अपनी रिपोर्ट व्यवस्थित रूप से यह पता लगाने का अपनी तरह का पहला प्रयास है कि किस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अग्रणी प्रौद्योगिकियां भारत के 490 मिलियन अनौपचारिक श्रमिकों के जीवन और आजीविका को बदल सकती हैं। जयंत चौधरी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह रिपोर्ट अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में समावेशिता और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए एआई का लाभ उठाने का एक रोडमैप प्रदान करती है, जो 2047 तक भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

एसबीआई जैसे बैंक अधिग्रहण वित्तपोषण को संभालने में सक्षम : सीएस शेट्टी

एजेंसी

मुंबई : सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने बुधवार को यहां कहा कि देश के सबसे बड़े ऋणदाता जैसी संस्थाएं अधिग्रहण संबंधी वित्तपोषण संभालने में सक्षम हैं। एसबीआई के चेयरमैन ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा बैंकों को अधिग्रहण वित्तपोषण की अनुमति देने के हालिया निर्णय के बाद यहां वार्षिक ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ 2025) कार्यक्रम के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक के द्वारा दी गई विस्तारित संक्रमण अवधि को देखते हुए परिसंपत्ति प्रावधान की अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) आधारित प्रणाली में बदलाव से बैंकों की बैलेंस शीट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

शेट्टी ने वार्षिक ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'हम विदेशी संस्थाओं का अधिग्रहण करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए आउटबाउंड विलय और अधिग्रहण वित्तपोषण कर रहे हैं। मुझे लगता है कि एसबीआई जैसे बैंक अधिग्रहण वित्तपोषण में पारंगत हैं।' ईसीएल पर एसबीआई के अध्यक्ष ने कहा कि देश का सबसे बड़ा ऋणदाता मॉडल के संदर्भ में तकनीकी रूप से तैयार है, लेकिन अभी भी कुछ समायोजन की आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने मुंबई में कहा, 'हमें लगता है कि जो लंबा संक्रमण काल दिया गया है, उसका बैंकों की बैलेंस शीट पर सीमित असर पड़ेगा।' मौजूदा प्रावधान को हटाकर ईसीएल में बदलाव वित्त वर्ष 2026-27 में शुरू लागू होगा। बैंकों को इसे पूरी तरह से अपनाने के लिए पांच साल का समय दिया गया है।

चार दिन की तेजी के बाद शेयर बाजार टूटा, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

निवेशकों को लगी 2.35 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

मुंबई : लगातार चार कारोबारी दिन तक तेजी दिखाने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

माना जा रहा है कि कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज दबाव में आ गया। इसके साथ ही पिछले 4 दिन से जारी तेजी के माहौल के वजह से आज बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव भी काफी अधिक रहा। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स में बढ़ोतरी होने की वजह से भी घरेलू शेयर बाजार पर आज लगातार दबाव बना रहा।

कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेक सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 457.88 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.35 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। कारोबार में बीएसई में 4,330 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,740 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,435 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 155 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,801 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,118 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,683 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

भारत पर गूगल का 10 अरब डॉलर का दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल भारत में अपना पहला और देश के डिजिटल हिस्ट्री में सबसे बड़ा निवेश करने जा रहा है। कंपनी 10 अरब डॉलर (लगभग 88,730 करोड़ रुपये) की लागत से आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 1 गीगावॉट क्षमता वाला एक विशाल डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करेगी। यह परियोजना एशिया में अब तक की सबसे बड़ी होगी और इससे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बता दें गूगल और उसकी सहायक कंपनियां कर्मचन में 11 देशों - अमेरिका, ताइवान, जापान, सिंगापुर, आयरलैंड, नीदरलैंड, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और चिली में 29 स्थानों पर डेटा सेंटर संचालित करती हैं। डेटा सेंटर क्लस्टर विशाखापट्टनम जिले के अडविवाराम और तारलुवाडा गांवों तथा पड़ोसी अनाकापल्ली जिले के रामबिल्ली गांव में तीन अलग-अलग कैंपस में बनाया जाएगा। इसके लिए तीन उच्च-क्षमता वाली सबमरीन केबल्स लगाई जाएंगी, जिनके लिए विशेष केबल लैंडिंग स्टेशन और मेट्रो फाइबर लाइनों सहित उन्नत दूरसंचार ढांचा विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार का लक्ष्य विशाखापट्टनम में मुंबई से दोगुना सबमरीन केबल नेटवर्क तैयार करना है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा दिसंबर 2024 में ही गूगल के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इस परियोजना के अंतिम रूप से मंजूरी मिलने की उम्मीद है और गूगल की टीम और राज्य के आईटी मंत्री नारा लोकेश के बीच 14 अक्टूबर को इस पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होने की संभावना है। इस डेटा सेंटर क्लस्टर के जुलाई 2028 तक चालू हो जाने का अनुमान है। हालांकि, गूगल ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यह डेटा सेंटर क्लस्टर भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब का केंद्र बनेगा।

टाटा ट्रस्ट्स में मतभेद पर सरकार की पैनी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह के घर पर हुई 45 मिनट की बैठक में केंद्र सरकार ने टाटा समूह के टॉप लीडरशिप को सख्त संदेश दिया कि टाटा ट्रस्ट्स में स्थिरता बनाए रखें और आंतरिक विवादों को नियंत्रित करें ताकि उनका असर टाटा सन्स पर न पड़े, जो देश का सबसे मूल्यवान व्यवसायिक समूह है। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और टाटा समूह के चार वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। इनमें टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेनु श्रीनिवासन, टाटा सन्स के चेयरमैन एन.

चंद्रशेखरन और ट्रस्टी डेरियस खंबाटा। सरकार का मानना है कि टाटा ट्रस्ट्स के भीतर चल रहे मतभेद अगर समय पर सुलझाए नहीं गए, तो यह पूरे समूह की कार्यप्रणाली पर असर डाल सकते हैं। मंत्रियों ने कंपनी नेतृत्व को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि वे जरूरत पड़ने पर सख्त कदम उठाएं, जिसमें ऐसे ट्रस्टी को हटाना भी शामिल है जो समूह के सुचारू कामकाज में बाधा डाल रहा हो। बैठक में आरबीआई के निर्देशों पर भी चर्चा हुई, जिसमें टाटा सन्स जैसी अपर लेयर एनबीएफसी कंपनियों के पब्लिक लिस्टिंग का मुद्दा शामिल था। इसके साथ ही, समूह के दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पल्लोनजी समूह के लिए लिक्विडिटी (नकदी की उपलब्धता) का रास्ता निकालने पर भी विचार हुआ।

आईसीआरए का दावा

भारत का गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक?

15 लाख करोड़ के स्तर को पार कर सकता है

नईदिल्ली, एजेंसी। देश का संगठित गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक 15 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर जाएगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने यह दावा किया है। आईसीआरए के अनुसार यह पहल की उम्मीदों से एक साल पहले है। इस तेज वृद्धि का मुख्य कारण पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में आई लगातार बढ़ोतरी है, जो अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी हैं।

आईसीआरए लिमिटेड में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और को-ग्रुप हेड (फाइनेंशियल सेक्टर रेटिंग्स) एएम कार्तिक ने कहा कि संगठित गोल्ड लोन बाजार का आकार वित्त वर्ष 2027 तक और बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। एजेंसी के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में 30 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। इसका कारण ऊंचे सोने के दाम और असुरक्षित ऋण उत्पादों में धीमी वृद्धि को माना गया है। यह आम तौर पर उसी उधारकर्ता वर्ग को लक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कई कंपनियों का विविधीकरण और देश में उपलब्ध बड़ी मात्रा में फ्री गोल्ड होल्डिंग इस वृद्धि के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक साबित होंगे।

सोने की ऊंची कीमतों से यह वृद्धि हुई

सोने की ऊंची कीमतों के कारण हुआ है, लेकिन कोलैटरल के रूप में रखे गए सोने का टन भार वित्त वर्ष 2020-2025 के दौरान 1.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से मामूली रूप से बढ़ा है। इस अवधि के दौरान औसत ऋण आकार दोगुने से भी अधिक हो गया है, जबकि शाखाओं की संख्या में 3.3 प्रतिशत की धीमी सीएजीआर से वृद्धि हुई है।

बैंकों ने एनबीएफसी की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की

वित्त वर्ष 24-25 के दौरान, स्वर्ण ऋण लगभग 26 प्रतिशत की सीएजीआर से विस्तारित हुआ। यह मार्च 2025 तक 11.8 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया। बैंकों ने एनबीएफसी की तुलना में थोड़ी तेज वृद्धि दर्ज की। इससे समग्र संगठित बाजार में बाद की हिस्सेदारी में गिरावट आई। मार्च 2025 तक, बैंकों की कुल संगठित स्वर्ण ऋण बाजार में लगभग 82 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि शेष 18 प्रतिशत हिस्सेदारी एनबीएफसी के पास थी। एनबीएफसी की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से घटकर अब 2025 में 22 प्रतिशत हो गई है, जो इस क्षेत्र में बैंकों की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। आईसीआरए के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि जून 2025 तक कुल एनबीएफसी गोल्ड लोन प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 2.4 ट्रिलियन रुपये थीं।

सोना पहली बार 1.25 लाख के पार

सारे रिकॉर्ड ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। करवाचौथ पर सोने-चांदी के जेवर गिफ्ट में देने के लिए अब सौ बार सोचना पड़ेगा। 10 अक्टूबर को करवाचौथ है और उससे पहले आज सोने-चांदी की की कीमतें सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर एक बार फिर नए ऑल टाइम पर हैं। आज 8 अक्टूबर को सोना एक झटके में ही 1832 रुपये महंगा हो गया है जबकि, चांदी के भाव में 1345 रुपये की उछाल दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने का भाव जीएसटी समेत अब 125452 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी जीएसटी समेत 155306 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। आइबीजेए के मुताबिक आज 24 कैरेट सोना बिना जीएसटी 121799 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला जबकि, मंगलवार को यह बिना जीएसटी 119967 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी बिना जीएसटी 149438 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। आज चांदी बिना जीएसटी 150783 रुपये प्रति किलो के रेट से खुला। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अक्टूबर के महज 6 कारोबारी दिनों में सोना 6450 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। जबकि, चांदी की कीमत में प्रति किलो 8349 रुपये का उछाल आया। इस साल सोना अबतक 46059 रुपये और चांदी 64766 रुपये महंगी हो चुकी है। आज 23 कैरेट गोल्ड भी 1824 रुपये महंगा होकर 121311 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 124950 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 1678 रुपये उछलकर 111568 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जीएसटी संग यह 114915 रुपये है। आज 18 कैरेट गोल्ड 1374 रुपये की तेजी के साथ 91349 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

बजट में बदलेगी सस्ते घरों की परिभाषा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार आम लोगों को राहतों का सिलसिला देने का काम आगे भी चालू रख सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार फरवरी में पेश होने वाले बजट में आम लोगों के लिए सस्ते मकानों की परिभाषा बदलने की योजना बना रही है। इसके तहत वर्तमान सीमा को बढ़ाया जा सकता है। अभी 45 लाख रुपये तक की कीमत वाले मकानों को अफोर्डेबल हाउसिंग यानी सस्ते घरों के वर्गीकरण के रूप में रखा गया है। लेकिन अब इसे महानगरों के लिए 55 लाख रुपये या फिर 60 वर्गमीटर किया जा सकता है। गैर महानगरों के लिए इस सीमा को बढ़ाकर 90 वर्गमीटर किया जा सकता है। इसके पीछे तर्क यह है कि अब आम आदमी को भी कम से कम 800-1000 वर्गफुट का दो या तीन बेडरूम, किचन और हाल यानी बीएचके की जरूरत होती है। दरअसल, कई रियल्टी संस्थान लंबे समय से सरकार से इस परिभाषा को बदलने की मांग कर रहे हैं। उनका इसके पीछे तर्क है कि 2017 में जब यह नियम बना था, तब से अब तक मकानों की कीमतों तो बढ़ी ही हैं, साथ ही महंगाई भी जमकर बढ़ी है। ऐसे में अब 45 लाख रुपये में दूसरे स्तर के शहरों यहां तक कि दिल्ली और मुंबई के आस-पास जो शहर हैं, वहां भी मकान नहीं मिल रहे हैं। सूत्रों ने बताया, इस संबंध में कई रियल्टी संस्थानों ने हाल में सरकार से बात की है और सरकार इस बार इस लंबी मांग को पूरा करने का विचार कर रही है। सरकार ने फरवरी में पेश बजट में आयकर में भारी राहत दी। फिर आरबीआई की रेपो दर में एक फीसदी की बड़ी कटौती और अब जीएसटी सुधार से लोगों को राहत तो मिली है, पर मकान खरीदारों को अब भी राहत नहीं मिली है। रियल्टी संस्थानों का कहना है कि जीएसटी सुधार से उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ है। सीमेंट पर जीएसटी कटौती से उनका क्या लेना देना है? अगर सीमेंट कंपनियां या डीलर कीमतें घटाते है तो वे उतना फायदा तो दे देंगे, लेकिन यह घर खरीदारों के लिए कोई बहुत बड़ी राहत नहीं है। ऐसे में रियल्टी संगठन अब भी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि इस बार कुछ राहत मिलेगी। सीधे तौर पर इस उद्योग को जीएसटी के सुधार से कोई फायदा नहीं हुआ है। रियल्टी कंसल्टेंट एनारॉक के अनुसार, भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ से किफायती घरों की बिक्री प्रभावित होने की संभावना है। इससे छोटे व्यवसायों और उनके कर्मचारियों की आय प्रभावित होगी।

अनिल अंबानी-आरकॉम को हाईकोर्ट से झटका

खातों को धोखाधड़ी में वर्गीकृत करने वाला एसबीआई का आदेश वैध

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने वाले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा है कि यह एक तर्कसंगत आदेश था और इसमें कोई कानूनी खामी नहीं थी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने 3 अक्टूबर को एसबीआई के आदेश को चुनौती देने वाली अंबानी की याचिका खारिज कर दी थी। फैसले की एक प्रति मंगलवार को सामने आई। इसमें कहा गया कि अंबानी की याचिका में कोई दम नहीं है, क्योंकि 13 जून 2025 के एसबीआई आदेश में कोई खामी नहीं थी। अदालत ने उद्योगपति की इस दलील पर विचार नहीं किया कि आदेश को अमान्य घोषित किया जाना चाहिए। अंबानी ने अपनी याचिका में दलील थी कि उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया और प्रासंगिक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

हाईकोर्ट ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मास्टर निर्देशों के तहत उपलब्ध अधिकार, जिसके तहत एसबीआई ने अपना आदेश पारित किया, प्रतिनिधित्व करने का है, न कि व्यक्तिगत सुनवाई का। अदालत ने कहा कि अंबानी ने पिछले साल एसबीआई की ओर से जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया था और जब अंतिम पत्र का कोई जवाब नहीं आया तो बैंक ने खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने का आदेश पारित कर दिया।

अगले साल 11 प्रतिशत तक बढ़ेगा वेतन

इंफ्रास्ट्रक्चर व एनबीएफसी सेक्टर में मिलेगी सबसे ज्यादा सैलरी हाइक

नई दिल्ली, एजेंसी। वेतन के मोर्चे पर सुनहरी तस्वीर सामने आ रही है। 2026 में वेतन 11 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। 2025 में 8.9 प्रतिशत वृद्धि से यह मामूली अधिक है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बावजूद मजबूत रोजगार बाजार को दर्शाता है। एऑन पीएलसी के अनुसार, 2026 में रियल एस्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक वेतन वृद्धि होगी। रिपोर्ट के अनुसार, रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियां 10.9 प्रतिशत वृद्धि कर सकती है। एनबीएफसी में 10 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। ऑटोमोटिव और वाहन विनिर्माण जैसे अन्य उद्योगों में 9.6 प्रतिशत, इंजीनियरिंग डिजाइन में 9.7, इंजीनियरिंग और विनिर्माण में 9.2 प्रतिशत, खुदरा में 9.6 और लाइफ साइंस में 9.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नौकरी छोड़ने की दर धीरे-धीरे कम होकर 2025 में 17.1 प्रतिशत हो गई है। 2024 में 17.7 और 2023 में 18.7 प्रतिशत थी। इसका मतलब कंपनियां कर्मचारियों को बनाए रखने और भविष्य के लिए एक मजबूत वर्कफोर्स बनाने के लिए क्षमता को बढ़ाने व डेवलपमेंट प्रोग्राम में निवेश करने में सक्षम हो रही हैं। जो कंपनियां अपनी पुरस्कार रणनीतियों को इन बदलावों के साथ जोड़ कर चलेंगी, वे शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होंगी।

अब नहीं चलेगा फर्जी पैन और बेनामी सौदों का खेल, विभाग खंगालेगा रजिस्ट्री रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बेहिसाब संपत्ति व बेनामी लेनदेन पर रोक लगेगी। आयकर विभाग संपत्ति रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड की जांच करने की योजना बना रहा है। हजारों संपत्ति सौदे आयकर अधिकारियों की नजरों से ओझल होने की आशंका है। रिपोर्टिंग में जानबूझकर की गई चूक और संपत्ति के दस्तावेजों में खरीदारों-विक्रेताओं के फर्जी या भ्रामक पैन के कारण कई लेन-देन विभाग की नजर से ऐसे सौदे बच रहे हैं। संपत्ति रजिस्ट्रार को 30 लाख रुपये या उससे अधिक मूल्य की संपत्तियों की खरीद और बिक्री का विवरण देना अनिवार्य है। ऐसे मामले भी हैं जिनमें शामिल पक्ष रजिस्ट्रार कार्यालयों के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके यह सुनिश्चित करते हैं कि सौदे की रिपोर्ट न की जाए या गलत पैन या नाम दर्ज कर दिए जाएं। इससे उनका पता लगाना मुश्किल हो जाएगा। उच्च मूल्य वाले रियल एस्टेट लेनदेन का उपयोग लंबे समय से काले धन को जमा करने के एक माध्यम के रूप में किया जाता रहा है। इसे अक्सर फर्जी संस्थाओं के माध्यम से छुपाया जाता है। इस प्रणाली को मजबूत करने के लिए संपत्ति पंजीकरण से पहले सभी पक्षों के लिए पैन और आधार का अनिवार्य ई-सत्यापन एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह कदम नकली या गलत पैन या आधार विवरणों के उपयोग को समाप्त करने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि संपत्ति के रिकॉर्ड वास्तविक स्वामित्व को दर्शाते हैं।

सैमसंग इंडिया ने पंजाब में डिज़ास्टर रिलीफ एंड केयर प्रोग्राम शुरू किया

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग ने पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित ग्राहकों और समुदायों की मदद के लिए अपना विशेष आपदा राहत और देखभाल कार्यक्रम लॉन्च किया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रभावित इलाकों में केयर कैंप लगाए जाएंगे, जहां परिवारों को जरूरी घरेलू सामान, बुनियादी उपकरण और इमरजेंसी किट मुहैया कराई जाएगी। वर्षों से, सैमसंग विभिन्न पहलों के माध्यम से मुश्किल समय में लोगों का सहयोग करने के लिए आगे आया है। जैसेकि श्रीनगर में वैली ऑफ होप (2014) से लेकर केयर फॉर केरल (2018) और केयर फॉर महाराष्ट्र (2019) तक। इन पहलों से हजारों लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई, जीवन को फिर से संवारने में मदद मिली और मुश्किल हालात में उम्मीद की किरण मिली। पंजाब के गुरदासपुर में, जहां हाल ही की बाढ़ ने लोगों की जिंदगी प्रभावित की है, सैमसंग पहले ही अपने कॉन्टैक्ट सेंटर और सर्विस सेंटर के जरिए मदद के अनुरोध लेना शुरू कर चुका है। लोग लगातार केयर कैंप में सहायता के लिए पहुंच रहे हैं। और जैसे-जैसे स्थानीय घोषणाएं और सूचनाएं आसपास के गांवों तक पहुंचेंगी, मदद के लिए आने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।ज्यादातर रिक्वेस्ट पानी में डूबे स्मार्टफोन्स, वॉशिंग मशीनों और रेफ्रिजरेटर से संबंधित हैं।

आयोनोस ने वर्ल्ड एविएशन फेस्टिवल में एजेंटिक एआई सॉल्यूशंस प्रदर्शित किया

लिस्बन, पुर्तगाल /नई दिल्ली। इंटरग्लोब एंटरप्राइस की एक कंपनी और एंटरप्राइस एआई में विश्व की अग्रणी आयोनोस ने 7 से 9 अक्टूबर तक लिस्बन में आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड एविएशन फेस्टिवल में सिल्वर स्पांसर के तौर पर प्रतिभाग करने की घोषणा की है। आयोनोस अपने प्रोप्राइटरी एजेंटिक एआई सॉल्यूशंस को प्रदर्शित करेगी जिसे विशेष रूप से विमानन उद्योग में एआई संचालित परिवर्तन को निर्बाध रूप से अपनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण आयोनोस का इंटेलिमेट प्लेटफॉर्म होगा जो विमानन उद्योग के लिए त्वरित लाभ करने के उद्देश्य से पूर्व एकीकृत और पूर्व प्रशिक्षित एजेंटिक एआई प्लेटफॉर्म है। आयोनोस का लक्ष्य अधिक कुशल कार्यप्रवाह को गति देना, परिचालन दक्षता बढ़ाना और विमानन कंपनियों को एआई की संभावना का पूर्ण दोहन करने में मदद करना है ताकि वे ग्राहकों के साथ बेहतर ढंग से जुड़े रहें और आंतरिक परिचालनों को संभाल सकें। आयोनोस के सह संस्थापक और वाइस चेयरमैन सोपी गुरनानी ने कहा, आयोनोस विमानन कंपनियों को ऐसे एजेंटिक एआई उत्पाद और सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने की अनूठी स्थिति में है।

स्टील एक्सचेंज इंडिया ने अधिक अनुकूल शर्तों पर 350 करोड़ की पुनर्वित्त सुविधा सुनिश्चित की

विशाखापत्तनम, एजेंसी। स्टील एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड दक्षिण भारत के निजी क्षेत्र के अग्रणी एकीकृत स्टील निर्माताओं में से एक और 'सिंहद्री टीएमटीओ ब्रांड के तहत टीएमटी रिबार्स में एक विश्वसनीय नाम, ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर्स और एक टर्म लोन की पूर्व भुगतान/रिडेम्पशन के माध्यम से वित्तीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति की घोषणा की है, जिसमें उन्होंने काफी कम ब्याज दरों पर पुनर्वित्त सुरक्षित किया है। 30 सितंबर 2025 को, कंपनी ने कोटक महिंद्रा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड, ऑक्सिजो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और कोटक क्रेडिट ऑपर्च्युनिटीज फंड सहित प्रमुख वित्तीय संस्थानों के एक संघ से 350 करोड़ की पुनर्वित्त सुविधा की मंजूरी प्राप्त की है। इनमें से 150 करोड़ पहले ही वितरित किए जा चुके हैं और इसका उपयोग मौजूदा उच्च लागत वाले एनसीडीएस और टर्म लोन की पूर्व भुगतान के लिए किया गया है। शेष 200 करोड़ 10 अक्टूबर 2025 तक या उससे पहले आवश्यक अनुमोदनों के सबजेक्ट वर्तमान धारकों से बकाया एनसीडीएस खरीदने के लिए वितरित किए जाएंगे। उपरोक्त पुनर्वित्त सुविधाओं के साथ, कंपनी ने 30 सितंबर 2025 को 25 करोड़ के टर्म लोन का पूर्व भुगतान सफलतापूर्वक पूरा किया, 84.30 करोड़ के सुरक्षित अनलिस्टेड एनसीडीएस का पूर्ण पूर्व-रिडेम्पशन किया और 32.35 करोड़ के सुरक्षित लिस्टेड एनसीडीएस का आंशिक रिडेम्पशन किया, जिससे लिस्टेड एनसीडीएस की बकाया मूलधन राशि 198.56 करोड़ रह गई। इस बकाया राशि को कोटक क्रेडिट ऑपर्च्युनिटीज फंड 10 अक्टूबर 2025 या उससे पहले अधिग्रहित करेगा।

क्या आप इंसोमनिया के साथ ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से भी जूझ रहे हैं

एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन

डॉ. बेरिटयन लेचत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।

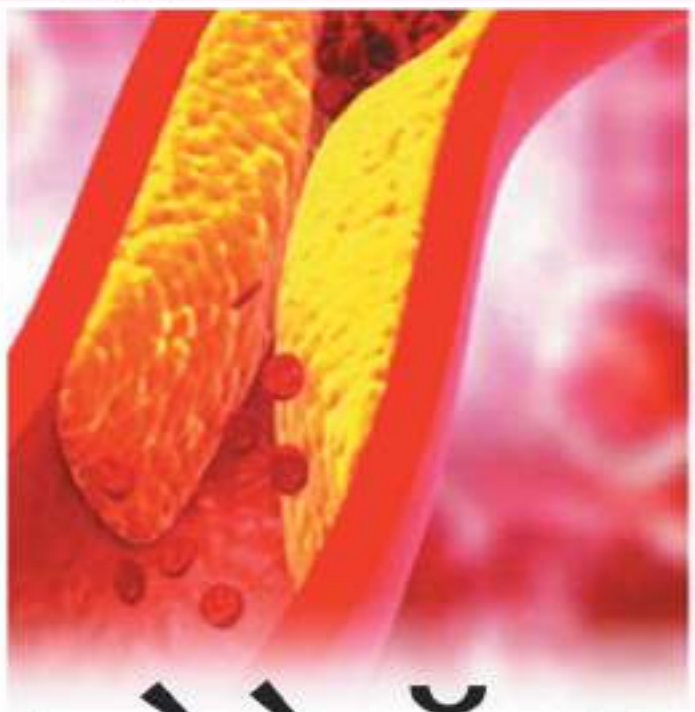

कोलेस्ट्रॉल कम करेगा अमरूद

कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। बहुत से लोग कोलेस्ट्रॉल की समस्या से पीड़ित हैं जिसकी वजह से उन्हें दिल से जुड़े विभिन्न रोगों का सामना करना पड़ रहा है। यह मोम की तरह चिपचिपा पदार्थ होता है, जो खून की नसों में पाया जाता है। इसका निर्माण आपके द्वारा खाए जाने वाले पदार्थों से होता है, साथ ही आपका लीवर भी इसे बनाता है।

शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने के नुकसान यह हैं कि इससे खून की नसें ब्लॉक हो सकती हैं जिससे ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है और आप के लिए दिल के विकारों के साथ दिल के दौरा और स्ट्रोक का जोखिम पैदा हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल कम करने के उपाय क्या हैं? नसों में जमा गंदा कोलेस्ट्रॉल कम करने का सबसे अच्छा तरीका हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज है। हालांकि मेडिकल में कई दवाएं कोलेस्ट्रॉल कम करने का काम करती हैं। इनके अलावा आप अमरूद जैसे फाइबर से भरपूर फलों को खाकर भी इसे कम कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कैसे। एक रिसर्च के अनुसार, सर्दियों का मौसम है और इन दिनों अमरूद खूब बिक रहा है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने के लिए आपको अमरूद का सेवन करना चाहिए। यह फल आसानी से कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल के विकास को बढ़ावा देता है।

कोलेस्ट्रॉल कैसे कम करता है अमरूद

इसी अध्ययन में इस बात के प्रमाण हैं कि फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे ओट्स, फल और सब्जियां खाने से शरीर में जमा फैट को कम करने में मदद मिल सकती है। इतना ही नहीं फाइबर से ब्लड लिपिड को कंट्रोल करने में भी मदद मिल सकती है।

रिसर्च में हुआ खुलासा

कोलेस्ट्रॉल में अमरूद के फायदे के लिए एक अध्ययन किया गया जिसमें प्रभागियों ने 12 हफ्ते तक अमरूद का सेवन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि इतने दिनों के बाद हाई डेंसिटी वाला लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल, सीरम कुल कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और ब्लड प्रेशर (9.0/8.0 मिमी एचजी) तक कम हो गया था।

अमरूद के पोषक तत्व

देखने में यह एक आम फल है लेकिन स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए इसके बड़े फायदे हैं। यह आहार फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, नियासिन, थियामिन, राइबोफ्लेविन, कैरोटीन और लाइकोपीन जैसे एंटीऑक्सिडेंट और कैल्शियम, फॉस्फोरस और आयरन जैसे खनिजों से भरपूर है।

पत्ते भी हैं फायदेमंद

बेशक आपको अमरूद पसंद न हो लेकिन इसके फायदे हैरान करने वाले हैं। सबसे बड़ी बात कि इस फल के पत्ते, छाल और फूल भी कई गुणों से भरे हैं। इनका पारंपरिक रूप से कई बीमारियों को ठीक करने के लिए उपयोग किया जाता है।

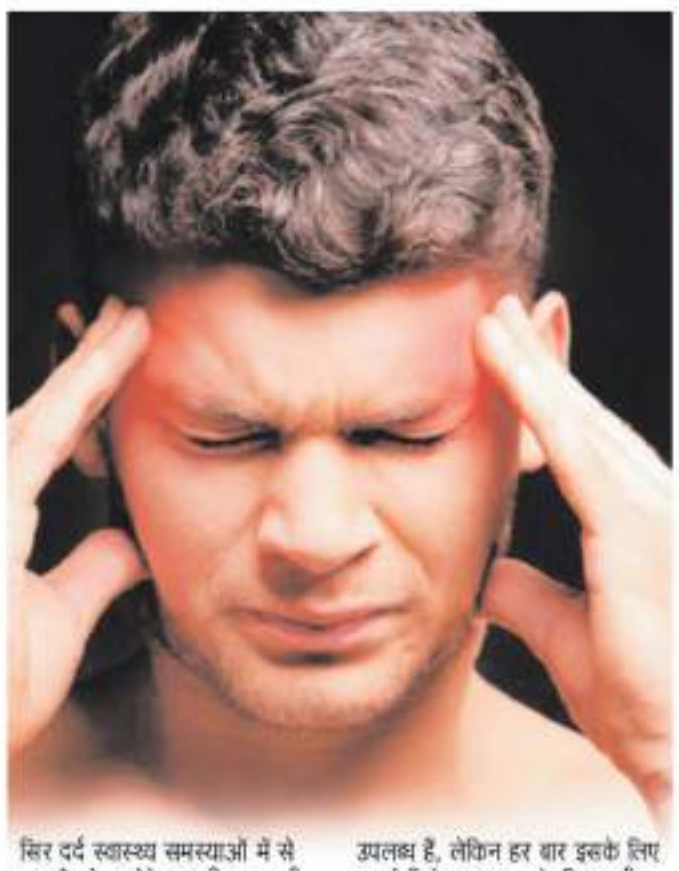

इन आसान उपायों से मिनटों में दूर होगा सिरदर्द

सिर दर्द स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है जो कमोबेश कभी-न-कभी हर किसी को होता रहता है। आम तौर सिर दर्द की समस्या गर्मी के दिनों में ज्यादा परेशान करती है। यह इतना तेज होता है कि बर्दाश्त करना मुश्किल होता है। सिर दर्द को दूर करने के लिए आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और एलोपैथी में कई तरह की दवाइयाँ उपलब्ध हैं, लेकिन हर बार इसके लिए दवाईयाँ लेना स्वास्थ्य के लिए सही नहीं होता है। विशेष रूप से एलोपैथी की पैन किलर का प्रभाव शरीर की दूसरी बीमारियों को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए आज हम कुछ ऐसे देसी नुस्खे बताने जा रहे हैं जिनको इस्तेमाल करके सिरदर्द की शिकायत को दूर किया जा सकता है।

गर्म पानी में नींबू का रस

आप फटाफट से तैयार होने वाला यह नुस्खा आजमा सकते हैं। इसमें आपको सिर्फ यह करना है कि 1 गिलास में गर्म पानी लीजिए और उसमें नींबू का रस डालकर पी लें। फिर देखिएगा आपको सिर दर्द से कितनी जल्दी राहत मिलती है। कई बार पेट में गैस बनने से भी सिर दर्द होने लगता है। उस स्थिति में भी यह घरेलू उपाय बेहद ही कारगर माना गया है।

लैवेंडर का तेल

लैवेंडर के तेल को सूघने से आपको सिर दर्द की समस्या से बेहद आराम मिलता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार लैवेंडर का तेल माइग्रेन के लक्षणों को भी ठीक करने में मदद करता है। एक टिश्यू पेपर पर लैवेंडर के तेल की कुछ बूँदें डाल लें और फिर उस पेपर को सूंघ लें।

लौंग का इस्तेमाल

तवे पर लौंग की कुछ कलियों को गर्म कर लीजिए। इन गर्म हो चुकी लौंग की कलियों को एक रूमाल में बांध लीजिए। थोड़ी-थोड़ी देर पर इस पोटली को सूंघते रहिए। आप पाएंगे कि सिर का दर्द कम हो गया है। लौंग में दर्द खत्म करने के गुण होते हैं।

एक्यूप्रेशर के द्वारा

सालों से लोग सिर दर्द में राहत के लिए एक्यूप्रेशर का प्रयोग करते आ रहे हैं। सिर दर्द होने की स्थिति में आप अपनी दोनों हथेलियों को सामने ले आइए। इसके बाद एक हाथ से दूसरे हाथ के अंगूठे और इंडेक्स फिंगर के बीच की जगह पर हल्के हाथ से मसाज कीजिए। ये प्रक्रिया दोनों हाथों में दो से चार मिनट तक दोहराइए।

तुलसी

तुलसी मांसपेशियों को आराम देने की तरह काम करती है। थकी हुई मांसपेशियों के कारण होने वाले सिर के दर्द का इलाज करने में तुलसी बेहद लाभदायक होती है। इसके साथ ही इसमें आराम देने और एनाल्जेसिक के प्रभाव भी मौजूद होते हैं। एक कप पानी में सबसे पहले तीन या चार तुलसी की पत्तियों को कुछ मिनट तक उबालने के लिए रख दें। आप इसमें कुछ मात्रा में शहद भी मिलाकर चाय की पी सकते हैं।

एलर्जी के कारण होती है नाक में खुजली

मौसम बदलने से नाक में एलर्जी के कारण खुजली महसूस होने लगती है। इस खुजली की वजह से सांस लेने में कठिनाई महसूस होती है। नाक में एलर्जी किसी बाहरी चीज के सम्पर्क में आने से भी हो सकती है। नाक में खुजली होने के बहुत से कारण हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं –

- एलिजमा के कारण नाक में एलर्जी हो सकती है।
- नेजल एलर्जी या एलर्जिक रायनाइटिस होना।
- अस्थमा होने पर नाक में एलर्जी हो सकती है।
- सिगरेट के धुएं से भी नाक में खुजली होती है।
- नाक में धूल जाने के कारण खुजली हो सकती है।
- परफ्यूम के साइड इफेक्ट से भी नाक में खुजली होती है।
- जेनेटिक कारणों से भी नाक में खुजली महसूस हो सकती है।

घरेलू नुस्खे

नाक में हो रही खुजली को वैसे तो ईएनटी विशेषज्ञों द्वारा दी जाने वाली दवाईयों के जरिये ठीक किया जा सकता है, लेकिन नाक की खुजली को आप घरेलू नुस्खों के जरिये भी सही कर सकते हैं।

शहद और तुलसी- नाक में खुजली की वजह फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन भी हो सकता है। संक्रमण दूर करने के लिए तुलसी के पत्ते का पेस्ट बना लें। इसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को गुनगुने पानी के साथ लें। इस मिश्रण का सेवन करने से त्वचा में हो रही खुजली की समस्या भी दूर होती है।

पपीता- पपीते का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। पपीते में ब्रोमलेन नाम का इंजाइम पाया जाता है जिससे नाक की सूजन और खुजली की समस्या दूर होती है। रोजाना पपीता का सेवन न करें। हफ्ते में 3 से 4 बार कर सकते हैं।

हल्दी- हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। हल्दी का सेवन करने से नाक और त्वचा में खुजली की समस्या दूर होती है। हल्दी को गुनगुने पानी या दूध के साथ ले सकते हैं। गरम दूध या पानी में 1 चम्मच हल्दी मिलाएं। रात में इसका सेवन करने से नाक में हो रही खुजली से निजात मिलेगी। नाक की एलर्जी दूर करने में हल्दी का सेवन फायदेमंद माना जाता है।

काली मिर्च- नाक में खुजली की समस्या दूर करने के लिए काली मिर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। एलर्जी के कारण अगर नाम में खुजली हो रही है, तो काली मिर्च का सेवन फायदेमंद साबित होगा। काली मिर्च में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। काली मिर्च के साथ शहद मिलाएं। गुनगुने पानी के साथ काली मिर्च और शहद को मिलाकर खाएं।

कपालभाति प्राणायाम- नाक में खुजली होने पर आप कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं। कई बार नाक का रास्ता ब्लॉक होने के कारण खुजली की समस्या होती है। खुजली दूर करने के लिए नाक का रास्ता खुलना जरूरी है। इसके लिए कपालभाति का अभ्यास 15 मिनट के लिए करें। कपालभाति करने के लिए गहरी सांस लें। सांस को अंदर खींचें। फिर सांस छोड़ते हुए पेट को खींचें। नाक में खुजली होने पर एलर्जी टेस्ट किए जा सकते हैं। वैसे तो एलर्जी के लक्षण एक हफ्ते के अंदर ठीक हो जाते हैं। अगर फर्क महसूस न हो, तो डॉक्टर से मिलें।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हा, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटामिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छाछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

किसानों के चेहरों पर मोहन ने भावांतर योजना से लौटाई मुस्कान

हर्षवर्धन पान्डे

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोयाबीन उत्पादकों के लिए इस योजना को पुनः लागू करने की घोषणा की है जो मध्यप्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए एक बड़ी राहत का संकेत है। 2025 में सोयाबीन की कीमतों में गिरावट के बीच मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भावंतर योजना की घोषणा करके किसानों के हित में एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस बड़ी घोषणा से राज्य के 50 लाख हेक्टेयर सोयाबीन क्षेत्र और 25 लाख से अधिक छोटे-मझोले किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

सोयाबीन मध्यप्रदेश के किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। यहां बाजार मूल्यों की अस्थिरता किसानों के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन सरकार ने किसानों को भावांतर योजना के माध्यम से बड़ी राहत प्रदान की है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और बाजार मूल्य के अंतर की भरपाई करेगी। यह योजना किसानों को बाजार जोखिम से बचाने का एक प्रभावी उपकरण साबित होगी।

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोयाबीन उत्पादकों के लिए इस योजना को पुनः लागू करने की घोषणा की है जो मध्यप्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए एक बड़ी राहत का संकेत है। 2025 में सोयाबीन की कीमतों में गिरावट के बीच मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भावंतर योजना की घोषणा करके किसानों के हित में एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस बड़ी घोषणा से राज्य के 50 लाख हेक्टेयर सोयाबीन क्षेत्र और 25 लाख से अधिक छोटे-मझोले किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत अधिसूचित तिलहनी फसल के लिए भावांतर योजना वर्ष 2018-19 से लागू की गई है। भारत सरकार ने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया है। किसान पहले की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे। एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जायेगा। इसके लिए किसान द्वारा ई-पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए किसान का उत्पादन मॉडल भाव 4600 रूपए पर हुआ है तो समर्थन मूल्य 5328 में से शेष अर्थात भावांतर राशि 628 रूपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

किसान को समर्थन मूल्य बराबर ही राशि प्राप्त होगी। यदि किसान की उपज का विक्रय मूल्य एमएसपी से कम है परंतु राज्य के औसत मॉडल प्राइज के समतुल्य है ऐसी स्थिति में

भी किसान को एमएसपी और बिक्री मूल्य के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। तीसरी स्थिति में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य के औसत मॉडल प्राइस से कम होने की दिशा में किसान को एमएसपी और घोषित औसत मॉडल प्राइस के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक स्थिति में किसान का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में सोयाबीन किसानों के लिए भावांतर योजना के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है। मोहन सरकार के इस निर्णय से सोयाबीन उत्पादक के किसानों के चेहरे खिले नजर आ रहे हैं। योजना के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य और बाजार भाव के बीच के अंतर की राशि सरकार देगी। पंजीयन के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन का विक्रय किया जा सकेगा। राशि फसल विक्रय के 15 दिवस के अंतर किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मध्यप्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य 3 अक्टूबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। पंजीयन के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन का विक्रय 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक किया जा सकेगा। पंजीकृत कृषक और उनके रकबे के सत्यापन की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से पूर्ण होगी। किसानों के भावांतर की राशि फसल विक्रय के 15 दिवस के भीतर उनके बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान मंडियों में पहले की तरह ही सोयाबीन का विक्रय करेंगे। यदि फसल एमएसपी से कम भाव पर बिकती है तो सरकार अंतर की राशि सीधे किसानों के खातों में जमा करेगी। इसके लिए किसानों को योजना में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। यदि मंडी में सोयाबीन का भाव एमएसपी से कम लेकिन राज्य सरकार के घोषित औसत मॉडल भाव से अधिक है तो एमएसपी और वास्तविक बिक्री मूल्य का अंतर सरकार देगी। यदि मंडी भाव औसत मॉडल भाव से भी कम है तो एमएसपी और मॉडल भाव का अंतर किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टरों को निर्देश देते हुए कहा है कि योजना को पारदर्शी ढंग से लागू किया जाए और किसानों तक पूरी जानकारी पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव सरकार ने किसानों की समग्र कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। हाल ही में दशहरा के अवसर पर 8.84 लाख किसानों के खातों में 653.34 करोड़ रुपये की राहत राशि ट्रांसफर की गई जो अतिवृष्टि, बाढ़, कीट व्याधि और सोयाबीन में पीला मोजेक रोग से प्रभावित फसलों के लिए थी। इस बार प्रदेश के 13 जिलों के 4.94 लाख किसानों को पहली बार इस रोग के लिए विशेष सहायता मिली।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की हितैषी सरकार है। किसानों के हित के लिए सरकार के पास राशि की कोई कमी नहीं है। किसान-कल्याण मोहन सरकार की पहली प्राथमिकता है। किसानों के लिए राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया उसी तरह प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ सरकार द्वारा दिलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध नजर आती है।

मध्यप्रदेश की भावांतर योजना किसानों को बाजार की अनिश्चितताओं से बचाने का मोहन सरकार का एक बहुत ही साहसिक प्रयास है। इस योजना के माध्यम से सोयाबीन पर केंद्रित लाखों किसानों को एक तरफ जहाँ बड़ी आर्थिक सुरक्षा मिलेगी वहीं इससे राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए भावांतर योजना के प्रति किसानों में उत्साह देखा जा रहा है। किसानों को अब किसी प्रकार का कोई नुकसान सरकार द्वारा नहीं होने दिया जायेगा। केंद्र सरकार द्वारा सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य रु 5328 प्रति क्विंटल तय किया गया है लेकिन बाजार में कई बार किसानों को इससे कम कीमत पर अपनी फसल बेचनी पड़ रही थी। ऐसे में मोहन सरकार की यह भावांतर योजना सोयाबीन किसानों को निश्चित तौर पर बड़ी राहत देने का काम करेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

ट्रॉफी सिर्फ ढांचा नहीं टूर्नामेंट की आत्मा

गत दिनों एशिया कप का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक अवसर था। उपमहाद्वीप में जब-जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होती हैं, तो इसे महज एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों के जज्बातों का संगम माना जाता है। ऐसे में उम्मीद थी कि यह फाइनल न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन करेगा बल्कि खेलभावना की मिसाल भी पेश करेगा। मगर अफसोस कि मुकाबले के अंत में सबसे ज्यादा चर्चा खेल के नतीजे की नहीं, बल्कि ट्रॉफी वितरण के दौरान उपजे विवाद की रही। यह विवाद न केवल आयोजन समिति की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है, बल्कि खिलाड़ियों और क्रिकेट संस्थाओं की परिपक्वता पर भी। ट्रॉफी किसी भी टूर्नामेंट की आत्मा कही जा सकती है। यह केवल धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उस मेहनत, संघर्ष और टीम भावना का प्रतीक है जिसके लिए खिलाड़ी महीनों तक पसीना बहाते हैं। जब उसी ट्रॉफी को लेकर मंच पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह दृश्य दर्शकों के मन में निराशा और खेल की गरिमा पर प्रश्नचिह्न छोड़ जाता है। एशिया कप जैसे भव्य टूर्नामेंट में यह और भी अस्वीकार्य है। जिस क्षण को उत्सव होना चाहिए था, वह असहमति और अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। भारत-पाकिस्तान संबंधों का बोझ क्रिकेट हमेशा ढोता आया है। लेकिन खेल को हमेशा इन तनावों से ऊपर बताया गया है। यह मंच आपसी कटुता को पीछे छोड़कर सद्भाव और सम्मान का संदेश देने का अवसर देता है। किंतु जब ट्रॉफी वितरण जैसे अवसर पर भी शिष्टाचार और खेलभावना की कमी दिखे तो यह साफ संकेत है कि आयोजकों और खिलाड़ियों दोनों को आत्ममंथन की आवश्यकता है। यह केवल दो टीमों के बीच विवाद नहीं, बल्कि पूरे एशियाई क्रिकेट की छवि पर चोट है। इस घटना ने आयोजन समिति की तैयारी और निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की सफलता केवल मैदान पर खेले गए मैचों से नहीं, बल्कि उसके समापन के सुचा आयोजन से भी आंकी जाती है। यदि उस निर्णायक क्षण में भ्रम और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह पूरे टूर्नामेंट की छवि धूमिल कर देता है। खिलाड़ियों के लिए भी यह क्षण आत्मचिंतन का है। वे केवल अपने खेल से ही नहीं, बल्कि अपने आचरण से भी नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। यदि मंच पर असहमति और विवाद दिखे तो इससे दर्शकों में गलत संदेश जाता है। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है, और उसकी गरिमा बनाए रखना हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है। ट्रॉफी जीतना निस्संदेह गौरव की बात है, किंतु खेल की मयार्दा बनाए रखना उससे कहीं बड़ा दायित्व है। यदि आयोजन समिति और खिलाड़ी इस घटना से सबक नहीं लेते तो भविष्य में ऐसे विवाद बार-बार क्रिकेट की छवि को आहत करेंगे। खेल को राजनीति और अहंकार से ऊपर रखना ही उसकी असली आत्मा है। स्पष्ट है कि एशिया कप फाइनल में ट्रॉफी का विवाद एक शर्मनाक दृश्य था। इसने खेल के उस उज्ज्वल क्षण को कलंकित कर दिया जिसे आने वाले वर्षों तक यादगार होना चाहिए था। अब यह क्रिकेट संस्थाओं और खिलाड़ियों पर है कि वे इस कलंक को धोकर खेल की गरिमा बहाल करें।

चिंतन-मनन

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है -

बुद्धेय फलं तत्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाचः फलं प्रतिकरनाराणाम।

अर्थात- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार कर-के उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है। धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।

योगी का ऐंटी रोमियो दस्ता महिला शक्ति का मजबूत पहरेदार

कांतिलाल मांडोत

योगी आदित्यनाथ उतरप्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के तीन दिनों के भीतर ऐंटी रोमियो दस्ते के नाम से बनी पुलिस की छापामार टीमें सार्वजनिक स्थलों से लपंटो को खदेड़ने में जुटी थी।जोकि आज दिन ऐंटी रोमियो स्क्वायड नारी शक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है।प्रदेश में महिलाओ और बेटियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है।महिलाओ और बेटियों को स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर बनाने के साथ सुरक्षा का माहौल उपलबन्ध कराने के लिए योगी की मिशन शक्ति 5.0 अभियान चलाने की शुरूआत की गई है।मुख्यमंत्री ने नवरात्र के पहले दिन मिशन शक्ति 5.0की शुरूआत की गई थी।योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यूपी पुलिस ने पूरे यूपी में अभूतपूर्व अभियान चलाया,जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओ की सुरक्षा व्यवस्था और जनसहभागिता दोनो में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा रही है कि बचपन से लेकर जवानी तक हर लड़की की रखवाली राज्य के अधीन रहती है।कोई भी सरकार लक्ष्य से हट नही सकती।उतरप्रदेश में 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सभी 1,500 थानों में गठित नए दस्ते की सनसनी फैला दी थी।शुरूआत के दौर में योगी की शक्ति से अनभिज्ञ रोड रोमियो पुलिस की कार्यवाही को गौण समझते थे।लेकिन धीरे धीरे ऐंटी रोमियो पर शिकंजा कसने लगा और सूबे में गुंडागर्दी कम होने लगी।प्रदेश में उस दौर में सनसनी फैला दी,जैसे ऐसा लगता था कि कबूतरों के बीच बिल्ली को छोड़ दिया गया हो।ऐंटी रोमियो हवा की तरह आते है।अभी भी रोड रोमियो स्क्वायड से थर थर कांपते है।शुरू में करीब दो हजार नौजवानों को धर दबोचा।योगी ने उन रोमियो को पकड़ा,जिनके बाल लंबे,कुछ स्कूल और कॉलेज के पास पाए गए और कुछ यूं ही भटक रहे थे।इनको घेर कर सरकार ने अच्छे संकल्प दिलवाया गया।कुछ मामलों में तो उठक बैठक करवाई गई।

भारत दोराहे पर खड़ा है।एक तरफ यथास्थितिवादी ग्रामीण समाज और दूसरी तरफ शहरी समाज आधुनिकता, निजी प्रगति और नए तरह के सामाजिक रिश्तों की ओर कदम बढ़ा रहा है।बढ़ती फैशन और शरीर पर कम होती पोशाकें जीवन की वास्तविकता को कोसो पीछे छोड़कर नए जमाने की दहलीज पर कदम रखने वाले युवक युवतियों को समझ नही आ रहा है कि वे कैसे पेश आए।

देश मे औरतों के लिए सबसे असुरक्षित राज्यो में एक उतरप्रदेश के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द था।वर्तमान में सूबे के काफी हालात सुधरे है।महिलाएं,बालिका कही पर आवागमन कर सकती है।यहां तक रात में भी किसी अकेली महिलायें और बेटियां सुरक्षित है।उतरप्रदेश में महिलाओ के खिलाफ होने वाले अपराधों में काफी कमी आई है।2017 का दौर भयंकर रहा है।2017 पहले महिलाओ और बच्चियों के साथ आए दिन अपहरण, दुष्कर्म और हत्या जैसी घटना सामान्य बात थी।लेकिन वह भूतकाल की बात है।अपराध इतना बढ़ गया था कि महिलाएं घरों में भी सुरक्षित नही थी।औरतों को चार दिवारी के भीतर अपराध का शिकार होना पड़ता था ।यह बीते कल की बात है।लेकिन आज महिलाओं के साथ नही होता है।उतरप्रदेश के शक्त शासन के माध्यम से यूपी की कायापलट कर दी है।दहेज, हत्या,सामुहिक बलात्कार,अगवा और फिरौती,यौन उत्पीड़न जैसी घटनाएं पूर्व सरकार में घटित होती थी।योगी ने सर्वप्रथम ऐंटी रोमियो को ठीक करने के लिए सिर्फ छेड़छाड़ पर ही फोकस किया गया था,क्योंकि चारदीवारी के भीतर घरेलू हिंसा होती है। लेकिन सार्वजनिक स्थलों पर बेहूदगी तो चलन बन गया था।सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यूपी पुलिस हर तरह की प्रवृत्ति कर रही है ।सड़को पर रोमांस करने वालो पर चालान किये जा रहे है,जिससे उपरोक्त घटनाएं कम हो रही है।पुलिस रचनात्मक संदेश और अभियानों का उपयोग कर रही है।एनसीआरबी के अनुसार यूपी में साम्प्रदायिक हिंसा बिलकुल खत्म हो चुकी है।यूपी में अपराध एक चौथाई कम है।राज्य के हालात तेजी से सुधरे है।जिसमे राज्य सरकार की सख्ती का परिणाम है।2023 में साम्प्रदायिक की घटना शून्य रही थी।यूपी में रास्ट्रीय औसत से 25 फीसद कम रही है।सड़को पर शांति का आलम है।2017 के बाद यूपी शांति और सद्भाव का गढ़ बन चुका है।लव जिहाद के लड़ने और सरकार की सख्ती से काफी कम हुआ है।जबकि यूपी के हर कॉलेज में एंटी रोमियो दस्ता उपलब्ध कराया गया था।जिससे लड़कियों को सुरक्षा प्रदान करने में सहूलियत रही है।

वहीं फिरौती के लिए अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती (क्ढउ 395) के मामलों में भारत में 3,792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे नियर जीरो क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

नवरात्र में शुरू किए गए मिशन शक्ति अभियान में योगी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वायड ने सार्वजनिक स्थलों ,मंदिरों, मॉल और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर सतर्कता बढाई।इस दौरान 1लाख ,आठ हजार से उपर मंदिरों की गहन जांच करवाई गई।जिसमें संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी रखी गई।

असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाई की गई।संदिग्ध व्यक्तियों की गिरफ्तारी की गई।जिसमें 3,972 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।धार्मिक कार्यक्रम शांन्तिपूर्ण ढंग से पूर्ण हुआ।सड़क पर छेड़छाड़ में देश मे यूपी ही अग्रणी राज्य है यह कहना कोई अतिश्योक्ति नही होगी।लेकिन देश मे हर राज्य में छेड़छाड़ की घटना बनती ही है।पुलिस ऐसे मामले शॉटआउट भी करती है।सड़क पर लडकिया देखकर सिटी बजाना,पुकारना,छेड़ना,यौन उत्पीड़न और गाली गलौज देश मे हर राज्य की समस्या है।लेकिन यूपी में सबसे ज्यादा था।क्योंकि योगी के पूर्ववर्ती सरकार इस पर कड़क कार्यवाई नही करती थी।यही बड़ा कारण था।देश मे हर राज्य सड़क पर होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं को रोकने के अनूठे तरीके ईजाद करने में लगी है जो इतने दमनकारी भी नही है।

विश्व डाक दिवसः समय के साथ बदल रहा है डाक विभाग

रमेश सर्राफ धमोरा

पूरी दुनिया में 9 अक्तूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। एक जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है।

भारत में डाकघर का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से शुरू होता है जब रॉबर्ट क्लाइव ने 1766 में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की। वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कोलकाता में पहला डाकघर खोला और 1854 में लॉर्ड डलहौजी ने भारत में एक राष्ट्रीय डाक सेवा की शुरूआत की। आज भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है जो बैंकिंग, बीमा और अन्य सेवाओं के साथ आम आदमी का भरोसेमंद साथी है। 1 अक्टूबर 1854 में भारतीय डाक विभाग की स्थापना के साथ ही भारत में पहली बार डाक टिकट भी जारी किया गया था।

विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है। वह लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर ही केंद्रित थी।

हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल, वाट्सएप व सोशल मीडिया, इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है।

आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बन्द से ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है।

भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी। कुछ वर्ष पूर्व तक डाक विभाग हमारे जनजीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो सभी लोग अपनी या अपने पड़ौसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालो से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे।

उस वक्त गांवो में बैक शाखा भी नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बाते ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दुगुनी होती थी। देश में पहली बार 11 फरवरी 1855 को शुरू हुई तार सेवा को सरकार ने 15 जुलाई 2013 से बन्द कर दिया है। इसके साथ ही डाक विभाग ने रजिस्टर्ड डाक सेवा को भी एक अक्तूबर 2025 से स्पीड पोस्ट में विलय कर दिया है।

भारतीय डाक विभाग पिनकोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिनकोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था। इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दशार्ती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दशार्ती है।

डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देश भर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा। जिसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे।

बदलते हुए तकनीकी दौर में दुनिया भर की डाक व्यवस्थाओं ने मौजूदा सेवाओं में सुधार करते हुए खुद को नयी तकनीकी सेवाओं के साथ जोड़ा है। डाक, पार्सल, पत्रों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। डाक घरों द्वारा मुहैया करायी जानेवाली वित्तीय सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है। दुनियाभर में इस समय 55 से भी ज्यादा विभिन्न प्रकार की पोस्टल ई-सेवाएं उपलब्ध हैं। भविष्य में पोस्टल ई-सेवाओं की संख्या और अधिक बढ़ायी जायेगी। डाक विभाग से 82 फीसदी वैश्विक आबादी को होम डिलीवरी का फायदा मिलता है।

भारत की आजादी के बाद हमारी डाक प्रणाली को आम आदमी की जरूरतों को केंद्र में रख कर विकसित करने का नया दौर शुरू हुआ था। नियोजित विकास प्रक्रिया ने ही भारतीय डाक को दुनिया की सबसे बड़ी और बेहतरीन डाक प्रणाली बनाया है। राष्ट्र निर्माण में भी डाक विभाग ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। जिससे इसकी उपयोगिता लगातार बनी हुई है। आज भी आम आदमी डाकघरों और डाकिये पर भरोसा करता है। तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में आम जनता का इतना जन विश्वास कोई और संस्था नहीं अर्जित कर सकी है। यह स्थिति कुछ सालों में नहीं बनी है। इसके पीछे डाक विभाग के कार्मिको का बरसों का श्रम और लगातार प्रदान की जा रही सेवा छिपी है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

आनंद देवरकोंडा के भाई संग पर्दे पर रोमांस करेंगी नितांशी गोयल

भागवत के किरदार में आई चुनौतियों पर बोले जितेंद्र कुमार

अभिनेता जितेंद्र कुमार इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म भागवत चैप्टर 1– राक्षस को लेकर चर्चा में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। जितेंद्र इस फिल्म में नेगेटिव रोल अदा करते दिखेंगे।

फिल्म भागवत में जितेंद्र कुमार को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखा जाएगा। फिल्म की रिलीज से पहले जितेंद्र कुमार ने एक बिल्कुल अलग किरदार में अपनी दिलचस्पी को लेकर बात की। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में जितेंद्र ने कहा कि वह पिछले दो वर्षों से इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, यह एक हैरान कर देने वाली फिल्म है और इसे आश्चर्यजनक तरीके से बनाया गया है। हम ट्रेलर को मिली प्रतिक्रियाओं से काफी खुश हैं।

किरदार के लिए लेखक और निर्देशक से की लंबी बात

जितेंद्र ने अपने किरदार को लेकर कहा कि उन्होंने इस भूमिका में ढलने के लिए लेखकों और निर्देशक के साथ व्यापक चर्चा की थी। जितेंद्र ने कहा, यह सुनिश्चित किया गया कि किरदार में रियलिज्म बरकरार रहे और मेरे किरदार की अलग-अलग परतों में भी यह हकीकत नजर आए। सभी सीन असली रियल लोकेशन पर फिल्माए गए, लेकिन मुझे कहानी की पृष्ठभूमि में गहराई से न जाने के लिए कहा गया, क्योंकि कहानी वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित है। उन्हें लगा कि यह गलत दिशा में जा सकती है।

किरदार का हर हिस्सा अलग है

जितेंद्र ने अपने किरदार को चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने आगे कहा, इस भूमिका का हर हिस्सा एक अलग रंग और परत लेकर आता है। कुछ ऐसा, जो मैंने पहले कभी नहीं किया था। जितेंद्र ने बताया कि शूटिंग के दौरान खासकर एक सीन पूरा करने के बाद वह उत्साहित और घबराए हुए दोनों थे। उन्होंने आगे कहा, जब भी हम कोई नया सीक्वेंस शूट करते थे तो मैं अपनी परफॉर्मेंस को लेकर बहुत उत्सुक रहता था। हर सीन मुझे घबराहट से भर देता था। मैं सोचता था कि मुझे इसे जल्दी से करना है और फिर देखना है कि यह कैसा बना है। मुझे आगे क्या बदलाव करने की जरूरत है?

लापता लेडीज से मिली पहचान

किरण राव के निर्देशन में बनी लापता लेडीज में नितांशी गोयल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। उनके साथ इस फिल्म में प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव भी मुख्य भूमिकाओं में थे। साधारण लड़की के किरदार को उन्होंने जिस गहराई और मासूमियत से निभाया, उसने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। इसी फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री का उभरता सितारा बना दिया।

फिल्म लापता लेडीज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नितांशी गोयल अब एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक नितांशी जल्द ही तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय चेहरे आनंद देवरकोंडा के साथ अपनी पहली पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। लंबे समय से नितांशी के फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

पैन-इंडिया फिल्म की शुरुआत

अब खबर है कि नितांशी, आनंद देवरकोंडा के साथ एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। इस फिल्म को सितारा एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रही है और शूटिंग अगले महीने शुरू होगी। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट 2025 की सबसे बड़ी क्रॉस-इंडस्ट्री फिल्मों में से एक होगा, जिसमें हिंदी और साउथ सिनेमा की लोकप्रियता को जोड़कर नए दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी। हालांकि फिलहाल मेकर्स की ओर से इसे लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। खबरें हैं कि फिल्म के मेकर्स ने इसे बड़े पैमाने पर बनाने का प्लान तैयार किया है। भव्य सेट, दमदार म्यूजिक और स्टाइलिश विजुअल्स के साथ यह फिल्म दर्शकों को नया अनुभव देने वाली

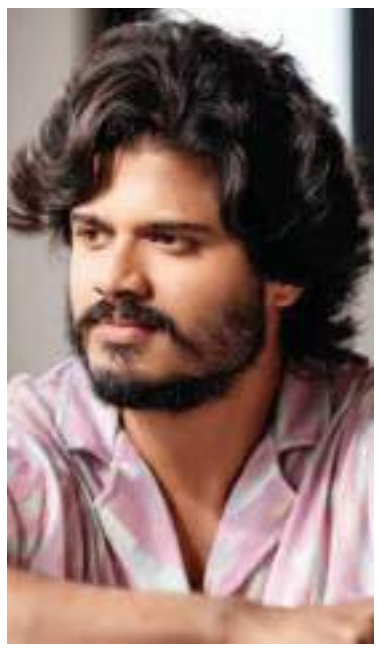

है। हालांकि कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह एक एनर्जेटिक एंटरटेनर होगी, जो हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित करेगी।

नितांशी का बढ़ता सफर

सिर्फ यही नहीं, नितांशी को एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है। खबरों के अनुसार, वह अभय वर्मा के साथ रत्ना सिन्हा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में भी नजर आ सकती हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म शादी में जरूर आना के सीक्वल के तौर पर तैयार की जा रही है।

कान रेड कार्पेट पर भी छाईं

नितांशी ने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। वहां उन्होंने अपने लुक्स से पुराने दौर की दिग्गज अभिनेत्रियों– रेखा, मधुबाला, मीना कुमारी, नरगिस और श्रीदेवी को ट्रिब्यूट दिया। उनके इस अंदाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें लाइमलाइट में ला दिया।

भाई टोनी के साथ नया गाना कोका कोला-2 लेकर आ रही हैं नेहा कक्कड़

मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ फैंस के लिए तोहफा लेकर आ रहे हैं। नेहा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि वह कोका-कोला गाने का नया वर्जन लेकर आ रही हैं। नेहा कक्कड़ ने फैंस की उत्सुकता बढ़ाने के लिए इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्ट साझा किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कोका कोला-2 जल्द ही आने वाला है। तस्वीरों में नेहा भाई टोनी और जूनियर के साथ नजर आ रही हैं। नेहा एक शानदार लग्जरी कार पर स्टाइलिश पोज दे रही हैं, जबकि उनके दोनों तरफ भाई टोनी कक्कड़ और छोटा जूनियर खड़े हैं। नेहा ने कैप्शन में लिखा, कोका कोला-2 जल्द ही आने वाला है। यह पोस्ट देख फैंस गाने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इस नए वर्जन में टोनी कक्कड़ ने कम्पोजिंग, प्रोडक्शन और लिरिक्स का जिम्मा संभाला है। फैंस को उम्मीद है कि उनका क्रिएटिव टच हमेशा की तरह इस बार भी धमाकेदार रहेगा। डायरेक्शन का दमदार काम इनफिलक्ट ने संभाला है। बता दें, सॉन्ग कोका-कोला पहले टोनी कक्कड़ ने रैपर यंग देसी के साथ मिलकर बनाया था, जिसके बाद यह काफी वायरल हुआ था। इसके बाद इसे 2019 में फिल्म लुक्का-छुप्पी में नए वर्जन में रिलीज किया गया था। गाने को नेहा और टोनी कक्कड़ ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। इसके लिरिक्स टोनी और मैलो-डी ने मिलकर लिखे थे। वहीं टोनी ने संगीतबद्ध भी किया था। रैपिंग का काम यंग देसी ने किया था। अब यह गाना फैंस की उम्मीदों को पूरा करने को बेताब है।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने की सगाई!

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के अफेयर की खबरें अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। कथित तौर पर एक निजी समारोह में इन दोनों ने सगाई कर ली है। अगले साल फरवरी में इनके घर शहनाई बज सकती है।

निजी समारोह में हुई सगाई

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों की सगाई एक प्राइवेट सेरेमनी में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के बीच हुई है। कहा यह भी जा रहा है कि दोनों ने अपनी शादी का एलान करने से पहले कुछ दिनों इंतजार करने का फैसला लिया है। इसलिए सगाई को लेकर भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

रश्मिका के हालिया पोस्ट ने दी अफवाहों को हवा

रश्मिका मंदाना और विजय की सगाई की रूमर्स दरअसल, रश्मिका के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुई। रश्मिका ने कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे साड़ी में नजर आ रही हैं। यह दशहरा के अवसर की तस्वीरें हैं। रश्मिका ने इन्हें साझा कर फैंस को दशहरा की शुभकामनाएं दी हैं और थामा के ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स मिलने पर शुक्रिया कहा है। मगर, नेटिजन्स ऐसे कयास लगा रहे हैं कि रश्मिका की यह फोटोज विजय के घर की हैं और दोनों की सगाई हो गई है। हालांकि, सगाई की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। न ही कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है।

पहले भी आती रही हैं ऐसी खबरें

बता दें कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी और सगाई से जुड़ी खबरें पहले भी आती रही हैं। कल रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म द गर्लफ्रेंड पर एक बड़ा एलान होने वाला है। ऐसे में दावे यह भी किए जा रहे हैं कि कहीं इसी सिलसिले में यह कोई पीआर स्टंट तो नहीं है। अब विजय और रश्मिका ने वाकई सगाई कर ली है या नहीं, यह तभी स्पष्ट हो पाएगा, जब दोनों की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी।

काम के घंटे को लेकर रानी मुखर्जी ने किया रिएक्ट

बीते कुछ वक्त से बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर बहस चल रही है। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे काम करने की मांग की थी, जिसके बाद उन्होंने संदीप रेड्डी वांगा की आगामी फिल्म स्पिरिट' को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया था। इसपर कई सेलेब्स ने भी प्रतिक्रिया दी है। अब काम के घंटे को लेकर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने भी रिएक्ट किया है। साथ ही उन्होंने निर्देशन में अपने करियर को लेकर भी बात कही है।

शूटिंग के दौरान भी कैसी रखती थीं बच्चे का ख्याल?

एएनआई से बात करते हुए रानी मुखर्जी ने फिल्म हिचकी की शूटिंग के दिनों को याद किया और अपनी बेटी आदिरा के पालन-पोषण के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने हिचकी की थी, तब आदिरा 14 महीने की थी। मुझे सबकुछ करके शहर के एक कॉलेज में शूटिंग करने जाना होता था।'

काम के बीच में जिम्मेदारियों को भी बैलेंस किया

आगे उन्होंने फिल्म की शूटिंग और पारिवारिक जिम्मेदारी के बीच में बैलेंस का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जुहू स्थित मेरे घर से शूटिंग की जगह तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते थे और ट्रैफिक भी बहुत ज्यादा रहता था। इसलिए मैंने तय किया था कि बेटी के लिए सबकुछ करके 6.30 बजे निकल जाती और शूटिंग शुरू कर देती। मेरा पहला शॉट सुबह 8 बजे होता था और मैं 12.30 से 01 बजे तक सब कुछ निपटा लेती थी। मेरे क्रू मेंबर्स बहुत योजनाबद्ध थे, जिस वजह से उन 6-7 घंटों में मैं अपनी शूटिंग पूरी कर लेती थी। शहर में ट्रैफिक शुरू होने से पहले, मैं 3 बजे तक घर पहुंच जाती थी। मैंने अपनी फिल्म इसी तरह की।'

काम के घंटे आपसी समझ पर आधारित हैं

काम के घंटे को लेकर रानी मुखर्जी ने कहा, 'आजकल ये बातें चर्चा में हैं क्योंकि शायद लोग बाहर इस पर चर्चा कर रहे हैं। लेकिन यह सभी कार्यों का एक सामान्य नियम रहा है। मैंने भी ऐसा किया है, जहां मैंने कुछ घंटों तक काम किया है। अगर निर्माता को इससे कोई आपत्ति नहीं है, तो आप फिल्म नहीं करते। इसलिए यह भी एक विकल्प है। कोई किसी पर कुछ भी थोप नहीं रहा है।'

रानी मुखर्जी का वर्कफ्रंट

रानी मुखर्जी के काम की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे में देखा गया था। वहीं उनकी आगामी फिल्म मर्दानी 3 है।

बताया कब करेंगी निर्देशन

अभिनेत्री से उनकी निर्देशने को लेकर रुचि के बारे में सवाल किया गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि मैं इस पेशे में हमेशा कहती हूं कि कभी ना मत कहो। मुझे लगता है कि मैं जिस तरह की इंसान हूं, मुझे पता होता है कि मैं कब निर्देशन के लिए तैयार हूं या मुझे पता होता है कि वह समय कब आएगा। अभी, मुझे नहीं लगता कि ऐसा है। अभी, मैं एक अभिनेत्री होने और निर्देशित होने से बहुत खुश हूं।'

अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में अभी भी जगह खाली, इन मुकाबलों में परखे जाएंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ आगामी मैत्री मुकाबलों की तैयारी में जुटी है। इस बीच टीम के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि विश्व कप 2026 के लिए टीम में अभी भी जगह खाली है। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया है कि इन मैत्री मैचों का इस्तेमाल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होने वाले टूर्नामेंट से पहले नए खिलाड़ियों को परखने के लिए किया जाएगा। शुक्रवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लियोनेल स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल हो सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं, जैसे 2022 के कतर विश्व कप से पहले हुए थे। उन्होंने कहा, आप नहीं जानते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है, लेकिन हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी आखिरी समय में बाहर हो गए थे। यह सच है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करके अगले साल होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की है। स्कालोनी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी। उनका मानना है कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोई भी मैच वास्तव में मैत्रीपूर्ण नहीं होता। मैनेजर ने कहा, हमें लगता है कि हर बार जब कोई अंतरराष्ट्रीय मैच होता है, चाहे वह आधिकारिक हो या मैत्रीपूर्ण, एक शानदार अवसर प्रदान करता है। आगे क्या होता है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। बहुत कुछ दांव पर लगा है। इन मुकाबलों में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

जोकोविच का शानदार प्रदर्शन, चोट के बावजूद मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

शंघाई, एजेंसी। नोवाक जोकोविचने अपने बाएं टखने की चोट, शंघाई की उमस और जीम मुनार की चुनौती के बावजूद 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में सर्बियाई स्टार को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट लेने पड़े और उच्च उमस (82 प्रतिशत से अधिक) के बीच उन्होंने बार-बार सिर पर टॉवेल रखा। खेल के दौरान जोकोविच को उल्टी भी हुई और दूसरे सेट में हार के बाद मेडिकल सहायता के लिए जमीन पर गिरना पड़ा। बावजूद इसके, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। जोकोविच शंघाई में अब तक हर साल क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हैं और चार बार ट्रॉफी जीत चुके हैं। वर्तमान में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और ड्रॉ में शीर्ष रैंकिंग वाले बाएं हाथ के खिलाड़ी का अगला मुकाबला बेल्जियम के जिजिओव बर्ग्स से होगा। वहीं, मंगलवार को होल्गर रूण लगभग तीन साल बाद अपने पहले मास्टर्स 1000 खिताब के करीब पहुंचे, जब उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 6-4, 6-7(7), 6-3 से हराया।

महिला विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

भारत को शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बृहस्पतिवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया बुधवार को कोलंबो में पाकिस्तान को हरा देती है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा।

भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला। श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिए थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा। अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ

12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा।

भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है। लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए. वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी।

फिट होने पर वह टीम में रेणुका सिंह ठाकुर की जगह लेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की। पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी। शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्स और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी।

टीमें: भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

मैच: दोपहर तीन बजे।

93वां वायुसेना दिवस:

तेंदुलकर समेत भारतीय क्रिकेटर्स ने किया आसमान के रक्षकों को सलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर भारतीय क्रिकेट जगत ने वायुसेना के वीर योद्धाओं को शुभकामनाएं दी हैं। विश्व के महानतम बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1.4 अरब से ज्यादा भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं को उड़ान देते हुए, भारतीय वायु सेना साहस और समर्पण के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करती है और उसे और ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करती है।

सचिन तेंदुलकर साल 2010 में वायु सेना के मानद ग्रुप कैप्टन बने थे। ऐसा सम्मान पाने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने लिखा, इंडियन एयरफोर्स का हिस्सा बनकर गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है। भारतीय वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं! जय हिंद! भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने लिखा, हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम! अपनी विस्फोटक सलामी बल्लेबाजी के लिए भारतीय क्रिकेट जगत में पहचान बनाने वाले शिखर धवन ने एक्स पर लिखा, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वायु सेनाओं में से एक का जश्न मनाते हुए आकाश के असली मालिकों को सलाम।

93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर को याद किया गया। इस समारोह में देश के जांबाजों को ऑपरेशन सिंदूर में उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जिसके बाद 7 मई को भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू की गई, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया।

इस ऑपरेशन में पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया गया। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान समेत चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने हिंडन एयरबेस पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत की। समारोह में वायु सैनिकों ने भव्य मार्च पास्ट किया। लड़ाकू विमान रनवे पर प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही भारत की हवाई ताकत और उसकी सटीकता को पूरी दुनिया के सामने दिखाया गया।

मेसी को पीछे छोड़ा

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने पहले अरबपति फुटबॉलर

लंदन, एजेंसी। रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया।

फुटबॉल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस बार यह रिकॉर्ड गोल्स या ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि उनकी बैंक बैलेंस के लिए है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक, रोनाल्डो की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन यूएस डॉलर (लगभग 11,50,00,00,000 रुपये) आंकी गई है, जिससे वह फुटबॉल के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं।

ब्लूमबर्ग ने कहा कि यह पहली बार है जब रोनाल्डो की संपत्ति इस इंडेक्स में शामिल की गई है। इस मूल्यांकन ने उन्हें विश्व फुटबॉल का सबसे अधिक कमाई करने वाला खिलाड़ी बना दिया। इस मामले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी को काफी पीछे छोड़ दिया।

वेतन और क्लब करियर: रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया। इस सौदे के तहत उन्हें कर-मुक्त 200 यूएस डॉलर मिलियन वार्षिक वेतन और बोनस के रूप में मिले, साथ ही 30 मिलियन यूएस डॉलर का साइनिंग बोनस भी शामिल था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, 2002 से 2023 तक रोनाल्डो ने कुल 550 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक वेतन कमाया।

ब्रांड एंडोर्समेंट्स और व्यावसायिक निवेश: रोनाल्डो की कमाई का दूसरा स्तंभ एंडोर्समेंट्स हैं। नाइकी के साथ उनका दस साल का समझौता उन्हें सालाना लगभग 18 मिलियन यूएस डॉलर आमदनी देता है। इसके अलावा अरमानी और कैस्ट्रोल जैसे ब्रांड्स के साथ साझेदारियों से उनकी कुल संपत्ति में लगभग 175 मिलियन यूएस डॉलर का इजाफा हुआ है। उन्होंने अपने सीआर-7 ब्रांड के तहत होटल, जिम, और फैशन में भी अपनी पहचान बनाई है। इसके अलावा रोनाल्डो के पास कई लग्जरी प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें लिस्बन के पास स्थित क्विंटा दा मरिन्हा हाई-एंड गोल्फ रिसॉर्ट की संपत्ति शामिल है, जिसकी कीमत लगभग 20 मिलियन यूरो बताई गई है।

कमाई में मेसी से तुलना: रोनाल्डो के लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी ने अपने करियर में कुल लगभग 600 मिलियन यूएस डॉलर प्री-टैक्स वेतन कमाया है।

इंडिया अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप, खिलन पटेल ने 6 विकेट लिए; वैभव सूर्यवंशी शून्य पर आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 36 रनों की बढ़त हासिल करने में सफल रही। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 116 रन ही बना सकी। जीत के लिए 81 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे महज 12.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। वेदांत त्रिवेदी 33 और राहुल कुमार 13 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह दूसरा यूथ टेस्ट 2 दिन के भीतर खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जबकि भारतीय टीम ने लगातार 5वीं जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 3 मैचों की ODI सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी। इस मुकाबले में भारत के लिए खेनिल पटेल हीरो रहे जिन्होंने कुल 6 विकेट इस मैच में झटके।

दोनों पारियों में 3-3 विकेट उन्होंने अपने नाम किए। वहीं पहली पारी में भारत को बढ़त दिलाने में अपने 22 रनों से अहम योगदान भी दिया।

वैभव सूर्यवंशी ने पहले टेस्ट में शतक जड़ा था: वैभव सूर्यवंशी ने इस पूरे दौरे पर कई अच्छी पारियां खेली हैं। उन्होंने वनडे सीरीज के तीनों मैचों में 38, 70 और 16 रन की पारियां खेली थीं। वहीं पहले यूथ टेस्ट में उन्होंने 113 रन बनाए थे और भारत की पारी से जीत में अहम योगदान निभाया था। फिर दूसरे यूथ टेस्ट में उनका प्रफॉर्मेंस खास नहीं रहा और वह 20 और 0 का ही योगदान कर पाए। पूरे दौरे पर 14 साल के बल्लेबाज ने अपने टी-20 वाले अंदाज को जारी रखा है।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को भारतीय कुश्ती महासंघ ने किया निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले अमन सहरावत को एक साल के लिए निलंबित कर दिया।

22 वर्षीय सहरावत को सितंबर में क्रोएशिया के जाग्रेब में हुई विश्व चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम भार सीमा पार करने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। 23 सितंबर से लागू हुए निलंबन की वजह से सहरावत सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती से जुड़ी किसी भी गतिविधि में भाग नहीं ले पाएंगे। अमन सहरावत के निलंबन की पुष्टि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने की। आईएएनएस को संजय सिंह ने बताया कि अमन सहरावत को अनुशासनात्मक नोटिस भेजा गया था जिसका वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस वजह से उन्हें निलंबित किया गया। संजय सिंह कहा, भारतीय कुश्ती महासंघ ने वजन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए अमन सहरावत को निलंबित करने की घोषणा की है। 23 सितंबर से प्रभावी यह निलंबन उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी कुश्ती गतिविधि में भाग लेने से रोकता है।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्जरलैंड में पूरी की रिकवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्जरलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया। हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीत चुके नीरज ने कहा, बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा।

नीरज ने स्विट्जरलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएं बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्जरलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और

जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं। नीरज ने कहा, मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी (2022) जीती, जो मेरे लिए खास है।

मैग्लिंगन में मैंने स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास किया और बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप से पहले भी वहीं ट्रेनिंग की थी, जहाँ मैंने स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा मैंने परिवार और दोस्तों के साथ स्विट्जरलैंड का आनंद लिया। यह देश मुझे हमेशा याद रहेगा। नीरज ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भारत से बाहर रहते हैं क्योंकि अधिकांश प्रतिस्पर्धाएं विदेशों में होती हैं, खासकर यूरोप में।

रोहित शर्मा को संन्यास ले लेना चाहिए...

बेइज्जत होने से अच्छा मत खेलो, गौतम गंभीर के खिलाफ दिग्गज ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है। उनकी जगह युवा खिलाड़ी शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया है। यह फैसला ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले लिया गया है। 38 साल के रोहित शर्मा के लिए यह खबर अच्छी नहीं है। अब उन्हें भी बाकी खिलाड़ियों की तरह अपने प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनानी होगी। अगर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो उन्हें टीम से बाहर भी किया जा सकता है। शुभमन गिल को कप्तान बनाने का फैसला थोड़ा चौंकाने वाला है। 26 साल के गिल को भविष्य का कप्तान माना जा रहा था लेकिन रोहित शर्मा के रहते हुए जिन्होंने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी उन्हें इतनी जल्दी कप्तानी देना थोड़ा अजीब लगता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट में ऐसे उत्तराधिकार की योजनाएं पहले भी देखी गई हैं। एमएस धोनी के 2019 वर्ल्ड कप से दो साल पहले 2017 में विराट कोहली को वनडे की कप्तानी सौंपी गई थी। लेकिन यहां एक बड़ा अंतर यह है कि रोहित शर्मा 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए टीम का हिस्सा होंगे या नहीं यह पक्का नहीं है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने 38 वर्षीय रोहित शर्मा से आग्रह किया है कि वे बीसीसीआई से इस तरह का बर्ताव बर्दाश्त न करें और जिस एकमात्र फॉर्मेट में वे अभी सक्रिय हैं उससे संन्यास ले लें। तिवारी का मानना है कि बीसीसीआई का रोहित के प्रति अनादर यहीं नहीं रुकेगा बल्कि और बढ़ेगा। इसलिए इससे पहले कि भारत के महानतम बल्लेबाजों में से एक को और अपमान झेलना पड़े बेहतर होगा कि वे खुद को इस शर्मिंदगी से बचा लें। तिवारी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वे (रोहित) अब उनकी योजनाओं में हैं। अब सब कुछ उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। अगर मैं रोहित शर्मा होता तो मैं इसके बाद संन्यास लेने पर विचार करता। उनके जैसे खिलाड़ी को इस तरह के अपमान का हकदार नहीं है। तिवारी बीसीसीआई के बर्ताव से रोहित शर्मा को देखकर दुखी हैं। रोहित का कप्तानी का कार्यकाल कुछ पूर्व कप्तानों की तुलना में काफी छोटा था यानी चार साल से भी कम। लेकिन इस दौरान रोहित ने भारत को आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दो बार खत्म किया।

वरुण चक्रवर्ती ने अपनी अंतरराष्ट्रीय वापसी के लिए सूर्यकुमार और गंभीर को दिया श्रेय

मुंबई, एजेंसी। दुनिया के शीर्ष टी20 गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती का कहना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में साहसी मानसिकता को बढ़ावा दिया है, जिसमें हार का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने लगभग तीन साल टीम से बाहर रहने के बाद अपनी अंतरराष्ट्रीय वापसी का श्रेय गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी दिया।

वरुण ने मंगलवार को मुंबई में सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स के मौके पर कहा, मैं (गंभीर) उनके बारे में एक बात जरूर कह सकता हूं कि वह टीम में एक साहसी मानसिकता लेकर आते हैं जहां हार का कोई विकल्प नहीं होता। आपको बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है और मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देना होता है और बाद में, जो भी होता है, होता है। जब वह मौजूद होते हैं, तो कोई सामान्यता नहीं रहती - आप मैदान में औसत नहीं हो सकते, ऐसा मैं महसूस करता हूं।

वरुण ने जुलाई 2021 में भारत के लिए पदार्पण किया था, लेकिन 2021 टी20 विश्व कप में एक कठिन अभियान का सामना करने के बाद, उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और अक्टूबर 2024 में ही वे भारत के लिए दोबारा खेले। तब से, वरुण भारत की टी20 एकादश में नियमित रूप से शामिल रहे हैं और उन्होंने अपना वनडे पदार्पण भी किया है और इस साल की शुरुआत में टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अमेरिका में आने वाले ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को मीडियम और हैवी ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ये 1 नवंबर से लागू होगा। पहले यह शुल्क 1 अक्टूबर से लागू होने वाला था, लेकिन अब इसे एक महीने टाल दिया गया है। ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा, 1 नवंबर 2025 से, दूसरे देशों से अमेरिका आने वाले सभी मध्यम और भारी वाहन ट्रकों पर 25% शुल्क लगेगा। अमेरिका में ज्यादातर ट्रक पड़ोसी देश कनाडा और मेक्सिको से आते हैं, जहां पहले से ही व्यापार समझौता है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार, पिछले साल अमेरिका ने 2 लाख 45 हजार 764 मध्यम और भारी वाहन ट्रक खरीदे, जिनमें से अधिकांश कनाडा और मेक्सिको से आए। इनकी कुल कीमत 201 अरब डॉलर रही, जिसमें कनाडा से 45 अरब और मेक्सिको से 156 अरब डॉलर का योगदान था। अमेरिकी ऑटोमोबाइल बाजार में ये ट्रक कुल वाहनों के सिर्फ 5% हिस्से के हैं। लेकिन एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी अमेरिका में इनकी मांग का लगभग 80% अमेरिका ही पूरा करता है। इन ट्रकों को वजन के आधार पर बांटा जाता है। मध्यम ट्रक का वजन 14,000 से 33,000 पाउंड के बीच होता है, जबकि 33,000 पाउंड से ज्यादा वजन वाले को भारी ट्रक कहा जाता है। अमेरिका में ये मुख्य रूप से लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई), निर्माण कार्य और कचरा प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होते हैं।

सीडीएस ने सभी के लिए कोविड-19 टीके की सिफारिश बंद की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग की शीर्ष इकाई- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने अब कोविड-19 वैक्सीन को लेकर अपनी सिफारिशें बदल दी हैं। सीडीसी ने कहा कि अब किसी भी आयु वर्ग के शख्स के लिए टीका अनिवार्य नहीं है। सीडीसी अब सभी लोगों को टीके लगवाने की सिफारिश नहीं कर रही है। यह फैसला स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की तरफ से नियुक्त नए सलाहकार समूह की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। इससे पहले 6 महीने और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए वार्षिक बूस्टर डोज की सिफारिश की जाती थी, लेकिन अब यह निर्णय मरीजों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। कैनेडी ने मई में स्वस्थ बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए वैक्सीन की सिफारिश हटाने की घोषणा की थी। उन्होंने सीडीसी की पारंपरिक सलाहकार समिति को हटाकर नया समूह बनाया। नए समूह ने पिछले महीने हुए मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया कि सभी अमेरिकी टीके को लेकर स्वयं निर्णय लें। सीडीसी ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों को डॉक्टर या फार्मासिस्ट से सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसके अलावा, सीडीसी ने चिकनपॉक्स (वरिसेला) की पहली खुराक को अलग से देने की सिफारिश की है। सीडीसी का कहना है कि संयुक्त टीके से बुखार और दौरे का खतरा अधिक होता है।

यूनेस्को ने मिस्र के व्यक्ति को नया निदेशक बनाया, अमेरिका के हटने के बाद बदलाव

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र संघ की इकाई-यूनेस्को को पहली बार अरब देशों से जुड़ा महानिदेशक मिल सकता है। मिस्र के पूर्व पर्यटन और पुरावशेष मंत्री खालिद एल-अनानी को एजेंसी के कार्यकारी बोर्ड ने निदेशक पद के लिए नामित किया है। अगले महीने उज्बेकिस्तान में यूनेस्को की महासभा होने वाली है। यदि इसमें खालिद एल-अनानी के निदेशक बनने की पुष्टि हो जाती है, तो वे एजेंसी की कमान संभालेंगे। हाल ही में अमेरिका के यूनेस्को से बाहर होने के फैसले के बाद यह बदलाव हो रहा है। ये संस्था बजट संकट का सामना भी कर रही है। नॉमिनेशन के समय एल-अनानी ने कांगो के अर्थशास्त्री फिर्मिन एडुआर्ड मातोको को पीछे छोड़ा। मातोको शरणार्थी शिविरों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सुरक्षा के अलावा, लड़कियों की शिक्षा, होलोकॉस्ट (यहूदियों के नरसंहार) को लेकर जागरूकता और विकासशील देशों में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने जैसे अहम कार्यों के लिए जाना जाता है।

हिजबुल्लाह कब छोड़ेगा हथियार? निरस्त्रीकरण के सवाल पर लेबनानी सेना प्रमुख ने सरकार को दी जानकारी

बेरूत , एजेंसी। लेबनान के सेना प्रमुख जनरल रूडोल्फ हैकाल ने पहली बार सरकार को ये जानकारी दी है कि हिजबुल्लाह हथियार कब छोड़ेगा। निरस्त्रीकरण की योजना एक महीने पहले कैबिनेट में चर्चा के बाद सामने आई थी। इसमें सभी हथियारों को सरकार के नियंत्रण में लाने की बात कही गई थी। हालांकि, इस योजना का विवरण गोपनीय रखा गया है। खबरों के मुताबिक हिजबुल्लाह ने इस योजना को खारिज कर दिया है।

टेक्सास में गैस स्टेशन पर भारतीय छात्र की हत्या करने वाला गिरफ्तार

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है।

आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियां : इसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पेरेज ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है। आरोपी वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फोर्ट वर्थ और टैरेंट काउंटी की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान और आगे की जांच रिपोर्ट सरकारी शटडाउन के कारण कुछ देर से जारी की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हुआ है।

वारदात से परिवार और समुदाय में शोक : भारतीय छात्र की हत्या के मामले में ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वे चंद्रशेखर के परिवार से संपर्क में हैं और उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। वहीं स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय और विदेशी छात्र इस घटना से बेहद दुखी और भयभीत हैं। उनका कहना है कि हाल के महीनों में भारतीय छात्रों पर बढ़ते हमलों और रहस्यमय मौतों ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चंद्रशेखर पोल के परिवार और मित्रों की मदद के लिए एक गोफंडमी अभियान शुरू किया गया है, जिससे उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है। चंद्रशेखर पोल तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले थे। उन्होंने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई भारत में पूरी की थी और दो साल पहले अमेरिका गए थे ताकि वे डेटा एनालिटिक्स में मास्टर डिग्री कर सकें। वे नॉर्थ टेक्सास यूनिवर्सिटी, डेंटन से छह महीने पहले ही एमएस पूरा कर चुके थे और नौकरी की तलाश में थे। उनके भाई दामोदर पोल ने बताया कि वह आत्मनिर्भर बने रहने के लिए पार्ट-टाइम गैस स्टेशन में काम कर रहे थे।

अमेरिका में बढ़ती घटनाएं, गहराता डर अमेरिका में इस तरह ये कोई पहली घटना नहीं है। इसी साल जनवरी 2025 में, कनेक्टिकट में तेलंगाना के 26 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं रंगारेड्डी जिले के एक युवक को भी अमेरिका में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया था। सितंबर 2025 में, महबूबनगर जिले के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को कैलिफोर्निया में पुलिस ने गोली मार दी थी, जब उसका अपने रूममेट से झगड़ा हुआ था। इन मामलों के बाद, भारतीय दूतावासों को बार-बार छात्रों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा है। शवों को भारत लाने में कई बार हफ्तों लग जाते हैं, क्योंकि प्रक्रिया में कानूनी और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल होती हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल इस वारदात के बाद फिर से विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है, देर रात या असुरक्षित इलाकों में काम करना कई बार उन्हें खतरे में डाल देता है। भारतीय समुदाय के लोग अब यह मांग कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन ऐसे छात्रों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करें और देर रात काम करने वालों को सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराएं।

ब्रिटेन की प्रसिद्ध उपन्यासकार जिली का 88 की उम्र में निधन

लंदन, एजेंसी। राइवल्स और राइडर्स जैसे सनसनीखेज उपन्यासों के लिए मशहूर, बेस्टसेलिंग ब्रिटिश लेखिका जिली कूपर का निधन हो गया है। वह 88 वर्ष की थीं। कूपर के परिवार ने एक बयान में कहा कि उनका अचानक दुनिया से जाना परिवार के लिए बड़ा सदमा है। लेखिका की एजेंट फेलिसिटी ब्लंट ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि मैंने एक ऐसी महिला के साथ काम किया, जिन्होंने 50 साल पहले अपनी पहली रचना के प्रकाशन के बाद से ही संस्कृति, लेखन और संवाद को परिभाषित किया।

एवरेस्ट पर बर्फीले तूफान से एक की मौत, 137 बचाए गए : ल्हासा, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट की तिब्बती ढलानों पर बर्फीले तूफान में फंसे एक पर्वतारोही की मौत हो गई, जबकि 137 अन्य बचा लिए गए हैं। लापता पर्वतारोहियों की तलाश जारी है। किंघई प्रांत में बर्फबारी में फंसे सभी पर्वतारोही स्थिर हालत में हैं। 4,000 मीटर की औसत ऊंचाई पर लाओहुगो क्षेत्र में बर्फबारी जारी है। पर्वतारोहियों की खोज के लिए 300 से ज्यादा खोजी कर्मी, घोड़े और दो मध्यम आकार के ड्रोनों का इस्तेमाल करने वाली 10 से ज्यादा टीमें तैनात हैं। इससे पहले, सरकारी सीसीटीवी ने बताया था कि 350 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 200 अभी भी लापता हैं।

नेपाल सेना ने लांगटांग से 12 को बचाया, दो दिन में 52 की मौत : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सेना ने सोमवार को लगातार बारिश-भूस्खलन के बीच लांगटांग क्षेत्र में फंसे 12 ट्रेकर्स को बचाया। सभी 12 लोगों को रसुवा के स्याफ्रुबेसी लाया गया। हालांकि, बेरिंग खोला नदी में बहे 4 लोगों का पता नहीं चला है। 16 लोगों का यह समूह काठमांडो से लांगटांग राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र की यात्रा पर निकला था। शनिवार को लगातार बारिश के बाद एक नाले में बह जाने के बाद, दो महिलाओं सहित चार लोग लापता हो गए।

सैन्य काफिले पर सशस्त्र हमले में 4 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए : वाशुक, एजेंसी। बलूचिस्तान के वाशुक जिले में एक सैन्य काफिले पर हुए सशस्त्र हमले में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और एक अधिकारी समेत दो अन्य घायल हो गए। यह हमला बसिमा के पथक इलाके में हुआ जब तीन सैन्य वाहनों के काफिले पर अज्ञात आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने स्वचालित और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया एवं क्षेत्र में लंबे समय तक गोलीबारी और विस्फोट होते रहे। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी अधिकारियों ने एक सैनिक की मौत और एक अधिकारी के घायल होने की पुष्टि की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा के बदले सुर, टैरिफ कम करने के लिए 30 मिनट तक ट्रंप से की बातचीत

ब्रासीलिया, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति दुनियाभर के कई देशों पर भारी पड़ रहा है। इसमें भारत, ब्रजील जैसे देशों का नाम भी शामिल है। इसी बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैरिफ और स्थानीय अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधात्मक उपायों को हटाने का अनुरोध किया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में कुल 30 मिनट तक फोन पर आपस में बातचीत की।

मामले में ब्रजील सरकार की ओर से जारी बयान में दोनों नेताओं के फोन पर बातचीत की पुष्टि की गई है। साथ ही बयान में ये भी बताया गया कि ब्रजील के राष्ट्रपति सिल्वा और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने जल्द व्यक्तिगत रूप से मिलने पर सहमति जताई। बातचीत का लहजा दोस्ताना था।

ट्रंप का बातचीत पर सहारात्मक रुख

इस दौरान ट्रंप ने कहा कि लूला के साथ उनकी बहुत अच्छी बातचीत रही। दोनों ने मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था और व्यापार पर चर्चा की। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, हम आगे भी चर्चा करेंगे और निकट भविष्य में ब्राजील और अमेरिका में मिलेंगे।

मामले में ब्राजील सरकार के अनुसार, लूला ने मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान बैठक का सुझाव दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने की इच्छा जताई। ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद ने बैठक के बाद ब्रासीलिया में कहा कि बातचीत सकारात्मक रही। इसमें उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और विदेश मंत्री मौरो विएरा ने भी भाग लिया। बता दें कि शुरुआत में ब्राजील पर न्यूनतम 10% टैरिफ लगाया गया था, लेकिन बाद में ट्रंप ने कई प्रमुख निर्यातों पर इसे बढ़ाकर 40% कर दिया, जिससे कुल टैरिफ 50% हो गया।

मैंने जो कहा, वह बहुत असरदार था, वे रुक गए, ट्रंप ने फिर किया भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में चले संघर्ष को रुकवाने का दावा किया है। इतना ही नहीं ट्रंप एक बार फिर से टैरिफ को हथियार बताने से भी नहीं चूके। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को रोकने में टैरिफ (आयात शुल्क) का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में किया। जो उन्होंने कहा था, वह बहुत असरदार साबित हुआ।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, ÷टैरिफ अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम टैरिफ की वजह से शांति-रक्षक हैं। हम सैकड़ों अरब डॉलर कमाते हैं, लेकिन साथ ही टैरिफ के कारण हम युद्ध रोकने की ताकत भी रखते हैं।÷ उन्होंने दावा किया कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का

इस्तेमाल न किया होता, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते।

ट्रंप ने कहा, ÷मैं युद्ध रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करता हूं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो वे एक-दूसरे पर हमला करने के लिए तैयार थे। सात विमान गिराए गए थे। वे लड़ाई के लिए तैयार थे। दोनों ही परमाणु शक्ति से संपन्न देश हैं। मैं इसका जिक्र नहीं करना चाहता कि मैंने क्या कहा था, लेकिन जो मैंने कहा वह बहुत प्रभावी था। वे रुक भी गए। यह टैरिफ और व्यापार पर आधारित था।

भारत करता रहा है तीसरे पक्ष के दखल से इनकार गौरतलब है कि भारत ने पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं को सबक सिखाने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

चार दिन तक चले हमलों के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का समझौता हुआ था। तब ट्रंप ने एक पोस्ट के जरिए संघर्ष रुकवाने का श्रेय लेने की कोशिश की थी। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि यह समझौता दोनों सेनाओं के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) के बीच प्रत्यक्ष बातचीत से हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा। ट्रंप लगातार करते रहे हैं सात युद्ध रुकवाने का दावा उधर ट्रंप ने लगातार दावा किया कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में अब तक सात युद्ध खत्म करवाए हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान, कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, कॉन्गो-रवांडा, इस्राइल-ईरान, मिस्र-इथियोपिया और आर्मेनिया-अजरबैजान के बीच संघर्ष शामिल हैं। ट्रंप कहते रहे हैं कि इनमें से कम से कम आधे युद्ध मेरे व्यापारिक कौशल और टैरिफ की ताकत से खत्म हुए। अगर मेरे पास टैरिफ न होते, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते और रोज हजारों लोग मारे जा रहे होते।

कनाडा के प्रधानमंत्री और फिनलैंड के राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रंप; जापान की भावी पीएम ताकाइची को दी बधाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते दो बड़े अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। इसमें कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से व्हाइट हाउस में औपचारिक बैठक करेंगे। इसके बाद गुरुवार को वे अपने आठवें कैबिनेट की बैठक करेंगे और उसी दिन दोपहर को उनकी फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब से भी मुलाकात होगी। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कल व्हाइट हाउस में स्वागत करेंगे। गुरुवार को वे अपने कैबिनेट की बैठक करेंगे, और फिर फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब के साथ बैठक करेंगे।

कनाडा बिकाऊ नहीं- कार्नी का ट्रंप को जवाब : बता दें कि कुछ महीने पहले मई में जब ट्रंप और कार्नी की मुलाकात हुई थी, तब दोनों के बीच थोड़ा तीखा संवाद हुआ था। इस दौरान ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा था कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। इस पर कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने सीधा जवाब दिया, रियल एस्टेट की तरह कुछ जगहें बिकाऊ नहीं होतीं। कनाडा भी बिकाऊ नहीं है, और कभी नहीं होगा। इस पर भी ट्रंप ने अपनी बात से पीछे नहीं हटते हुए कहा, समय बताएगा। मैं कभी नहीं पर विश्वास नहीं करता। कई बार जो चीजें नामुमकिन लगती हैं, वे दोस्ताना तरीके से मुमकिन हो जाती हैं।

जापान की नई महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई : उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जापान की नई नेता साने ताकाइची को भी बधाई दी है। लेविट ने बताया कि, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कहा है कि मैं जापान को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी अगली प्रधानमंत्री का चुनाव किया है। वह एक बेहद सम्मानित और समझदार नेता हैं, जो हमारे महान सहयोगी देश जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं।

जापान में इतिहास रचने जा रहीं साने ताकाइची : ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बुद्धिमान और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला बताया। उन्होंने कहा कि वे जापान के अद्भुत लोगों को भी बधाई देते हैं। बता दें कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से ताकाइची के चुने जाने के बाद वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप को पुतिन की चेतावनी, यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने से हमारे संबंध खराब होंगे

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका को चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आगाह करने के अंदाज में उनके रूसी समकक्ष पुतिन ने साफ किया है कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दीं तो द्विपक्षीय संबंध खराब होंगे। पुतिन ने कहा, यूक्रेनी सेना इन मिसाइलों को खुद नहीं चला पाएगी। उन्होंने अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर मदद करने का दावा करते हुए गंभीर आरोप भी लगाए। वैश्विक ताकतों के टकराव और लंबे समय से जारी संघर्षों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति की तो वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंधों खराब हो जाएंगे।

एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये : सितंबर के अंत में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था कि व्हाइट हाउस कीव को टॉमहॉक मिसाइलें देने पर विचार कर रहा। एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये है। इनकी मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है, जिससे ये मिसाइलें मॉस्को और उसके बाहर भी हमला कर सकेंगी।

अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर यूक्रेन के साथ प्रत्यक्ष भागीदारी के आरोप पुतिन ने शनिवार को एक

साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप का ऐसा कदम हमारे संबंधों को बर्बाद कर देगा। इससे पहले बृहस्पतिवार को वल्दाई डिस्कशन क्लब में रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेनी सेना अमेरिकी सैन्यकर्मियों की प्रत्यक्ष भागीदारी के बिना इन मिसाइलों का संचालन नहीं कर सकेगी। क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी रूस की ताकत का उल्लेख करते हुए पुतिन ने कहा, अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी। यह भी कहा कि रूस की वायु रक्षा प्रणालियां पहले से इसी तरह के पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति के अनुकूल हो चुकी हैं। जेलेंस्की ने विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था स्थानीय समाचार एजेंसी के अनुसार, टॉमहॉक मिसाइलों की डिलीवरी पर बहस पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई बैठक के बाद शुरू हुई थी। जेलेंस्की ने उस मुलाकात के दौरान विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान ने अमेरिका को खनिजों की पहली खेप भेजी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने पहली बार अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की छोटी खेप भेजी है। ये खनिज पिछले महीने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (यूएसएसएम) के साथ हुए 50 करोड़ डॉलर के सौदे के तहत भेजे गए। हालांकि इन्हें भेजने की टाइमिंग नहीं पता चल पाई है। इस सौदे का मकसद पाकिस्तान में खनिजों की खोज और प्रोसेसिंग के लिए कारखाने बनाना है। ये नमूने पाकिस्तानी सेना की ब्रांच फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन की मदद से तैयार किए गए। यूएसएसएम ने इसे पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती का बड़ा कदम बताया। कंपनी का कहना है कि यह समझौता खनिजों की खोज से लेकर प्रोसेसिंग तक सब कुछ कवर करता है।

इमरान खान की पार्टी ने सौदे का विरोध किया : वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इसका विरोध किया है। पीटीआई नेता शेख वक्कास

अकरम ने कहा ऐसे सीक्रेट सौदे से देश के हालात खराब हो सकते हैं। क्क्षद्ध ने मांग की कि सरकार अमेरिका के साथ हुए सौदों का पूरा ब्योरा जनता को बताए। क्क्षद्ध के नेता ने कहा कि संसद और लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। हम देश के हितों के खिलाफ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं करेंगे।

यूएसएसएम डिफेंस से जुड़े खनिज रिसाइकल करती है : यूएसएसएम कंपनी का कहना है कि यह सौदा खनिजों की खोज से लेकर रिफाइनरी बनाने तक सब कुछ कवर करता है। मिसूरी की यह कंपनी ऐसे खनिज बनाती और रिसाइकल करती है जो रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के लिए जरूरी हैं। खेप में एंटीमनी, कॉपर कंसन्ट्रेट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे नियोडिमियम व प्रेजियोडिमियम शामिल हैं। इससे पहले सितंबर में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुलाकात की थी। इस दौरान मुनीर ने ट्रम्प को रेयल मिनरल्स से भरा ब्रीफकेस दिखाया था। पाकिस्तान का दावा है कि उसके पास 6 ट्रिलियन डॉलर की खनिज संपदा है। वो चाहता है कि अमेरिकी निवेशक यहां इन्वेस्ट करें। पाकिस्तान का अमेरिका को बलूचिस्तान में पोर्ट बनाने का प्रस्ताव पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने तीन दिन पहले ही अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं। प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी। पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा।

राजौरी में मुठभेड़ के बाद गायब हुए 4 आतंकियों को तलाशने में जुटा सुरक्षा बल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुरक्षा बलों के आतंकियों से मुठभेड़ हुई इसके बाद वे अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मंगलवार की रात दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग की गई थी। इसके बाद आतंकी जंगल की ओर भाग गए थे। बीरंथुब में हुए इस एनकाउंटर के बाद से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ की जॉइंट टीमें यहां पर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। मंगलवार की पूरी रात चली सर्चिंग के बाद बुधवार सुबह भी सर्च ऑपरेशन जारी है। यहां 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर है। सुरक्षाबल राजौरी-कोटरणका-बुधाले सड़क से गुजरने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। वहीं, आज सुबह से टेरर फंडिंग केस को लेकर स्टेट इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) श्रीनगर, गांदरबल, वडगाम, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपुरा और गांदरबल में छापेमारी कर रही है।

कुलगाम में 2 हुए थे ढेर

इससे पहले पिछले माह सितंबर में सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया था। गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया था। इस दौरान घायल हुए दो जवान भी शहीद हुए थे। मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के तौर पर हुई थी। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था।

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में चचेरा भाई डीएसपी संदीपन अरेस्ट

गुवाहाटी (एजेंसी)। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को अरेस्ट किया गया है। संदीपन, सिंगर के चचेरे भाई हैं। हादसे के वक्त वे सिंगापुर में साथ थे। अधिकारी ने बताया कि संदीपन से जुबीन की मौत को लेकर पिछले कुछ दिनों से पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और लापरवाही से मौत का कारण बनने का केस दर्ज किया है। बात दें कि जुबीन की मौत के मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इससे पहले, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके दो बैंड सदस्यों शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत को अरेस्ट किया गया था। जुबीन गर्ग का निधन सिंगापुर में 19 सितंबर को हुआ था। सिंगर 20 सितंबर को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के लिए सिंगापुर गए हुए थे, जहां उन्होंने वाटर एडवेंचर कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। दावा किया गया कि उनकी मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान एक हादसे में हुई थी।

आंध्र प्रदेश में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट... 6 लोगों की मौत, कई बुरी तरह झुलसे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के डॉ.बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। बुरी तरह झुलस गए शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। कई लोग घायल हैं। प्रशासन के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। पुलिस अधिकारी राहुल मीणा ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों के शव बुरी तरह झुलसे हैं। मृतक पटाखा फैक्ट्री के मजदूर हो सकते हैं। शवों की पहचान की जा रही है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था। लोकल रिपोर्टर्स में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं। घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह झुलसा दिख रहा है। वहीं घटना पर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं। सीएम नायडू ने पोस्ट कर लिखा कि इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है।

राजस्थान में कई दवाओं के सैंपल जांच में फेल... लेकिन रिपोर्ट आने तक बिक गई हजारों दवाए

जयपुर (एजेंसी)। कफ सिरप से बच्चों के मौत का मामला अभी सुर्खियों में है। लेकिन इसी बीच लोगों की सेहत से जुड़ी एक और बड़ी लापरवाही सामने आई है। सिर्फ राजस्थान में एक साल के अंदर कई बड़ी बीमारियों की दवाओं के सैंपल फेल हुए है। लेकिन उससे पहले ही दवाओं की हजारों गोलियां बेची जा चुकी हैं। जिन दवाओं के सैंपल फेल हैं, उसमें एंटी बायोटिक से लेकर कार्डियक अरेस्ट जैसे गंभीर बीमारियों की टैबलेट शामिल हैं। वहीं, सैंपल में कई दवाओं से साल्ट भी गायब मिले। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दवा नियंत्रण क़ानून में कई ख़ामियां हैं। इसका फ़ायदा उठाकर आम लोगों के जीवन से खेलने का ये कारोबार बेधड़क जारी है। दवाइयों के सैंपल फेल होने का मामला राजस्थान के औषधि नियंत्रण विभाग की जांच में सामने आया। औषधि नियंत्रण विभाग ये लापरवाही सामने आई की लेबोरेटरी में जांच हो रही है और नतीजे भी आ रहे हैं लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। राजस्थान ड्रग कंट्रोलर विभाग के अनुसार सैकड़ों दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं। जांच में इमोक्सीसिलन, क्लेवूलेनिक एसिड टैबलेट, सिप्रोफ्लोक्सासिन, सेफपोडॉक्सिन, सेफट्राइजोन इंजेक्शन के 6 बैच फेल मिले। जांच से पहले मेडिरिच लिमिटेड की 1 लाख से अधिक दवाइयां बिक चुकी थीं।

स्टेराइड: बीटामेथॉसॉन के 3 बैच फेल मिले। रिपोर्ट आई तब तक मेडिवेल बायोटिक की 30 हजार दवा बिक चुकी थी।

लिवोसिट्रोजिन, मोंटेलुकास्ट के 4 बैच सैंपल में फेल निकले। लेकिन रिपोर्ट आने तक थेराविन फार्माल्यूसेशन की 35 हजार दवाएं बिक चुकी थीं।

बिहार में सख्ती से लागू करें आचार संहिता, घोषणाएं और नीतिगत फैसले पर लगा बैन

सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से पोस्टर, बैनर हटाने का आदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए आदर्श आचार संहिता को लागू कर दिया है। 6 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को आचार संहिता के सख्त कार्यान्वयन के निर्देश दिए। यह संहिता न केवल राज्य सरकार, बल्कि केंद्र सरकार पर भी लागू होगी, खासकर बिहार से संबंधित नीतिगत फैसलों और घोषणाओं के मामले में।

चुनाव आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से किसी भी तरह के पोस्टर, बैनर को हटाने का आदेश दिया है। साथ ही, सरकारी वाहनों, आवास या संसाधनों का किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या चुनाव से जुड़े व्यक्ति द्वारा दुरुपयोग रोकने के लिए सख्ती बरतने को कहा है। सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी करने पर भी पूर्ण बैन लगाया है। नागरिकों की निजता का सम्मान करने और निजी संपत्तियों पर बिना मालिक की सहमति के झंडे, बैनर या पोस्टर लगाने पर रोक है। निजी आवासों के बाहर प्रदर्शन या धरना देने की भी मनाही है। शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है।

शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है। नागरिक कॉल सेंटर नंबर 1950 या जिला निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा सी-विजिल ऐप के जरिए एमसीसी उल्लंघन की शिकायत की जा सकती है, जिस पर 100 मिनट के अंदर कार्रवाई करने के लिए राज्य में 824 उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं।

आयोग ने मंत्रियों को आधिकारिक कर्तव्यों को चुनाव प्रचार से अलग रखने और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग न करने का निर्देश दिया है। चुनाव से जुड़े अधिकारियों के स्थानांतरण पर भी रोक लगा दी है। सभी अधिकारियों को निष्पक्षता के साथ काम करने, सभी दलों के साथ समान व्यवहार और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा है। सार्वजनिक स्थानों, जैसे मैदान और हेलीपैड, का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर निष्पक्ष रूप से करने के लिए सुविधा मॉड्यूल को सक्रिय कर दिया है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी : शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की बढ़ीं मुश्किलें

-विदेश यात्रा पर हाई कोर्ट ने लगाया रोक, 14 अक्टूबर को होगी सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस जोड़े के विदेश यात्रा पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने शिल्पा और उनके पति को धोखाधड़ी के मामले में 60 करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। दरअसल मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। यह आदेश अभी भी लागू है, जिसके चलते शिल्पा और राज कोर्ट या जांच एजेंसी की अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं कर पाएंगे। शिल्पा शेट्टी एक कार्यक्रम के लिए कोलंबो जा रही थीं, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें देश छोड़ने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। शिल्पा शेट्टी के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि अभिनेत्री 25 से 29 अक्टूबर तक एक यूट्यूब कार्यक्रम के लिए कोलंबो जा रही हैं। इस पर कोर्ट ने निमंत्रण कार्ड मांगा। इस दौरान शिल्पा शेट्टी के वकीलों ने कहा कि उन्हें केवल फोन पर बात करके निमंत्रण दिया गया था। जिसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मांग को तुरंत खारिज कर दिया। धोखाधड़ी के इस मामले में दंपत्ति को विदेश यात्रा की अनुमति लेने से पहले 60 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। अदालत ने फैसला सुनाया कि मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। आपको बता दें कि पिछले हफ़्ते बॉम्बे हाईकोर्ट ने शिल्पा और राज के थाईलैंड के फुकेत जाने पर रोक लगा दी थी।

ममता बनर्जी ने गृह मंत्री पर साधा निशाना और बोलीं- एक्टिंग पीएम की तरह काम कर रहे शाह, बन जाएंगे एक दिन मीर जाफर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे देश के 'एक्टिंग प्रधानमंत्री' हों, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सब कुछ जानते हुए भी चुप हैं।

दरअसल सीएम ममता बनर्जी मीडिया से बातचीत कर रहीं थी, इसी दौरान उन्होंने कहा, कि अमित शाह गृह मंत्री हैं, लेकिन हर काम ऐसे करते हैं जैसे वही प्रधानमंत्री हों। प्रधानमंत्री सब कुछ जानते हैं, पर कुछ नहीं बोलते। मेरा पीएम से अनुरोध है कि उन पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, क्योंकि एक दिन वही मीर जाफर की तरह आपके खिलाफ खड़े हो जाएंगे। इसी के साथ मुख्यमंत्री ममता ने आगे कहते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेता राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेता बंगाल में मतदाता सूची से एक लाख नाम हटाने की बात कर रहे हैं, जो लोकतंत्र पर हमला है। सीएम ममता बनर्जी ने सवाल करते हुए कहा, उनका नेता बंगाल आता है और कहता है कि हम एक लाख वोटरों के नाम काट देंगे। क्या यह लोकतंत्र है? क्या चुनाव आयोग भाजपा की शाखा है या जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाला आयोग? बंगाल सीएम ने स्पेशल समरी रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश, बाढ़ जैसी स्थिति और त्योहारों के बीच यह प्रक्रिया कराना लोकतंत्र का मजाक है। उन्होंने कहा, त्योहार के वक्त लोगों को घर छोड़कर बूथों पर कतार में लगने के लिए कैसे कहा जा सकता है? यह जनता की मुश्किलों को नजरअंदाज करने जैसा है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इन सभी कदमों के पीछे अमित शाह की सीधी भूमिका है और केंद्र सरकार, चुनाव आयोग तथा भाजपा 'एक ही टीम' बनकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की जनता लोकतंत्र की रक्षा के लिए तैयार है और 'किसी भी तानाशाही रवैये' के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

शिवसेना पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर 12 नवंबर को सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

उद्धव ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को दी है चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना पार्टी के चुनाव चिन्ह विवाद मामले को लेकर उद्धव ठाकरे की ओर से दायर याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 12 नवंबर की तारीख तय की है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को पार्टी का नाम 'शिवसेना' और उसका चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' आवंटित किया था।

उद्धव ठाकरे का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव जनवरी 2026 में होना है, इसलिए इस मामले पर तत्काल विचार करने की जरूरत है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई अगले महीने तय करने पर सहमति जताई।

कोर्ट ने कहा कि हम 12 नवंबर को सभी पक्षों की सुनवाई करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो हम 13 नवंबर को भी सुनवाई जारी रखेंगे। कपिल सिब्बल ने शिवसेना (यूबीटी) गुट की तरफ से दायर एक अन्य याचिका पर भी तत्काल सुनवाई की मांग की। इस याचिका में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें तत्कालीन सीएम एकनाथ शिंदे समेत सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया था।

इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि कपिल सिब्बल को संयुक्त सुनवाई के लिए भारत के सीजेआई की अनुमति लेनी चाहिए, क्योंकि दूसरी याचिका एक अलग बेंच के सामने लंबित है। बुधवार की सुनवाई से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि यह फैसले पर निर्भर करता है कि इस देश को किस ओर लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि यहां लोकतंत्र जिंदा रहना चाहिए और मजबूत होना चाहिए। हम यही अपेक्षा करते हैं कि न्यायालय का फैसला न्यायसंगत होगा और संविधान पर आधारित होगा। वडेट्टीवार ने कहा कि यह जनता को यह दिखाने का सुनहरा अवसर है कि देश संविधान और कानून के शासन से चलता है।

बता दें मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे गुट को आधिकारिक शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह देने के चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। हालांकि वह इस फैसले को चुनौती देने वाली उद्धव ठाकरे की याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गई है। अब सुनवाई 12 नवंबर को होगी।

10वीं फेल मिस्टर खड़गे, फिर भी भारत के कर्ज पर दे रहे हैं लेक्चर?

-बीजेपी नेता ने कर्नाटक सरकार में मंत्री की शिक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीजेपी नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने कांग्रेस नेता और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे की शिक्षा पर सवाल उठाए हैं। विष्णु वर्धन ने एक्स पर एक पोस्ट कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे को दसवीं फेल बताया। उन्होंने कहा कि 10वीं फेल मिस्टर खड़गे, लेकिन फिर भी भारत के कर्ज पर लेक्चर दे रहे हैं? दरअसल प्रियांक खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि मोदी सरकार के 'अमृतकाल' में भारत का कर्ज रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। देश का कुल कर्ज अब 181 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह पिछले सात सालों में ढाई गुना से ज्यादा बढ़ा है। वर्धन ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का बाहरी कर्ज भी 10.1फीसदी बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह सात सालों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया था कि इसी अवधि में भारतीय बैंकों ने बीते एक दशक में 12.3 लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ कर दिया। प्रियांक ने इसी पोस्ट में यह भी कहा कि इसके बावजूद पीएम मोदी ने बिहार में वोट खरीदने के लिए करदाताओं के 7,500 करोड़ रुपए की राशि बांटी। आर्थिक मोर्चे पर देश कर्ज में डूबता जा रहा है, लेकिन सरकार का प्रचार तंत्र करोड़ों रुपए के विज्ञापनों पर खर्च कर जनता को यह भरोसा दिलाने में जुटा है कि 'सब चंगा है'। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियांक खड़गे की इस पोस्ट पर बीजेपी नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने उन पर प्रहार करते हुए कहा कि 10वीं फेल मिस्टर खड़गे अब भारत के कर्ज पर ज्ञान दे रहे हैं? आपके ही मंत्रालय पर 5,588.33 करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया है, जबकि कर्नाटक के सरकारी विभागों पर कुल 10,342.13 करोड़ का बकाया है।

सीजेआई पर जूता उछालने के बाद सीनाजोरी, बोला- फिर ऐसा ही करुंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर अब चोरी ऊपर से सीनाजोरी पर उतर आए हैं। उन्हे उनकी हरकत के लिए माफ कर दिया गया है लेकिन वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। किशोर ने कहा कि भगवान का आदेश हुआ तो फिर कुछ इसी तरह करुंगा। उन्होंने कहा, परमात्मा ने कहा था, इसलिए किया। मैंने परमात्मा का काम किया। यह मेरा दिव्य कर्तव्य था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है और अगर परमात्मा फिर आदेश देंगे तो वे दोबारा ऐसा करेंगे।

किशोर ने बताया कि खजुराहो के जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति को पुनर्स्थापित करने की याचिका खारिज करते समय सीजेआई गवई की टिप्पणी से वे बेहद आहत हुए और इसी कारण उन्होंने ऐसा कदम उठाया। इस घटना के विरोध में मंगलवार को मयूर विहार स्थित किशोर के रिवरव्यू अपार्टमेंट के बाहर जमकर प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारी जूते की मालाएं, डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें और संविधान की प्रतियां

लेकर पहुंचे थे। उन्होंने नारे लगाए, 'सीजेआई का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। इस घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ जूता फेंकने का नहीं है बल्कि संविधान पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सीजेआई के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां और धमकियां फैलाई जा रही हैं, जिन्हें सरकार को हटाना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पुलिस इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करे, चाहे औपचारिक शिकायत दर्ज हुई हो या नहीं। देशभर में इस घटना की कड़ी निंदा हो रही है। इस घटना के मद्देनजर सोसाइटी के बाहर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड लगाए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, राकेश किशोर के पड़ोसियों ने बताया कि उनके खिलाफ पहले भी हिंसक व्यवहार की शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। 70 वर्षीय पुरुषोत्तम ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने हंगामा किया। 2021 में भी उन्होंने एक बुजुर्ग के साथ हाथापाई की थी।

पुलिस को दी गई एक पुरानी शिकायत में निवासियों ने आरोप लगाया था कि किशोर ने करीब एक साल तक उन्हें डराया-धमकाया और सोसाइटी के वॉट्सऐप ग्रुप में जातिवादी और धार्मिक गालियां दीं। एक अन्य निवासी कौशल ने बताया कि किशोर कभी सोसाइटी की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि कुछ घटनाओं के बारे में सुन रखा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में हुई यह घटना बेहद चौंकाने वाली है। सोसाइटी के सुरक्षा गार्डों ने बताया कि किशोर के परिवार ने उन्हें किसी भी विजिटर को घर में न आने देने के निर्देश दिए हैं। परिवार का कहना है कि किशोर की तबीयत ठीक नहीं है और वह मानसिक रूप से भी अस्थिर महसूस कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में हुई बर्फबारी में फंसे 25 लोगों का किया गया रेस्क्यू

-हिमाचल में लैंडस्लाइड तो बिहार में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अनेक हिस्सों में भारी बारिश के बाद उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में लगातार बर्फबारी हो रही है, जबकि बिहार में लौटते मानसून की बारिश ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। हिमाचल में बर्फबारी के साथ ही भूस्खलन से करीब 15 लोगों की मौत हो गई है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना ने बर्फीले तूफान में फंसे बकरवाल समुदाय के 25 आदिवासियों और उनके पालतू जानवरों को रेस्क्यू किया है। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के चलते पिछले तीन दिनों से बंद वैष्णो देवी यात्रा बुधवार से फिर शुरू हो गई है। यात्रा शुरू होने के बाद सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए रवाना

हुए हैं।

एक अन्य जानकारी अनुसार हिमाचल प्रदेश में तीसरे दिन भी स्नोफॉल जारी है। लाहौल-स्पीति में तापमान -0.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, बिलासपुर जिले में एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई।

उत्तराखंड में बद्रीनाथ, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में भी इस सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई। हेमकुंड साहिब में दो से तीन इंच तक बर्फ जमी है। केदारनाथ में तापमान 5 डिग्री तक गिर गया है। चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में रोजाना पांच हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

नदियां उफान पर बाढ़ के हालात

दूसरी ओर, बिहार में लौटते मानसून और नेपाल में भारी बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। राज्य के सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, अररिया और किशनगंज जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सुपौल में 5 हजार से अधिक घरों में पानी भर गया, जबकि मधुबनी जिले में करीब एक लाख लोग प्रभावित हैं। इस बीच, मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने लगी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों तक पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में ठंडी हवाओं के चलते तापमान में और गिरावट की संभावना जताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में एसआईआर के तहत 3.66 लाख मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से इन मतदाताओं के विवरण मांगे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग बाहर किए गए मतदाताओं के बारे में उपलब्ध सभी जानकारी बृहस्पतिवार यानी नौ अक्टूबर तक अदालत के रिकॉर्ड पर लाये, जब वह एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी के पास मतदाता सूची का मसौदा है और अंतिम सूची भी 30 सितंबर को प्रकाशित हो चुकी है, इसलिए तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक आंकड़े प्रस्तुत किए जा सकते हैं। जस्टिस बागची ने चुनाव आयोग का पक्ष रखने के लिए पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा कि अदालती आदेशों के परिणामस्वरूप चुनावी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और पहुंच बढ़ी है। पीठ ने कहा कि चूंकि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या से ऐसा प्रतीत होता है कि मसौदा सूची की संख्या में वृद्धि की गई है, इसलिए किसी भी भ्रम से बचने के लिए अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान का खुलासा किया जाना चाहिए।

जस्टिस बागची ने कहा कि आप हमसे सहमत होंगे कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि आपके द्वारा प्रकाशित मसौदा सूची में 65 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे और हमने कहा कि जिनकी मृत्यु हो गई या जो स्थानांतरित हो गया है वह ठीक है, लेकिन यदि आप किसी को हटा रहे हैं तो कृपया नियम 21 और एसओपी (मानक परिचालन प्रक्रिया) का पालन करें। उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा कि जिनके भी नाम हटाए गए हैं, कृपया उनके आंकड़े अपने निर्वाचन कार्यालयों में जमा कराएं। अब अंतिम सूची आंकड़ों में वृद्धि प्रतीत होती है और सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भ्रम की स्थिति है - जोड़े गए नामों की पहचान क्या है, क्या वे हटाए गए नाम हैं या नए नाम हैं। द्विवेदी ने जवाब दिया कि अधिकतर नाम नए मतदाताओं के हैं और कुछ पुराने मतदाता भी हैं, जिनके नाम मसौदा सूची प्रकाशित होने के बाद जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक किसी ऐसे किसी मतदाता ने शिकायत या अपील नहीं की है जिसका नाम हटाया गया है।